जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The Four Temperaments Yourself, Your Team...

Imagine a startup CEO who has a Sanguine temperament. She would likely be a magnet for investors and employees alike, energizing the company with lively town halls and creative brainstorming sessions...

Sunday afternoon on the island of La Grande Jatte

दो दिन बचे हैं, ''डैड लाइन'' पूरी होने में

कांग्रेस बदहवास सी दिख रही है, अकबर रोड स्थित मुख्यालय को बचाने के प्रयास में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। पिछले 48 वर्षों से कांग्रेस का मुख्यालय रहे 24, अकबर रोड को खाली करने के लिए अंतिम नोटिस दिए जाने के बाद, पार्टी अपने इस परिसर को बचाने के लिए पूरी कोशिश कर रही है।

सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने बैक-चैनल कूटनीति का इस्तेमाल करते हुए सरकार के उन लोगों से मीटिंग करने की कोशिश की है, जो मदद कर सकते हैं, लेकिन अब तक सभी प्रयास विफल रहे हैं और सरकार ने साफ तौर पर इनकार कर दिया है।

यह स्पष्ट रूप से शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर हो रहा है। इसके साथ ही, युवा कांग्रेस कार्यालय 5 रायसीना रोड और जवाहर भवन को भी खाली करने के लिए कहा गया है।

यूपीए सरकार के दौरान सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें राजनीतिक दलों से, लुटियंस दिल्ली के बाहर स्थानांतरित करने को कहा गया था, क्योंकि यहां ट्रैफिक जाम और अन्य समस्याएं हो रही थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा करने का आदेश दिया था और यूपीए सरकार ने सभी राजनीतिक दलों को जमीन आवंटित की थी।

पिछले नवंबर में कांग्रेस ने अपने नए पार्टी कार्यालय ''इंदिरा भवन'' का उद्घाटन किया, लेकिन पार्टी 24 अकबर रोड को किसी कांग्रेस सांसद के नाम पर आवंटित करवाने में पूर्णतया विफल रहीं।

यह भवन कांग्रेस पार्टी के नाम पर ही आवंटित रहा। इन मुद्दों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस ने ''बैक चैनल डिप्लोमैसी'' के मार्फत भाजपा नेताओं से बातचीत भी की, पर, सब जगह उनके प्रयास निष्फल हुए।
- यह समस्या खड़ी ही नहीं होती, अगर, कांग्रेस ने 24, अकबर रोड स्थित बंगले को अपने किसी सांसद के नाम ''अलॉट'' करा लिया होता, पर, बंगला औपचारिक तौर पर, कांग्रेस पार्टी को आवंटित दिखाया जाता रहा।
- एआईसीसी में प्रशासनिक व्यवस्था देखने वाले लोगों की यह जिम्मेवारी थी, पर, लगता है पूरी व्यवस्था ही खत्म हो गई है। अतः, अब बदहवास सी स्थिति दिख रही है, पार्टी में, क्योंकि कोर्ट की शरण में जाने के विकल्प में कुछ दम नहीं लगता, क्योंकि, भूमि आवंटित करके, पार्टी को मुख्यालय के निर्माण के लिए पर्याप्त समय पहले ही दिया जा चुका है।
- जैसा कि विदित ही है, यूपीए सरकार के शासनकाल में, सुप्रीम कोर्ट ने रोजमर्रा ट्रैफिक जाम जैसी समस्या से निपटने के लिए फैसला सुनाया था कि लुटियंस एरिया से सभी राजनीतिक पार्टियों को बाहर शिफ्ट करवा देना चाहिए तथा सरकार ने राजनीतिक पार्टियों को भूमि भी आवंटित कर दी थी, नया मुख्यालय बनाने के लिए।

ईरान वॉर के कारण महंगी हुई स्वास्थ्य सेवाएं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। सभी क्षेत्रों की तरह भारत का स्वास्थ्य क्षेत्र भी ईरान में चल रहे युद्ध के अप्रत्यक्ष प्रभावों को महसूस करने लगा है। हालांकि अभी तक नियमित चिकित्सा सेवाओं में कोई बड़ा व्यवधान नहीं आया है, लेकिन उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि लंबे समय तक संघर्ष जारी रहने से सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि होर्मुज़ स्ट्रेट जैसे शिपिंग मार्ग लंबे समय तक प्रभावित रहे, तो इसका असर अंततः मरीजों की जेब पर पड़ेगा।

- भारत के बड़े पैमाने पर चिकित्सकीय उपकरण, दवाओं के घटक आदि आयात होते हैं। इस समय ईरान वॉर के कारण माल आना मुश्किल हो गया है।

भारत के मेडिकल डिवाइस और फार्मा सेक्टर बड़ी मात्रा में कच्चा माल, सक्रिय औषधीय तत्व (एपीएल) और विशेष घटक (कम्पोनेन्ट्स) आयात करते हैं, जिनमें प्लास्टिक और इन्टरमीडिएट केमिकल शामिल हैं। महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों में हो रही देरी, बढ़ी हुई ढुलाई लागत और ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण स्वास्थ्य कंपनियों की लागत बढ़ रही है। सिरिंज, ग्लव्स, कैथेटर और अन्य कन्ज़्यूमेबल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल, जिन्हें ईरान अपना मित्र मानता है

इन देशों की सूची में भारत के साथ चीन, रूस, ईराक, पाकिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। एक बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में, ईरान ने कहा है कि मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज़ स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) भारत के लिए खुला रहेगा। यह जलमार्ग, जो फारस की खाड़ी का संकरा मुहाना है और जिसके माध्यम से सामान्यतः दुनिया के पाँचवें हिस्से का तेल भेजा जाता है, पिछले महीने संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़रायल द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू किए जाने के बाद से ईरान के नियंत्रण में है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ईरान के सरकारी टीवी से बातचीत में स्पष्ट किया कि, पश्चिमी मीडिया के दावों के विपरीत, यह स्ट्रेट पूरी तरह बंद नहीं है।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने कहा, ''कई जहाज मालिकों, या उन देशों ने, जो इन जहाजों के मालिक हैं, हमसे संपर्क किया है और स्ट्रेट से सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। इनमें से कुछ देशों को मित्रता के लिए तथा कुछ को अन्य कारणों से हमने सुरक्षित मार्ग देने का विचार किया है। हमारी सेनाओं ने उन्हें रास्ता दिया है। उन्होंने आगे कहा, ''आपने खबरों में देखा होगाः चीन, रूस, पाकिस्तान, इराक और भारत। कुछ रात पहले उनके दो जहाज यहां से गुज़रे, और कुछ अन्य देश, यहाँ तक कि मुझे लगता है बांग्लादेश भी। ये वे देश हैं, जिन्होंने हमसे बात की और हमारे साथ तालमेल किया, और यह भविष्य में भी, युद्ध के बाद भी, जारी रहेगा।

- ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से इन देशों के जहाजों के आवागमन में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करेगा।
- ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ईरान के सरकारी टीवी पर कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की यह खबर झूठी है, हमने होर्मुज़ स्ट्रेट को पूरी तरह बंद किया है। जिन देशों को हम मित्र मानते हैं, उन्हें हमने सुरक्षित रास्ता दिया है।
- अराघची ने कहा, आपने खबरों में देखा होगा, दो दिन पहले भारत के दो जहाज होर्मुज़ स्ट्रेट से गुजरे थे।

होर्मुज़ स्ट्रेट के पास 1900 जहाज फंसे हैं

लंदन/तेहरान, 26 मार्च। पश्चिम एशिया में पिछले 27 दिनों से जारी युद्ध के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में, मुख्य रूप से फारस की खाड़ी में, लगभग 1,900 व्यापारिक जहाज फंसे हुए हैं। युद्ध शुरु होने के बाद होर्मुज में समुद्री यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कतर से गैस आयात घटाना भारत के लिए वरदान बना

भारत ने 2014 के बाद से कतर से गैस आयात घटाना शुरु कर दिया था, इससे पूर्व भारत कुल गैस उपभोग का 86 प्रतिशत कतर से मंगाता था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। 19 मार्च को क़तर के रास लफ़ान हाइड्रोकार्बन कॉम्प्लेक्स पर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले ने दुनिया भर में चिंता पैदा कर दी, क्योंकि क़तर दुनिया की लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) के लगभग पाँचवें हिस्से की आपूर्ति करता है। यह चिंता भारत में विशेष रूप से गंभीर थी, क्योंकि हमारी जरुरत की एलएनजी का 40 प्रतिशत क़तर से आता है।

इस कॉम्प्लेक्स के अनिश्चितकाल के लिए बंद होने और होर्मुज़ स्ट्रेट को जहाजों के लिए बंद करने की स्थिति में, क़तर की गैस पर भारत की निर्भरता घातक लग सकती है। ऐसा है, लेकिन केवल बहुत कम समय के लिए। ऐतिहासिक आयात आंकड़े बताते हैं कि एक दशक पहले भारत की निर्भरता इससे कहीं अधिक थी; लेकिन 2014 के बाद भारत सरकार ने क़तर की गैस पर निर्भरता कम करने के लिए एक सुविचारित रणनीति शुरू की। यह इस बात का उदाहरण है कि दूरदृष्टि को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ज्ञातव्य है कि 19 मार्च को ईरान के हमले में कतर का सबसे बड़ा, रास लाफान हाइड्रोकार्बन्स कॉम्पलैक्स ध्वस्त हो गया और यह अगले कुछ माह तक बंद रहेगा। अगर भारत सिर्फ कतर पर ही निर्भर रहता तो भारी दिक्कत में पड़ सकता था।
- सन् 2014 में मोदी सरकार ने कतर पर गैस निर्भरता घटानी शुरु की, जो 86 प्रतिशत से घट कर 39 प्रतिशत रह गई है।
- इस समय भारत कतर के अलावा नाइजीरिया, इक्वटोरियल गिनी, ऑस्ट्रेलिया और ओमान से गैस ले रहा है।

राजस्थान का कॉमर्शियल गैस आवंटन 10 प्रतिशत बढ़ा

जयपुर, 26 मार्च। प्रदेश में आवश्यक ईंधन आपूर्ति को लेकर बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। केन्द्र सरकार ने राजस्थान को अतिरिक्त कमर्शियल गैस का आवंटन 10 प्रतिशत बढ़ा दिया है, जिससे आपूर्ति व्यवस्था और मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने केन्द्र से अतिरिक्त आवंटन की मांग की थी, जिस पर सकारात्मक निर्णय लिया गया है।

- मुख्यमत्री भजनलाल ने प्रधानमंत्री का आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में गैस, पेट्रोल और डीज़ल की किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। सरकार लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है और आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इस्लामिक रिवोल्युशनरी गार्ड के नौसेना कमांडर अलीरेज़ा तंगसीरी, इज़रायली बमबारी में मारे गए

तंगसीरी, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से आवागमन बंद करने के प्लान के रचयिता थे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के नौसैनिक कमांडर अलीरेज़ा तंगसीरी की बंदर अब्बास के तटीय क्षेत्र में अमेरिका-इज़रायल के हमले में मौत हो गई है। इज़रायली मीडिया ने एक इज़रायली अधिकारी के हवाले से यह खबर दी। टाइम्स ऑफ इज़रायल की रिपोर्ट के अनुसार, तंगसीरी होर्मुज़ स्ट्रेट को बंद कराने के लिए जिम्मेदार थे।

इज़रायली मीडिया का दावा है कि इससे अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए होर्मुज़ स्ट्रेट बिना किसी अतिरिक्त नाकाबंदी के खुल गया है।

इस हमले पर अभी तक ईरान या इज़रायली सेना की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है। यदि इसकी पुष्टि होती है, तो यह अब चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुके युद्ध में एक और बड़ा नुकसान होगा।

तंगसीरी उन कुछ बड़े नामों में शामिल थे, जो अब तक अमेरिका-इज़रायल के हत्या प्रयासों से बचते रहे थे। सन् 2018 से इस पद पर रहे एक अनुभवी कमांडर के रूप में उन्होंने होर्मुज़ स्ट्रेट को बंद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

फारस की खाड़ी से खुले समुद्र की ओर जाने वाले इस रणनीतिक मार्ग होर्मुज़ स्ट्रेट पर नियंत्रण रखते हुए, ईरान उन जहाजों को रोक रहा था, जिन्हें वह अमेरिका और इज़राइल के युद्ध प्रयासों से जुड़ा मानता है, जबकि कुछ अन्य जहाजों को सीमित रूप से गुजरने दे रहा था। सामान्य समय में, दुनिया भर में बेचे जाने वाले कुल तेल और प्राकृतिक गैस का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी जलमार्ग से होकर गुजरता है।

तेहरान द्वारा इस मार्ग पर लगाए गए नियंत्रण के कारण इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से ऊर्जा की दैनिक शिपिंग में 95 प्रतिशत की गिरावट आई है। शिपिंग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हालांकि, अभी तक ईरान या इज़रायल ने इस बमबारी की खबर की पुष्टि नहीं की है।
- अगर, इस बमबारी में तंगसीरी की मृत्यु की पुष्टि हो गई तो तंगसीरी का नाम उन चुनिंदा नामों में अव्वल नम्बर पर होगा, अब तक जिन्हें अमेरिका-इज़रायल बमबारी नहीं मार पाई थी।
- तंगसीरी 2018 से अपने इस पद पर विराजमान थे, जिसने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में जहाजों के आवागमन को प्रतिबंधित किया था।

विचार बिन्दु

मनुष्य का कर्त्तव्य है कि वह उदार बनने से पहले त्यागी बने। –डिकेंस

राजस्थानी भाषा: मान्यता की चुनौतियां और राजस्थान सरकार के प्रयास

राजस्थानी भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, अपितु राजस्थान की सात सौ साल पुरानी वीर गाथाओं, भक्ति रस और सांस्कृतिक विरासत की जीवित संवाहिका है। यह उस माटी की बोली है, जिसने 'पद्मावत' से लेकर 'ढोला मारू रा दूहा' तक और मीरां के पदों से लेकर कन्हैयालाल सेठिया की 'पाथल और पीथल' तक विश्व साहित्य को अनमोल रत्न दिए हैं। आज जब हम आधुनिकता के दौर में अपनी जड़ों को तलाशते हैं, तो राजस्थानी भाषा एक सुदृढ़ सेतु के रूप में खड़ी दिखाई देती है, जो राजस्थानी अस्मिता, इतिहास और भावनात्मक भावनाओं को जोड़ती है। विडंबना यह है कि करोड़ों लोगों द्वारा बोली जाने वाली और समृद्ध व्याकरण और साहित्य रखने वाली यह भाषा आज भी भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्षरत है।

राजस्थानी की जड़ें वैदिक संस्कृत और अपभ्रंश तक जाती हैं। भाषाविदों के अनुसार, इसका उद्भव 'मरुगुर्जर' अपभ्रंश से हुआ है, जो इसकी ऐतिहासिक गहराई और भारतीय भाषापरंपरा के साथ गहरे तादात्म्य को दर्शाता है। आज राजस्थानी की अनेक बोलियां मारवाड़ी, मेवाती, ढूंढाड़ी, हाड़ौती और मालवी सहित–पूरे प्रदेश में अपनी छटा बिखेर रही हैं। साहित्य अकादमी ने पहले ही राजस्थानी को एक स्वतंत्र भाषा के रूप में मान्यता दे दी थी, लेकिन राजनीतिक और संवैधानिक स्तर पर उसे वह सम्मान नहीं मिल पाया, जिसका यह हकदार है। यही अंतर आज भी राजस्थानी भाषी समुदाय के लिए एक गहरा विरोधाभास और अपमान का एहसास बना हुआ है।

संविधान की आठवीं अनुसूची में राजस्थानी को शामिल करने की मांग दशकों पुरानी है। 25 अगस्त 2003 को राजस्थान विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें केंद्र सरकार से राजस्थानी को आठवीं अनुसूची में जोड़ने का आग्रह किया गया था। यह दस्तावेज़ आज भी मान्यता की मांग का सबसे मजबूत कानूनी और नैतिक आधार माना जाता है, पर यह अभी भी केंद्रीय स्तर पर अटका हुआ है। गृह मंत्रालय द्वारा गठित 'सीताकांत महापात्र समिति' ने भी राजस्थानी को मान्यता देने के पक्ष में सकारात्मक सिफारिशें की हैं, लेकिन अंतिम निर्णय अभी तक संसदीय स्तर पर अधूरा है। जब तक किसी भाषा को संवैधानिक संरक्षण नहीं मिलता, तब तक उसका सरकारी कामकाज, औपचारिक शिक्षा और नौकरशाही में प्रयोग सीमित रहता है, और राजस्थानी भी इसी दुविधा में जी रही है।

राजस्थानी भाषा की मान्यता हेतु जन सेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और साहित्यकारों ने सड़क से लेकर संसद तक आवाज उठाई है। राजस्थान के सांसदों ने समय–समय पर लोकसभा और राज्यसभा में नियम 377 तथा शून्यकाल के दौरान राजस्थानी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की पुरजोर मांग की है। राजस्थानी मोती डूंगरी' जैसे संगठनों और विजयदान देथा, कन्हैयालाल सेठिया जैसे साहित्यकारों के मार्गदर्शन में जनसेवकों ने राजस्थानी मान्यता संघर्ष समिति जैसी संरचनाएं बनाकर बड़े आंदोलनों का नेतृत्व किया है। यह आंदोलन यह तर्क देता है कि राजस्थानी केवल एक बोली नहीं, बल्कि लगभग 8 करोड़ लोगों की सांस्कृतिक, भावनात्मक और सामाजिक पहचान है।

राजस्थान सरकार के दृष्टिकोण से देखें तो राजस्थानी भाषा की संवैधानिक मान्यता की मांग को राज्य स्तर पर गंभीरता से उठाया गया है। 25 अगस्त 2003 का विधानसभा प्रस्ताव एक ऐतिहासिक कदम है, जिसके बाद राज्य सरकार धीरे–धीरे इसके संरक्षण और संवर्धन की दिशा में कदम बढ़ा रही है। 'राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर' की स्थापना एक मील का पत्थर साबित हुई है, जो राजस्थानी साहित्यकारों को प्रोत्साहित करती है, विभिन्न पुरस्कार देती है और पुस्तक प्रकाशनों के माध्यम से भाषा के मानक स्वरूप को संरक्षित रखने का काम कर रही है। इस अकादमी द्वारा संपादित पत्रिकाएं और शोध लेख राजस्थानी को आधुनिक शोध और नवीन पीढ़ी के लिए प्रासंगिक बनाते हैं। इसी कड़ी में 'जागती जोत' जैसी पत्रिकाओं ने राजस्थानी लेखन को एक नई दिशा, नया आत्मविश्वास और सार्वजनिक मंच दिया है, जिसने युवा लेखकों और शोधार्थियों को भाषा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है।

सबसे पहले यह मानना होगा कि बोलियां एक ही भाषापरिवार के भीतर अलग-अलग रंग स्वरूप हैं, न कि अलग-अलग भाषाएं। ऐसे में यदि राजस्थानी के लिए एक मानक राजस्थानी बनाई जाए, जो विभिन्न बोलियों के बीच अधिकतम आम स्थान समय के लिए स्वीकृत रूप में उपयोग की जाए, तो भाषाविविधता स्वतः ही संकुलित होने लगेगी।

शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप मातृभाषाआधारित शिक्षा के महत्व को स्वीकार करते हुए प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा देने की दिशा में काम किया है। राजस्थान के कई सरकारी विद्यालयों में स्थानीय बोलियों में शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि ग्रामीण परिवेश के बच्चे अपनी मातृभाषा में अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझ सकें। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और विभिन्न विश्वविद्यालयों में राजस्थानी को एक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है, जिससे युवा पीढ़ी अपनी भाषाई विरासत से जुड़ी रह सके।

राजस्थानी भाषा की बोलियां राजस्थानी विरासत की जीवित शाखाएं हैं। इसका उद्देश्य यह होना चाहिए कि अलग–अलग बोलियों के बीच जो वास्तविक भेद हैं, उन्हें व्यवस्थित रूप से संकुलित करके एक मानक राजस्थानी के रूप में आगे बढ़ाया जाए, जिसके भीतर बोलियां अपनी विशिष्टता बनाए रखें, पर भाषास्तर पर संवाद और शिक्षा के लिए एक सामान्य आधार खड़ा हो। राजस्थानी भाषा की बोलियां मारवाड़ी, मेवाड़ी, ढूंढाड़ी, हाड़ौती, मेवाती, शेखावाटी, बागड़ी, मालवी आदि की विविधता को नष्ट करने की बजाय उसे संरक्षित करते हुए मानकीकरण और समन्वय की दिशा में काम किया जा सकता है।

सबसे पहले यह मानना होगा कि बोलियां एक ही भाषापरिवार के भीतर अलग–अलग रंग स्वरूप हैं, न कि अलग–अलग भाषाएं। ऐसे में यदि राजस्थानी के लिए एक मानक राजस्थानी बनाई जाए, जो विभिन्न बोलियों के बीच अधिकतम आम स्थान समय के लिए स्वीकृत रूप में उपयोग की जाए, तो भाषा विविधता स्वतः ही संकुलित होने लगेगी। इसके लिए भाषाविदों, शोधकर्ताओं और साहित्यकारों की तकनीकी समिति आवश्यक है, जो राजस्थानी के उन शब्दों, व्याकरणिक रूपों और वाक्य संरचनाओं का चुनाव करे जो विभिन्न बोलियों में सबसे अधिक आम और व्यावहारिक हों। इस मानक रूप को एजुकेशन, प्रशासन, मीडिया और डिजिटल डॉक्यूमेंट्स में व्यवस्थित रूप से अपनाने से युवा जन को एक सामान्य भाषाई आधार मिलेगा, लेकिन उनकी स्थानीय बोली से उनका जुड़ाव टूटा बिल्कुल नहीं होगा।

दूसरे, राजस्थानी के लिए एक यूनिफाइड लिपिस्तर बनाना भी बोलीविविधता को भाषाई दृष्टि से कम करने का बड़ा कदम होगा। वर्तमान में राजस्थानी विभिन्न क्षेत्रों में अलग–अलग लिपिप्रयोग और वर्तनी के कारण और भी बिखरीसी प्रतीत होती है। इसलिए देवनागरी लिपि को राजस्थानी के लिए मूल लिपि या स्वीकृत लिपि के रूप में पहचानना, और उसके लिए यूनिकोड आधारित फॉन्ट, कीबोर्ड लेआउट और टाइपोग्राफिक मानक विकसित करना आवश्यक है। जब स्कूल, विश्वविद्यालय, सोशल मीडिया और ऑनलाइन सामग्री में एक ही लिपि और वर्तनी का प्रयोग बढ़ेगा, तो बोलियों की अलगअलग लिखित विकृतियां घटने लगेंगी, जबकि उनकी विशिष्ट उच्चारण शैली और शब्दावली जीवित रहेगी।

डिजिटल प्लेटफॉर्म भी बोली विविधता को संकुलित करने में बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं। राजस्थानी वेबसाइट, ऐप, यूट्यूब चैनल, सोशल मीडिया ग्रुप और ऑनलाइन डिबेट मंचों में यदि मानक राजस्थानी को रेफरेंस भाषा के रूप में अपनाया जाए, और अलग–अलग बोलियों के उदाहरण उपटिप्पणियों या टिप्पणियों के रूप में जोड़े जाएं, तो युवा जन स्वयं को एक आम रूप के साथ जोड़ते जाएंगे। राजस्थानी डिजिटल शब्दकोशों में भी अलग–अलग बोलियों के शब्द घटक रूप में दर्ज किए जाएं, लेकिन प्रमुख लेखांतर और व्याख्याएं एक ही मानक रूप में रखी जाएं, ताकि भाषा की आंतरिक विविधता बनी रहे, लेकिन लिखित रूप से भ्रम कम हो।

राज्यस्तरीय नीतियां और संस्थागत भूमिका भी बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी जैसी संस्थाएं राजस्थानी व्याकरण मानक संहिता और मानक राजस्थानी शब्दावली जारी कर सकती हैं, जिसके आधार पर स्कूल पाठ्यपुस्तकें, अखबार सहयोगी प्रकाशन, रेडियोटीवी प्रसारण और सरकारी विज्ञापन तैयार किए जाएं। जनकल्याण योजनाओं के प्रचार, हेल्पलाइन सेवा और ग्रामीण प्रशिक्षण सामग्री में भी इस मानक रूप को अपनाने से बोलियों की छाया घटकर एक जुड़ीसी भाषाई छवि बनती जाएगी। इससे भाषा विविधता समझी जाती बोलीशाखाएं रहेगी, न कि असहमति का कारण।

साथ ही बोलीविविधता को नष्ट करने की बजाय उसका वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण भी जरूरी है। राजस्थानी भाषा की अनेक बोलियां लगभग 73 तक गिनी गई हैं, और ऐसा कहा जाता है कि हर दस कोस पर पगड़ी का पेच और बोली में अंतर आ जाता है। इसलिए वोकल और डिजिटल रिकॉर्डिंग, वीडियो, लोकगीत संग्रह, नाटक, उपन्यास और लेखों के माध्यम से विभिन्न बोलियों के उच्चारण, मुहावरे, उपमाएं और लोकविश्वास दस्तावेजित किए जाने चाहिए। इससे न केवल भाषाई विविधता संरक्षित रहेगी, बल्कि इन बोलियों के आधार पर ही भाषाविद मानक रूप का भी समन्वय कर सकेंगे। ऐसी स्थिति में बोलीविविधता भाषा की विलक्षण ताकत बनी रहेगी, न कि इसकी कमजोरी।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

अनावश्यक इजरायल, अमरीका बनाम ईरान युद्ध और नाई की दुकान पर हुई चर्चाएं

महावीर सिंह

पिछले 27 दिन से टीवी चैनल्स पर आधे से अधिक प्राइम टाइम पर इसी युद्ध की चर्चा होती है। सुबह घूमने वालों के समूह हों, पान की दुकान, गांव मोहल्ले हर जगह आम आदमी इस युद्ध पर अपने विचार व्यक्त करता रहता है। समूह जहां होते है वे थोड़े समय में इजरायल अमरीका या ईरान के समर्थन में बोलने लगते है।

नाई की दुकान पर हेयरकट के लिए यह घुमंतू भी ईद वाले दिन गया था। नाई की दुकान पर कुछ लोगों की हेयरकट, हजामत, रंग रोगन लेपने का काम चलता रहता है और 2,4 5 लोग इंतजार करने वाले भी होते हैं। डाई करवाते एक आदमी ने कहा, आज रोजे पूरे हुए, ईद (21 मार्च) है और लड़ाई में यह सुलह हो गई कि आज कोई लड़ाई नहीं होगी तथा जो तेल गैस के जहाज अटके के हैं उन्हें भी सुरक्षित रास्ता दिया जाएगा। भारत के भी कई जहाज आज निकल आएंगे।

दूसरी कुर्सी पर बैठे व्यक्ति ने पूछ लिया यह घोषणा टीवी पर तो सुनी नहीं? किसने की है! ईरान ने की होगी किंतु इजरायल अमरीका मानेंगे तब न गोलाबारी रुकेगी। अकेले ईरान के हाथ में थोड़े ही है। दूसरा पक्ष गोले बरसाएगा तो ईरान भी करने लग जाएगा।

पहले वाले ने कहा, नहीं न्यूज पक्की है और वैसे भी आज गृह नक्षत्रों की गति,स्थान इस प्रकार बदल रहा है कि अब लगता है शांति हो जाएगी।

तीसरे ने अपनी बात रखी। देखो गृह नक्षत्र का तो पत्ता नहीं किंतु ईरान, अमरीका और इजरायल इस लड़ाई से नाक तक भर चुके,सभी खासा नुकसान झेल चुके बिना किसी की कोई हार जीत के। कोई न कोई बहाना निकाल के सभी पक्ष अपनी अपनी जीत का बिगुल बजाते हुए इस से निकलना चाहते है।

इंतजार करते चौथे ने कहा इस युद्ध में ईरान, इजरायल, अमरीका खासा पिट लिए। फायदे में कोई है तो केवल रूस और चीन हैं। चीन ने तो अपना तेल ,गैस रिजर्व लगभग 200 दिन का कर रखा है, खासा सस्ता खरीद के, ईरान से। रूस भी तेल और गैस का विश्व का दूसरा, तीसरा बड़ा सप्लायर है। युद्ध के कारण,लेने वाले बढ़ रहे है, उन्हें फायदा ही फायदा है। रूस पर यूक्रेन युद्ध के कारण लगाए सारे प्रतिबंध धरे रह जाएंगे। सब को तेल, गैस, पेट्रो उत्पादों की खूब जरूरत है और खड़ी देशों से नॉर्मल सप्लाई बहाल होने में कम से कम 3 से 5 साल तो लगेंगे। यह दोनों देश ईरान को पिन प्वाइंट इंटेलएजेस दे रहे है और उसके आधार पर ईरान मिसाइल हमले कर रहा है। इस वक्त फौज से रिटायर्ड एक वरिष्ठ अधिकारी भी बाल बनवाने आ गए। चर्चा का सार जानकर उन्होंने कहा कि अभी 10 बजे तक तो ईरान द्वार इजरायल पर और खड़ी देशों के अमेरिकन सैनिक अड्डों पर बमबारी हो रही है और उसी प्रकार की कार्यवाही दूसरे पक्ष द्वारा ईरान पर भी की जा रही है। हां यह हो सकता है कि ईरान केवल आज आज के लिए खाड़ी देशों में अमेरिकन सैन्य अड्डों के अलावा अन्य किसी अन्य स्थान पर कोई बमबारी नहीं करे।

इस सैन्य अधिकारी का मानना था कि इस युद्ध का अमरीका का क्या उद्देश्य था अभी स्पष्ट ही नहीं है। ट्रंप हर रोज कोई नई बात कहते है। यदि ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता नष्ट करना था तो पहली बात तो यह है कि इंटरनेशनल ऑटोमिक एजेंसी के अनुसार ईरान के पास अभी तक यह क्षमता नहीं और इसका कोई प्रमाण भी नहीं कि ईरान के पास एटम बम है। इसके अतिरिक्त अभी कुछ ही महीने पहले भी इन तीनों शक्तियों के बीच युद्ध हुआ था तब इजरायल व अमरीका दोनों का कहना था कि उन्होंने ईरान के पहाड़ों में अंडरग्राउंड परमाणु संवर्धन ठिकानों को बंकर ब्रस्टर बम डालकर नष्ट कर दिया तो अब फिर युद्ध क्यों? इराक में भी खतरनाक विनाशकारी केमिकल हथियार मान कर ही अमरीका में आक्रमण किया था जो उन्हें वहां मिले नहीं। वैसे भी पूर्व राष्ट्रपति ब्रॉक ओबामा के समय 2015 में समझौता हो गया और ईरान ने यह आश्वासन दिया था कि वह परमाणु बम नहीं बनाएगा, उसके संबंधित संस्थान अंतर्राष्ट्रीय निरीक्षण के लिए खुले होंगे। फिर ट्रंप महोदय ने यह समझौता क्यों तोड़ा??

उनका कहना था कि ट्रंप अनेक बार युद्ध के लक्ष्य बदल रहे है, अब भी स्पष्टता नहीं है। युद्ध से बाहर निकलने की कोई पूर्व प्लान भी अमरीका द्वारा तैयार नहीं की गई । इसलिए ऐसा युद्ध कब क्या मोड ले किसी को नहीं पता। अमरीका का एक उद्देश्य ईरान शासन व्यवस्था बदल कर अमरीका परस्त शासन लाना था।इसकी पूर्ति हेतु ईरान की टॉप धार्मिक, शासनिक व सैन्य नेतृत्व की कम से कम पहली पंक्ति नष्ट कर दी किंतु यह बेअसर साबित हुई।जनता ने कोई विद्रोह नहीं किया और न शासन व्यवस्था बदली या न अपने हाथ में ली। एक बार ट्रंप महोदय में कहा कि ईरानी सैन्य क्षमता को इतना नष्ट किया जाएगा कि वह लंबे समय तक खाड़ी देशों व खासकर इजरायल के लिए खतरा न रहे। अमरीका और इजरायल को अभी तक हुए भयंकर वित्तीय व सामरिक हानि के बावजूद ऐसी ग्राउंड स्थिति अभी तक तो हुई नहीं कि ईरान शक्तिविहीन हो गया हो। बल्कि अभी तक अमरीका की वजह से खाड़ी देशों को भयंकर आर्थिक नुकसान ही हुआ है। इसका दुष्प्रभाव इन खड़ी देशों को आने वाले 5,4 साल झेलना पड़ेगा।

इस बीच कुछ लोग चले गए,एक एक दो दो नए जुड़ते रहे।एक रोबीली मूंछों और माथे पर तिलक लगाए सज्जन आ गए। आते ही सारे संयमित वार्तालाप पर कब्जा कर उन्होंने घोषणा की कि इन अरबी लोगों से हिंदुस्तान 7वीं शादी से परेशान है। एक ने कहने का प्रयास किया कि ईरान अरब का भाग नहीं है किंतु उस मूंछों वाले रोबीले व्यक्ति के आगे कोई दूसरी आवाज सुनी ही नहीं जा सकती थी। उन्होंने अपना वक्तव्य जारी रखा। 1192 से 1857 तक तो सीधा–सीधा राज रहा है इनका। निरे मंदिर तोड़े, गरीबों को मुसलमान बनाया, अब अच्छी पिटाई हो रही है। ईरान तो आतंकवादी गुटों को पनपाने वाला सबसे बड़ा मुल्क है। क्या इजरायल को रहने का अधिकार भी नहीं है जो ईरान द्वारा उसे मिटाने की कसम खाई हुई है। इतना कह के वे जय श्री राम का घोष करते हुए, कोई दूसरा ज्यादा अर्जेंट काम ध्यान आगया होगा, सो वे चले गए। बाकी बच्चे लोगों ने चैन की सांस ली।

एक ग्राहक ने कहा, इनको अरब देशों का तेल निकालना है और यहां हम सब का तेल निकलने की नौबत आने वाली है, अगर यह युद्ध लंबा खिंच गया तो। दूसरे ने कहा करे कोई भरे कोई। मुझे 12 मार्च, 26 माउंट आबू की नक्की झील में बोटिंग के दौरान, गुजरात के खेड़ा जिले की दो महिलाओं की बात याद आई''''''न ट्रंप का, न नेतनयाहू का और न ईरान के ख़ोमेनई या जो कोई उसकी जगह हो उनका कुछ भी बिगड़ने वाला है। उनके ऐशो आराम में कोई कमी नहीं आने वाली। मर रहे है गरीब, मजदूर, सामान्य नागरिक और हर तरफ के सैनिक। क्या कसूर है निरीह जनता का??'''' नाव खेने वाले नाविक ने कहा युद्ध समाप्त होने पर अमरीका तो हथियार बेच कर और अरब मुल्कों के पेट्रो डॉलर अपने बैंकों में रख कर अपनी माली हालत ठीक कर ही लेगा। इजरायल को तो अमरीका सैन्य सहायता, आर्थिक सहायता देकर फिर खड़ा कर देगा, बुरी हालत होगी ईरान की। युद्ध लंबा चला तो ईरान में केंद्रीय शासन व्यवस्था छिन्न–भिन्न हो सकती है। वहां कई उग्रवादी गुट पनपेंगे और ऐसे आतंकी गैंग पूरे मध्यदेशीय क्षेत्र में सरकारों के नाक में दम ला देंगे। जैसा इराक में हुआ है, अफगानिस्तान में हुआ।

नाई की दुकान पर एक आदमी ने टिप्पणी की::-- बाहरी शक्तियों का भारत के छोटे छोटे रजवाड़ों पर कब्जा हुआ क्योंकि समाज जातियों में बंटा हुआ था,राज व्यवस्था पर कुछ सामंतों,पुरोहितों आदि उच्चवर्णीय लोगों का कब्जा था। आम आदमी के लिए सामान्यत केवल हर प्रकार के अत्याचार ही थे। सिवाय कुछ सांस्कृतिक बातों के भारत कभी एक सशक्त राष्ट्र था ही नहीं।

नाई की दुकान पर एक ओर गौर करने वाली बात किसी ने बोली। उसने कहा क्यों जी यह यूएनओ, सुरक्षा परिषद क्या कर रही है? कोई देश सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने की आवाज तक नहीं उठा रहा। कम से कम चीन या रूस तो ऐसा कर ही सकते है। यूएनओ के महा सचिव का भी कोई वाक्य तक नहीं सुना गया?? दूसरे महायुद्ध से पहले लोग ऑफ नेशंस का भी थी हाल था। आज तो एक सबसे शक्तिशाली देश जो चाहे सो उल्टा–सीधा कर रहा है। कही अपने नौकर को, कही अपने घर की नौकरानी को राजा रानी बनाने की बात करता है, कहीं–कहीं बना भी देता है। उसकी नजर में अंतरराष्ट्रीय कानून, संस्थाओं की जीरो अहमियत है। गली का दादा जैसे हर घर के मुखिया को डरा के रखता है वैसा कैसा व्यवहार यह महोदय कर रहा है।

सैलून के हेड मिस्त्री ने कहा देखो सा 15–20 मिनट की चर्चा में बात तो अपने और दूसरों के सारी समझ में आ गई। टीवी चर्चाओं पर वक्ता लोग थोड़े आंकड़े देकर, थोड़ी भाषा की नफासत से यही बातें घुमा–फिरा कर कह देते है। टीवी की बहसें अब नीरस सी लगने लगी। बार–बार वही बातें, किसने किसके थप्पड़ कौन से गाल पर मारे, इसी के चारों तरफ चिल्लपों चलता रहता है।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

सम्मान या समीकरण

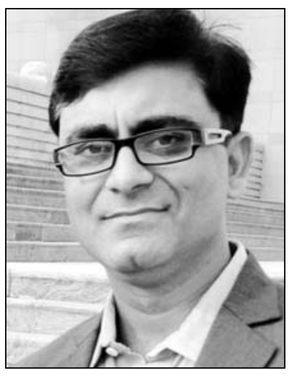

अनुराग शुक्ला

राजनीति में संकेत बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, यह तो सब जानते हैं पर राजनीति की अपनी भाषा भी होती है। यह भाषा दल से ऊपर होती है, यह स्वर और सुर दोनों बदल जाते हैं, सदन की सीट बदलते ही।

कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी और सपा के नवाधीश अखिलेश यादव ने कांशीराम जी की हालिया जयंती पर उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न देने की बात की है। इन्हीं भारत रत्न दिलाने का संघर्ष कर रहे दो लड़कों की जोड़ी की सरकारें उत्तर प्रदेश और केंद्र में थीं। उनकी मृत्यु पर एक दिन की छुट्टी तक घोषित नहीं की थी। उत्तर प्रदेश में ना तो तत्कालीन सीएम अखिलेश यादव ने ना ही तत्कालीन केंद्र सरकार के पोस्टर ब्वाय राहुल गांधी को उस समय कांशीराम जी की याद आई। कांशीराम जी को भारत रत्न मिले या ना मिले, ये विवाद और विमर्श का मुद्दा हो सकता है पर समुदाय के लिए बहुत बड़े थे। सिर्फ दलित समुदाय के लिए एक समाज के लिहाज से बहुत बड़ा। समाज तभी आगे बढ़ता है जब सारे वर्ग आगे बढ़ें।

कई बार हर कुछ रुटीन और एक ढर्रे से काम करने को कहा जाता है कि क्या क्लर्क की तरह काम करते हो, कॉपीबुक स्टाइल पर इन्हीं कांशीराम जी ने आम क्लर्क को समाज परिवर्तन के लिए अपना समय, प्रतिभा और धन देने के लिए प्रेरित किया।

डीएस 4 और बामसेफ दोनों संगठन कांशीराम द्वारा वंचित समाज को संगठित करने के लिए बनाए गए थे। डीएस 4 सीधे राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन चलाता था जबकि बामसेफ शिक्षित कर्मचारियों का नेटवर्क बनाकर बहुजन हित के लिए काम करता था।

दलित शोषित संघर्ष समिति यानी डीएस 4 जन आंदोलन की तरह काम करता था। रैलियों, सभाओं और सामाजिक अभियानों के माध्यम से दलितों को जागरूक करता था। जातिगत भेदभाव और सामाजिक अन्याय के खिलाफ आवाज उठाता था। इसका फोकस था सड़क पर आंदोलन और जनता को संगठित करना।

बामसेफ एससी,एसटी, पिछड़े, अल्पसंख्यक शिक्षित कर्मचारियों को जोड़कर सामाजिक न्याय और समानता के लिए काम करने वाला गैर–राजनीतिक था और कर्मचारियों को सामाजिक चेतना से जोड़ता था। यह शिक्षित वर्ग को संगठित कर आंदोलन को बौद्धिक और संस्थागत आधार देने का काम करता था।

राहुल गांधी ने लखनऊ में कांशीराम जयंती पर इस साल एक कार्यक्रम किया। कार्यक्रम सार्वजनिक था। होर्डिंग लगे, बैनर लगे पर मीडिया को सार्वजनिक कार्यक्रम से बाहर कर दिया। इसी कार्यक्रम ने कहा कि कांग्रेस ने गलती की इसीलिए कांशीराम जी को पार्टी बनाने की जरुरत पड़ी। कांशीराम ने दलितों और वंचितों को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए लड़ने की प्रेरणा दी। नेता प्रतिपक्ष राहुल की भाषा में ही बोलें तो कांशीराम ने ये सारे आंदोलन कांग्रेस की गलतियों का नतीजा था। कांशीराम ने दलितों से जुड़े सवाल उठाए और अंबेडकर जयंती के दिन अवकाश घोषित करने की मांग की। अंबेडकर जयंती पर अवकाश को लेकर वो सारी जिंदगी संघर्ष करते रहे पर सार्वजनिक अवकाश घोषित हुआ 2025 में।

कांशीराम का मानना था कि पूना पैक्ट के बाद दलित राजनीति को कमजोर किया गया। कांग्रेस जैसी पार्टियाँ दलितों को चमचा नेताओं के जरिए नियंत्रित करती हैं, जो जनता के हित में नहीं बल्कि सत्ता के हित में काम करते हैं।1982 में उन्होंने द चमचा एज लिखी जिसमें उन्होंने उन दलित नेताओं की आलोचना की जो कांग्रेस जैसी परंपरागत मुख्यधारा की पार्टी के लिए काम करते है। उन्होंने दलितों को चेताया कि वे चमचा नेताओं के जाल में न फँसें और अपनी स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनाएं। यह किताब बसपा की वैचारिक नींव रखती है।

कांशीराम ने तो राजीव गांधी को संसद पहुंचने से रोकने के लिए 1989 में अमेठी से ललकारा था। परिणाम क्या था इससे महत्वपूर्ण उनका हौसला था। उन्होंने चुनाव के दौरान कहा था "मेरे चुनाव लड़ने से पहले राजीव गांधी अपनी जीत का नतीजा आराम से टीवी पर बैठकर ही सुनता था। मैंने जिस दिन अमेठी में पैर रखा तो राजीव गांधी ने 1 घंटे के लिए भी अमेठी सूनी नहीं छोड़ी। मैंने उसको 4–4 फुट की गलियों में घुमा–घुमा कर मार दिया, जिनमें 24 घंटे ही पानी या कीचड़ खड़ा रहता था। चुनाव में उनकी जमानत जब्त हुई पर उनका बयान ऐतिहासिक बन गया उन्होंने कहा था मैंने आपको दिल्ली मुग़ल–ए–आज़म से दिल्ली का रोड मास्टर बना कर रख दिया है। 1985 में कांशीराम ने जब मायावती को बिजनौर लोकसभा उपचुनाव में उतारा तो राजीव गांधी ने आईएफएस अधिकारी मीरा कुमार को उनका विरोध करने के लिए उतार दिया। पम्मी लालोमजारा की किताब मैं कांशीराम बोल रहा हूं में लिखा है कि मीरा कुमार के उपचुनाव जीतने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने मीरा कुमार के पिता जगजीवन राम को बुला कर अपमान किया और कहा कि अगर आपके पास व्यक्तित्व होता तो कांग्रेस को आपकी बेटी को जिताने के लिए इतनी मेहनत नहीं करनी पड़ती।

कांग्रेस और कांशीराम के संबंध खटास भरे थे। समाजवादी पार्टी से कांशीराम के रिश्ते खट्टे मीठे रहे। 1991 में वो पहली बार संसद सपा के समर्थन से पहुंचे पर 2 जून 1995 के गेस्ट हाउस कांड के बाद कांशीराम ने मुलायम सिंह यादव के प्रति कड़ी नाराजगी जाहिर की थी, जिसमें उन्होंने मुलायम सिंह को एक "पंचायत स्तर का नेता" बताया था, जिसे उन्होंने मुख्यमंत्री पद तक पहुँचाया था।

सपा और कांग्रेस नेतृत्व की इस पीढ़ी में कांशीराम के प्रति उपजा सम्मान दरअसल सियासत का सीधा समीकरण है। सपा और कांग्रेस दोनों को लग रहा है कि मायावती की यूपी पर सियासी पकड़ कमजोर हो रही है। कांग्रेस दलितों की ओल्ड च्वाइस रही है, वहीं सपा पीडीए की राजनीति के जरिए पिछड़े वोटबैंक का विस्तार दलितों में करने को आतुर हैं। 2024 के चुनाव परिणाम को आधार बनाकर। उनकी सोच है कि अगर मायावती का वोट बिखरा तो उनका सियासी पकड़ मजबूत होगी। वैसे एक दिन सोशल मीडिया परदेखी युवा कवि रामायण धर द्विवेदी की कविता भी याद आ रही है जो इस समय बहुत सामयिक है।

अंधियारे में तीर चलाना छोड़िए,
कठिन लगन से आंख चुराना छोड़िए।
और एक के तीन बनाना छोड़िए,
अगर मगर कर समय बिताना छोडिए।।

–अनुराग शुक्ला,
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार)।

'स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को युवा जीवन में उतारें'

बूंदी, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि देश के युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को जीवन में उतारना चाहिए। गुरुवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण करते हुए मंत्री मदन दिलावर ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि बच्चों को देश विरोधी शिक्षा देने वाली शिक्षण संस्थाओं को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और उन पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान उन्होंने बूंदी के शिक्षकों व शिक्षाविदों द्वारा रचित पुस्तक हाड़ी रानी गमक का विमोचन भी किया।

शिक्षा मंत्री ने छुआछूत और जातिवादी मानसिकता को पूरी तरह खत्म करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के मंदिर में सभी वर्गों का समान अधिकार है और यहां कोई ऊंचा या नीचा नहीं होता। समाज के पिछड़े और दलित वर्गों को मुख्यधारा में साथ लेकर चले। साथ ही, देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी उत्पाद खरीदने पर जोर दिया। राजकीय विद्यालयों की शिक्षा प्रणाली को निजी स्कूलों से बेहतर बताते हुए उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों का प्रवेश सरकारी स्कूलों में कराने की अपील की। उन्होंने शिक्षकों को भी निर्देश दिए कि वे अपने आचरण को आदर्श बनाएं ताकि बच्चों को संस्कारवान शिक्षा मिल सके। शिक्षा मंत्री ने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल विद्यालय के भरोसे नहीं दी जा सकती। इसके लिए घर पर भी एक अच्छा शैक्षिक वातावरण होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे गरीब और पिछड़े तबके से आते हैं, जिन पर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है। शिक्षकों को चाहिए कि वे इन बच्चों की पारिवारिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए उन्हें भावनात्मक और शैक्षिक संबल प्रदान करें।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 27 मार्च, 2026

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, पुनर्वसु नक्षत्र दिन 3:24 तक, अतिगंड योग रात्रि 10:10 तक, कौलव करण दिन 10:07 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 9:36 से कर्क राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–मीन, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–कुम्भ, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 3:24 तक है। रवियोग सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। कुमार योग दिन 10:07 से दिन 3:24 तक है। आज नवरात्र समाप्त होंगे। स्वामी नारायण जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:59 तक, लाभ अमृत 7:59 से 11:01 तक, शुभ 12:32 से 2:04 तक, चर 5:06 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:26, सूर्यास्त 6:37

मेष
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

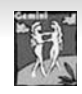

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। मन:स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

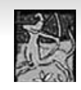

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

मकर
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं, अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है।

जयपुर में हिमालयन काले भालुओं की नई जोड़ी आकर्षण का केंद्र

जम्मू-कश्मीर से लाए गए इन भालुओं की जोड़ी को नाहरगढ़ जैविक उद्यान में रखा गया है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । नाहरगढ़ जैविक उद्यान, जयपुर में पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण जुड़ गया है। जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) से लाए गए एक नर एवं एक मादा हिमालयन काले भालू को गुरूवार से आमजन के अवलोकन के लिए प्रदर्शित किया गया।

- **वन मंत्री ने नर भालू का नाम हरि और मादा भालू का नाम कमला रखा। साथ ही बाघ शिवाजी एवं बाघिन रानी के पांच शावकों का नामकरण भी किया गया।**

वन मंत्री संजय शर्मा ने गुरूवार को नाहरगढ़ जैविक उद्यान में बाघ और उनके शावकों की अठखेलियों को निहारा।

वन, पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने गुरूवार को एनक्लोजर के डिस्प्ले एरिया का फीता काटकर औपचारिक उद्घाटन किया। इसके साथ ही दोनों भालुओं को पर्यटकों के लिए खोला गया।

उद्यान प्रशासन के अनुसार नर भालू की आयु लगभग 30 माह तथा मादा भालू की आयु लगभग 21 माह है। मंत्री ने नर भालू का नाम हरि और मादा भालू का नाम कमला रखा।

इस अवसर पर बाघ शिवाजी एवं बाघिन रानी के पांच शावकों का नामकरण भी किया गया। नर शावकों के नाम सूर्या, शौर्य और विजय जबकि मादा शावकों के नाम अम्बे और वृंदा रखे गए। वन मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने जैविक उद्यान परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) पवन कुमार उपाध्याय तथा मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के.सी.ए अरुण प्रसाद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शारीरिक दक्षता परीक्षा 9 अप्रैल से

जयपुर । राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा आयोजित उप निरीक्षक (दूरसंचार) संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2024 के अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण अपडेट है।

लिखित परीक्षा में सफल रहे अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन आगामी 9 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 तक राजस्थान पुलिस अकादमी पानीपेच, जयपुर में किया जाना प्रस्तावित है। भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड के उप महानिरीक्षक पुलिस मनोज कुमार ने बताया कि शारीरिक दक्षता परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र शीघ्र ही जारी कर दिए जाएंगे। अभ्यर्थी अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से इन्हें ऑनलाइन डाउनलोड कर सकेंगे। एडमिट कार्ड के साथ अभ्यर्थियों को अपना एक फोटोयुक्त मूल पहचान दस्तावेज लेकर नियत तिथि और समय पर बोर्ड के समक्ष उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

'भ्रष्टाचारियों की खैर नहीं, हर एक की बारी आएगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विपक्ष पर करारा प्रहार

जयपुर (कासं)। प्रदेश की राजनीति में तीखे बयानबाज़ी के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि खोखली जादूगरी और झूठ का सहारा लेकर केवल भ्रम फैलाया जा रहा है, लेकिन यह याद रखा जाए कि भ्रष्टाचार में लिप्त हर व्यक्ति की बारी आएगी।

मुख्यमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ लोग इंतजार शास्त्र की बात करते हैं और सोशल मीडिया पर बयानबाज़ी करते रहते हैं, लेकिन असल में यह झूठ का शास्त्र है, जो लगातार फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व में युवाओं के पेपर लीक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जैसी गंभीर घटनाएं होती थीं, लेकिन अब उन पर सख्ती से रोक लगाई गई है। उन्होंने कहा कि कितनों को जेल भेजा गया है, कितने अभी भी सलाखों के पीछे हैं-यह भी जनता देख रही है।

मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन में हुए कथित भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए कहा कि इस मामले में भी कई लोग जांच के दायरे में हैं। आपके मंत्री जेल में हैं, अधिकारी जेल में जा रहे हैं और अभी सूची लंबी है, उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। जिसने भी किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की है, उसे बख्शा नहीं जाएगा। हर दोषी को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा।

80 लाख रु. के डिजिटल अरेस्ट को लेकर डीजीपी और एसपी तलब

पीड़ित वृद्धा को शहर में आवास उपलब्ध कराने के आदेश

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने 80 लाख रुपए के डिजिटल अरेस्ट से जुडे मामले में डीजीपी और साइबर क्राइम एसपी को 27 मार्च को तलब किया है। अदालत ने दोनों अफसरों को वीसी से जुडने के आदेश देते हुए मामले के जांच अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने को कहा है।

अदालत ने कहा कि 83 वर्षीय पीडिता व्हीलचेयर पर अपने दिव्यांग भतीजे के साथ पेश हुई है। यह मामला अदालत की अंतरात्मा को गहरी चोट पहुंचाने वाला है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि अजमेर निवासी पीड़िता मुकदमे से जुड़ी कार्रवाई को लेकर शहर में रुकना चाहे तो राज्य सरकार उसे उच्चतम गुणवत्ता वाले आवास और भोजन की व्यवस्था करे। अदालत ने स्पष्ट किया है कि इसके लिए होने वाला खर्च राज्य सरकार स्वयं वहन करेगी। अदालत ने चेताया कि यदि आदेश की पालना नहीं हुई तो गंभीर कार्रवाई की जाएगी। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश नवीन तेमानी की ओर से दायर द्वितीय जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि मामले में दस लाख रुपए में पीडित पक्ष से समझौता हो गया है। ऐसे में उसे जमानत दी जाए। वहीं अदालत में उपस्थित पीडित वृद्धा ने कहा कि मामले में चल रही कार्रवाई और जांच एजेंसी की ओर से न्याय नहीं न मिलने की वजह से वह पूरी तरह निराश है और उसे अस्सी लाख के बजाए दस लाख रुपए में समझौता करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। महिला ने अदालत को बताया कि वह जीवन के अंतिम चरण में है और पूरी तरह अकेली रहती है। उसकी देखभाल करने वाला भी कोई निकट संबंधी नहीं है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने डीजीपी और एसपी को तलब करते हुए वृद्धा को शहर में आवास और भोजन उपलब्ध कराने को कहा है।

सामुदायिक केन्द्र के लिए आवंटित जमीन का उपयोग एक धर्म के लिए नहीं : कोर्ट

जयपुर । जयपुर मेट्रो-प्रथम की अपर सिविल न्यायाधीश अदालत ने एक फैसले में कहा है कि सामुदायिक केन्द्र के लिए आवंटित जमीन का उपयोग किसी एक धर्म विशेष के लिए नहीं हो सकता और न ही वहां पर उस धर्म विशेष की मूर्तियां ही स्थापित हो सकती हैं।

अदालत ने टोंक रोड के महावीर नगर स्थित श्री महावीर साधना संस्थान के सचिव को पाबंद किया है कि वह उसे आवंटित जमीन का उपयोग करने और उसकी सुविधाओं के उपयोग करने के लिए आमजन को वंचित नहीं करे। इस जमीन पर एक धर्म विशेष की मूर्तियां स्थापित नहीं करे और न ही इसका उपयोग किसी धर्म या समुदाय विशेष के लिए करें। कोर्ट ने यह आदेश शशि माथुर के अस्थाई निषेधाज्ञा प्रार्थना पत्र पर दिया।

अदालत ने कहा कि जेडीए के 12 फरवरी 2016 के संशोधित साइट प्लान व लीज डीड और हाईकोर्ट के 22 मई 2015 के आदेश के अनुसार यह जमीन किसी अन्य उपयोग के लिए नहीं ली जा सकती।

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि महावीर साधना संस्थान को आवंटित जमीन सामुदायिक केन्द्र के लिए दी थी, लेकिन इस जमीन का उपयोग केवल एक धर्म विशेष के कार्य के लिए ही हो रहा है। संस्थान ने स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण कार्य कर वहां मूर्तियां भी स्थापित कर दी हैं और इससे अन्य समुदायों के लोगों को परिसर के उपयोग से वंचित किया जा रहा है। जवाब में संस्थान का कहना था कि भूमि का उपयोग संस्थान के उद्देश्यों के अनुसार कर रहे हैं और यहां योग जैसी गतिविधियां भी संचालित हो रही हैं। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने संस्थान को जमीन का उपयोग किसी समुदाय विशेष के लिए नहीं करने के लिए पाबंद किया है।

बिंदायका में प्रॉपर्टी कारोबारी पर फायरिंग करने वाले गिरफ्तार

जयपुर। बिंदायका क्षेत्र में प्रॉपर्टी व्यवसायी पर फायरिंग और जानलेवा हमले के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ पहले से ही हत्या, हत्या के प्रयास, मारपीट और अपहरण जैसे गंभीर मामलों में कई प्रकरण दर्ज हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि 14 मार्च 2026 को परिवादी कमलदीप मीनापुर उर्फ कमल मीणा (45) निवासी सिरसी रोड ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि वह अपने साथी जितेन्द्र मीणा और ड्राइवर अनिल सिंह के साथ बालाजी मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान हाथोज फाटक के पास एक थार गाड़ी ने उनकी कार को टक्कर मारी। इसके बाद अन्य वाहनों ने भी घेरकर टक्कर मारी और जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्तालय के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की और कार्रवाई करते हुए आसीन उर्फ यासीन खान, विष्णु सिंह उर्फ लोकेन्द्र, गजेन्द्र सिंह उर्फ गज्जू बन्ना और इरशाद अली को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश कर तीन दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है। उनसे घटना में प्रयुक्त हथियारों की बरामदगी और अन्य साथियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिससे उनके आपराधिक इतिहास का भी खुलासा हुआ है। मामले की जांच जारी है।

20 हजार रुपए की रिश्वत लेते कांस्टेबल व रिश्तेदार गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने अलवर जिले के कठूमर थाने के कांस्टेबल और एक निजी व्यक्ति को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि हैल्पलाइन 1064 पर मिली शिकायत के अनुसार परिवादी के रिश्तेदार के खिलाफ दर्ज मुकदमे में मदद करने के नाम पर एएसआई नरेंद्र सिंह, कांस्टेबल रामेश्वर सिंह और निजी व्यक्ति निरंजन सिंह द्वारा 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी। इस शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी जयपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक अनिल कयाल के निर्देशन में भरतपुर इकाई ने जांच की। इसके बाद दौसा एसीबी के उप अधीक्षक पुलिस रविन्द्र सिंह के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान

एसीबी ने अलवर के कठूमर थाने के कांस्टेबल और एक निजी व्यक्ति को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

कांस्टेबल रामेश्वर सिंह और निरंजन सिंह को परिवादी से 20 हजार रुपए लेते पकड़ा गया। बरामद राशि निजी व्यक्ति के पास से जब्त की गई। मामले में एएसआई नरेंद्र सिंह की गिरफ्तारी शेष है।

संकट की घड़ी में विपक्ष, सरकार के साथ : टीकाराम जूली

जयपुर । नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने गुरुवार को मुख्यमंत्री द्वारा पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के मद्देनज़र एलपीजी और पेट्रोल संकट के विषय पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में शामिल होकर वर्तमान परिस्थितियों और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को लेकर सकारात्मक सुझाव साझा किए। जूली ने स्पष्ट किया कि किसी भी आपदा या संकट के समय विपक्ष पूरी तरह से जनता और सरकार के सहयोग के लिए तत्पर है, क्योंकि हर मुद्दे पर राजनीति नहीं की जाती।जूली ने कहा कि सरकार को किसी भी सूरत में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाने चाहिए। पूर्व में कच्चा तेल सस्ता होने पर तेल कंपनियों और सरकारों ने भारी मुनाफा कमाया है, अतः अब यदि अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ती भी हैं, तो सरकार अपने टैक्स और स्पेशल सेस में कटौती करें।

गौवंश का कटा सिर मिलने से फैली सनसनी

बजरंग दल ने किया विरोध प्रदर्शन, मौके पर पहुंचा पुलिस जाब्ता

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में बुधवार देर रात गौवंश का कटा सिर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई और घटना स्थल पर सैकड़ों लोग जमा हो गए । इसी दौरान बजरंग दल के कार्योकर्ता भी मौके पर पहुंच गए और विरोध-प्रदर्शन करने लग गए। विरोध प्रदर्शन की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बजरंग दल के कार्योकर्ता से समझाईश करने का प्रयास किया । जिसके बाद प्रदर्शनकारी थाने के सामने जा पहुंचे और घेरराव कर दिया। पुलिस ने मामले को शांत करवाने के लिए तुरंत विकास के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

- **दोषियों पर जल्द कार्रवाई करने की समझाईश पर हुआ मामला शांत**

थानाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि थाना इलाके में स्थित वैधपुरी इलाके में रहने वाले विकास हरिजन की गाय के बछड़े को चार दिन पहले कुत्ते ने काट लिया था। जिससे बछड़े की मौत हो गई। जिसके बाद गाय ने दूध देना बंद कर दिया। दुध के लालच में विकास ने बछड़े का सिर गाय के सामने लाकर रख दिया। बछड़े का सिर रखा देखकर स्थानीय लोगों में सनसनी फैल गई। गोवंश का सिर पडा होने का वीडियो वायरल होने के बाद बजरंग दल के जिला सचिव जीत अपने समर्थकों के साथ थाने पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन करना शुरु कर दिया। पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाही करते हुए विकास हरिजन (30) वैधपुरी निवासी को गिरफ्तार कर लिया।

रामनवमी पर जयपुर के चांदपोल बाजार स्थित श्रीरामचंद्रजी मंदिर में भगवान का अभिषेक और विशेष पूजा अर्चना की गई। फोटो-राष्ट्रदूत

मुरलीपुरा में श्रीमद् भागवत कथा 29 से

जयपुर। मुरलीपुरा स्थित अर्चना नगर में आगामी 29 मार्च से 5 अप्रैल तक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक आयोजन स्थानीय लोगों सहयोग से किया जा रहा है।संगीतमय भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें श्रद्धालु धर्म, भक्ति और ज्ञान का लाभ प्राप्त करेंगे। कथा का वाचन आचार्य प्रेमनारायण भारद्वाज की ओर से किया जाएगा। वह अपने प्रवचनों के माध्यम से भक्तों को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ 29 मार्च को प्रातः 9:15 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगा।

आतंकी संगठन आईएसआईएस के लिए काम करता था जोधपुर का जीशान, जांच में खुलासा

पूछताछ में सामने आया कि जीशान अपने हैंडलर के इशारे पर नए लड़कों को भर्ती करने के लिए जिम्मेदारी संभालता था

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में आंध्रप्रदेश पुलिस की गिरफ्त में आए आतंकी जीशान (19) से पूछताछ में कई खुलाने हुए हैं। वह आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़ा हुआ था। अब तक की पूछताछ में सामने आया कि वो अपने हैंडलर के इशारे पर नए लड़कों को में भर्ती करने के लिए जिम्मेदारी संभालता था। इसके लिए नए और कट्टरपंथी सोच रखने वाले युवाओं को आईएसआईएस भर्ती करवाने के लिए ब्रेन वॉश करता था। उन्हें बताता था कि शरिया ही सब कुछ है। पूरी दुनिया में शरिया लागू करना है। इसके लिए उन्हें उकसाने वाले वीडियो ओर कंटेंट भेजता था।

खुफिया एजेंसियों को शक है कि जीशान को इसके लिए फंडिंग भी मिलती थी, जिसके चलते वो नए लड़कों को भर्ती किया करता था। जांच में पता चला कि वह एक ग्रुप का एडमिन था, जिसमें वह कट्टरपंथी विचारधारा वाले शॉर्ट वीडियो और वॉइस नोट्स अपलोड करता था। आतंकी के मोबाइल की जांच में सामने आया कि वो नए लड़कों को आईएसआईएस की आतंकी जिहाद की विचारधारा से जोड़ना चाहता था। इसके लिए उनका ब्रेन वॉश करता। उन्हें भारत सहित पूरे विश्व में शरिया स्थापित करने के लिए दुष्प्रेरित करता था। इसके लिए वो सोशल साइट का इस्तेमाल कर रहा था। हालांकि जब बीते दिनों विजयवाड़ा में आईएसआईएस से जुड़े आतंकी को

- **खुफिया एजेंसियों को शक है कि जीशान को इसके लिए फंडिंग भी मिलती थी, जिसके चलते वो नए लड़कों को भर्ती किया करता था**
- **लड़कों को बताता था कि शरिया ही सब कुछ है, पूरी दुनिया में शरिया लागू करना है, इसके लिए उन्हें उकसाने वाले वीडियो ओर कंटेंट भेजता था**
- **पुलिस अब ये पता लगाने में जुटी है कि कहीं ये लोग भारत में आईएसआईएस के झंडे तले किसी बड़ी आतंकी साजिशों को अंजाम देने के लिए तो षड्यंत्र नहीं कर रहे थे**

पकड़ा गया तो आरोपी ने सोशल ग्रुप को लेफ्ट कर दिया था। उसने अपने मोबाइल से डेटा भी डिलीट कर दिया था, लेकिन पुलिस की टीम ने उसे रिकवर कर लिया।

सूत्रों के मुताबिक आतंकी के संपर्क में आए लोगों को भी संदेह के आधार पर पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। इसी को लेकर बुधवार को भी टीम ने दो संदिग्धों से पूछताछ की थी। बाद में उनके मोबाइल जब्त कर लिए गए।

गौरतलब है कि आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा की पुलिस ने सदर बाजार थाना पुलिस अधिकारी माणक राम विश्नोई की सहायता से आतंकी जीशान को मंगलवार रात पकड़ा था। इसके बाद उसे सोजती गेट चौकी लाकर पूछताछ शुरू की गई। आंध्रप्रदेश की विजयवाड़ा पुलिस के अधिकारी उससे रातभर पूछताछ करते रहे। आतंकी ने भारत में आईएसआईएस को मजबूत करने के लिए उसकी प्रचार-सामग्री को काम में लिया था। आईएसआईएस के शरिया लागू करने के विचारों और निर्देशों को शेयर कर रहा था।

अंदेशा है कि इसमें इस्लामिक देशों सीरिया, इराक के भी हैंडलर शामिल थे। पुलिस अब ये पता लगाने में जुटी है कि कहीं ये लोग भारत में आईएसआईएस के झंडे तले किसी बड़ी आतंकी साजिशों को अंजाम देने के लिए तो षड्यंत्र नहीं कर रहे थे। आंध्रप्रदेश की विजयवाड़ा पुलिस के अधिकारी उससे रातभर पूछताछ करते रहे। बुधवार को उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेने के बाद आंध्र प्रदेश ले जाया गया, जहां उससे आगे की पूछताछ जाएगी। पुलिस ने आरोपी के सोशल मीडिया से जुड़े सदस्यों को रडार पर लिया है, जिसके आधार पर जोधपुर में आगे भी कई गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

राजसमंद में अवैध अफीम की खेती पकड़ी

राजसमंद, (निसं)। केलवा पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध अफीम की खेती का भंडाफोड़ किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशीले पदार्थों के कारोबार में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है।

- **गोभी और प्याज की फसल के बीच छिपाकर अफीम के पौधे लगे मिले**

थानाधिकारी सुबोध कुमार जांगिड़ ने बताया कि पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि खेतनामी नारजी वाला बंदा क्षेत्र में एक खेत पर अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया और उक्त स्थान पर दबिश दी गई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो खेत में पहली नजर में गोभी और प्याज की सामान्य फसल दिखाई दी, लेकिन गहन जांच करने पर इनके बीच छिपाकर अफीम के पौधे लगाए हुए पाए गए। आरोपी द्वारा पुलिस और आमजन की नजरों से बचने के लिए अफीम की खेती को अन्य सब्जियों के बीच छिपाने का प्रयास किया गया था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपी हीरा लाल पुत्र मोडी लाल पालीवाल निवासी केलवा के खेत से करीब 48 अफीम के पौधे बरामद किए। पुलिस ने मौके पर ही पंचनामा तैयार कर अवैध अफीम की फसल को जब्त कर लिया। इसके साथ ही खेत से अन्य जरूरी साक्ष्य भी एकत्रित किए गए, जिन्हें जांच में शामिल किया जाएगा। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पिछले कुछ समय से इस अवैध गतिविधि में संलिप्त था और खेती के माध्यम से मादक पदार्थ तैयार करने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस एंगल से भी जांच कर रही है कि क्या इस अवैध खेती में अन्य लोग भी शामिल हैं या इसके पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय है। यदि जांच में अन्य आरोपियों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सूरतगढ़ : ऑनर किलिंग के दोषी को आजीवन कारावास

युवक के सिर में हथौड़ा मारकर हत्या की थी, थाने पहुंचकर अपराध स्वीकार किया था

सूरतगढ़, (निसं)। ऑनर किलिंग के एक मामले में अपर न्यायालय ने एक आरोपी को दोषी ठहराते हुए गुरुवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इसके अतिरिक्त अदालत ने उसे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 450 के तहत 10 वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपए के जुर्माने से भी दंडित किया।

अपर लोक अभियोजक संजय सोढा ने बताया कि यह मामला किशनपुरा ढाणी निवासी रामपाल पुत्र कृष्णलाल जाट की हत्या से जुड़ा है। इस संबंध में 26 मई 2018 को पीड़ित सुभाष पुत्र कृष्णलाल जाट ने सूरतगढ़ शहर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले के अनुसार मृतक रामपाल के आरोपी के छोटे भाई की पत्नी से अवैध संबंध थे। घटना से कुछ दिन पहले रामपाल उसे अपने साथ भगा ले गया था। इसी रंजिश के चलते 26 मई 2018 को जब रामपाल किशनपुरा आबादी में एक मकान के चौबारे में सो रहा था, तब आरोपी ने उसके सिर पर हथौड़े से वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी स्वयं सूरतगढ़ शहर थाने पहुंचा और अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल से आरोपी के हाथों के निशान, खून से सनी मिट्टी, हत्या में प्रयुक्त हथौड़ा और खून सने कपड़े जब्त कर उनकी फॉरेंसिक जांच कराई।

- **मृतक रामपाल के आरोपी के छोटे भाई की पत्नी से अवैध संबंध थे घटना से कुछ दिन पहले रामपाल उसे अपने साथ भगा ले गया था**

जांच अधिकारी निकेत पारीक ने सभी साक्ष्यों के आधार पर अपर सत्र न्यायालय सूरतगढ़ में चालान पेश किया। मामले में अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायाधीश मोहम्मद आसिफ अंसारी ने आरोपी को आजीवन कारावास और एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। साथ ही, धारा 450 के तहत 10 वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपए जुर्माने का भी दंड दिया। न्यायालय ने दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के तहत मृतक रामपाल के आश्रितों को प्रतिकर दिलाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश भी दिए हैं। निर्णय के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में लेकर सूरतगढ़ जेल भेज दिया गया।

महिला ने घर में आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के दोवड़ा थाना क्षेत्र के पगारा गांव में एक महिला ने अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। महिला के पीहर पक्ष ने उसकी मौत पर संदेह जताया है और हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पगारा गांव निवासी रमेश परमार की शादी वर्ष 2007 में पाकरोन गांव निवासी निर्मला ननोमा से हुई थी। इनके 5 बच्चे हैं। निर्मला ने अपने घर में फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया और शव को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया। मोर्चरी में सूचना मिलने पर महिला का पीहर पक्ष भी पहुंचा। पीहर पक्ष ने निर्मला की मौत पर गंभीर संदेह व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि उसकी हत्या कर शव को फंदे पर लटकाया गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है।

पूर्ववर्ती सरकार ने जोधपुर में काम नहीं करवाए : मुख्यमंत्री भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर में संत राजाराम महाराज के 144वें जन्मोत्सव कार्यक्रम में शिरकत की

जोधपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जोधपुर में कोई विकास कार्य नहीं करवाए। अब जनता हमसे मांग रही है। राज्य सरकार उनकी भावनाओं का पूरा ध्यान रखेगी। यह बात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर प्रवास के दौरान राजाराम आंजणा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए प्रदेशवासियों को रामनवमी पर्व की शुभकामनाएं दी**

आश्रम ट्रस्ट शिकारपुरा में आयोजित संत राजाराम महाराज के 144वें जन्मोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने अपने संबोधन में पूर्ववतर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कई कई आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि घोटाले करने वालों का बख्शा नहीं जाएगा, वे सभी जेल जाएंगे। उन्होंने यहां संत राजाराम महाराज की समाधि के दर्शन किए साथ ही संत दयाराम महाराज का आशीर्वाद लिया। उन्होंने मेले का अवलोकन किया तथा संत राजाराम आश्रम के ऐतिहासिक मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत तथा गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जीवजंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, पाली सांसद पीपी चौधरी, जालोर सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी, विधायक अर्जुनलाल गर्ग, बाबू सिंह राठौड़, भैराराम सियोल, पब्बाराम विश्नोई, अरुण पटेल, छोटू सिंह, हमीर सिंह भायल, आदुराम मेघवाल व जीवाराम चौधरी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेशवासियों को रामनवमी के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनवमी का दिन हमारे जीवन में हर्षोल्लास, उत्साह और भाईचारे की भावना लेकर आता है। यह पर्व हमें मर्यादा, धर्म और आदर्शों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने जोधपुर सहित पूरे प्रदेश के लोगों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि ऐसे पर्व समाज में एकता और सौहार्द को मजबूत करते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ आदि ने यज्ञ में आहुति दी।

महिला ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। गोगुन्दा थाना क्षैत्र में विवाहिता ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार रात में गोगुन्दा थाना क्षैत्र दुलावतों का गुड़ा गांव निवासी पनकी (30) पत्नी किशन गमेती ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मिलने पर हैड कांस्टेबल जयसिंह ने पीहर भूतालाल से परिजनों को बुलाकर उनकी मौजूदगी में मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

50 किलो डोडा-पोस्त बरामद, दो तस्करों को पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की रायला थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक स्विफ्ट कार से 50 किलो 350 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। रायला पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के खिलाफ यह लगातार चौथी बड़ी कार्रवाई है।

जानकारी के अनुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य और वृत्ताधिकारी गुलाबपुरा जितेंद्र सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी मूलचंद वर्मा के नेतृत्व में टीम भीलवाड़ा-गुलाबपुरा रोड पर नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान भीलवाड़ा की ओर से आ रही एक स्विफ्ट कार को संदिग्ध मानकर रोका गया। कार की तलाशी लेने पर ड्राइवर और खलासी सीट के पीछे एक सफेद बोरा और डिग्गी में एक काला कट्टा मिला, जिसमें अवैध डोडा-पोस्त भरा हुआ था। पुलिस ने आरोपी देवाराम (22) पुत्र बुद्धाराम जाट निवासी बिंचावा जिला डीडवाना-कुचामन और प्रीतमपुरी (26) पुत्र ओमपुरी गोस्वामी, निवासी भण्डारी जिला डीडवाना-कुचामन को गिरफ्तार कर मामला दर्ज जांच शुरू की है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त स्विफ्ट कार और मादक पदार्थ को जब्त कर लिया है। पुलिस अब आरोपियों से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वे यह खेप कहां से लाए थे और इसकी सप्लाई कहां की जानी थी।

सर्राफा व्यापारी की हत्या की निंदा

भरतपुर, (निसं)। नदबई कस्बे में सर्राफा व्यापारी की गोली मारकर हत्या और लूट की सनसनीखेज वारदात के बाद राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेड़म ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह बेहद दुखद और चिंताजनक है। मंत्री बेड़म ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे और उन्होंने स्वयं भी अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली। साथ ही स्थानीय विधायक जगत सिंह भी रात में ही मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि अपराधी कोई भी हो, कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

पॉक्सो एक्ट के आरोपी को अदालत ने दोष मुक्त किया

भीलवाड़ा, (निसं)। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 तथा बालक अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम 2005 से जुड़ी विशेष न्यायालय के न्यायाधीश बालकृष्ण मिश्र ने निर्णय सुनाते हुए पॉक्सो एक्ट के आरोपी को दोष मुक्त किया है।

- **न्यायालय ने प्रकरण की त्वरित सुनवाई कर निर्णय सुनाते हुए नाबालिग पीड़िता की उम्र को प्रमाणित नहीं माना**

न्यायिक सूत्रों के अनुसार 10 जून 2024 को एक नाबालिग पीड़िता का अपहरण कर दुष्कर्म करने का मामला जिले के एक थाने में दर्ज किया गया जिसमें जांच अधिकारी ने अनुसंधान कर 1 मार्च 2025 को आरोप पत्र दाखिल कर आरोपी घीसू लाल उर्फ बबलू (21) पुत्र बक्सू बैरवा को गिरफ्तार किया था। विशेष न्यायालय ने प्रकरण की त्वरित सुनवाई कर निर्णय सुनाते हुए नाबालिग पीड़िता की उम्र को प्रमाणित नहीं माना और प्रस्तुत दस्तावेजों एवं बयानों से पाया कि पीड़िता अभियुक्त के साथ चार-पांच महीने स्वेच्छा से साथ रही और इस बीच आपसी सहमति से शारीरिक संबंध स्थापित किये जाने से अभियुक्त को बलात्कार के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। इस मामले में पीड़िता का नाबालिग होना अभियोजन पक्ष साक्ष्य से सिद्ध नहीं कर पाया, इसलिए अदालत ने अभियुक्त का यह कृत्य लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 3/4 (2) व 5(एल) 6 के तहत आवेष्ठित नहीं होता है, इसलिए अदालत ने अपने निर्णय में अभियुक्त घीसू लाल को दोष मुक्त किया और पीड़िता को पुनर्वास हेतु दिलाया जाने वाले प्रतिकार की स्थिति प्रकट नहीं होने से पीड़िता के संबंध में प्रतिकार की राशि के अवधारणा की मांग को भी खारिज कर दिया है।

लैपर्ड ने दो बकरियों पर हमला किया

टोंक, (निसं)। निवाई उपखण्ड के बस्सी गांव झिलाई रोड स्थित सरकारी स्कूल के पास बीती रात्रि को एक लैपर्ड ने बाड़े में बकरियों पर हमला कर दिया, जिसमें एक बकरी की मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई।

पशुपालक गिर्राज हरसाणा ने बताया कि बीती रात्रि को लैपर्ड ने उनके बाड़े में बंधी बकरियों पर हमला कर दिया, जिसके बाद ग्रामीणो ने शोर मचाकर लैपर्ड को वहां से भगाया। घटना की सूचना के बाद तत्काल वन विभाग के अधिकारियों को दी गई तथा घायल बकरी का इलाज पशु डॉक्टरों द्वारा किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बस्सी, सिरस, मंडालिया, खिड़गी, बहड, किवाड़ा, बारेड़ा, खेड़ी मानपुर नोहटा सहित आसपास के क्षेत्रों में कई वर्षों से लैपर्ड का मूवमेंट देखा जा रहा है। इन गांवों में बघेरे ने पहले भी पशुपालकों के कई पशुओं का शिकार किया है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। विगत दिनों बस्सी गांव से एक बघेरे को पिंजरे में पकड़कर ले जाया गया था, लेकिन इसके बावजूद लैपर्ड का मूवमेंट जारी है।

हादसे में श्रमिक की मौत

उदयपुर, (निसं)। गोगुन्दा कस्बे में हुए सड़क हादसे में श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सांय गोगुन्दा थाना क्षेत्र ईसवाल स्थित डीलिप बिल्डकोम कंपनी के वर्कशॉप पर हुए हादसे में इटावा यूपी निवासी आबिद पुत्र मो. आसिम की मौत हो गई। आबिद हाइवे पर काम करने वाली कंपनी में मैकेनिक था। बुधवार शाम वह कंपनी परिसर में बैठा था। इस दौरान डम्पर की टक्कर से विद्युत पोल उस पर गिर पड़ा। जिससे उसकी मौत हो गई।

नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी को 20 साल की सजा

बीकानेर, (निसं)। पॉक्सो कोर्ट की पीठासीन अधिकारी अनु अग्रवाल ने सात साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले मंदिर के कथित पुजारी को 20 साल का कठोर कारावास और 3 लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है।

जानकारी के अनुसार 23 नवंबर, 2022 को छत्तरगढ़ पुलिस थाने में 7 साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। पीड़िता के परिजनों ने रिपोर्ट दी थी कि बच्ची स्कूल गई थी और शाम तक नहीं लौटी तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। इस दौरान उसकी मां ढूंढ़ती हुई एक मंदिर के पास पहुंची तो बच्ची के चीखने की आवाज सुनाई दी। उसने खिड़की में से झांककर देखा तो मंदिर का कथित पुजारी अणुताराम उर्फ अणदाराम बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा था। उसे पकड़ने की कोशिश की गई, लेकिन वह मौके से फरार हो गया। पुलिस ने इस मामले में उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में चालान पेश कर दिया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद आरोपी को दोषी माना और उसे 20 साल के कठोर कारावास व 3 लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की राशि जमा नहीं कराने पर 6 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। कोर्ट में अभियोजन पक्ष की ओर से 17 गवाहों के बयान हुए। राज्य की ओर से पैरवी विशिष्ट लोक अभियोजक चतुर्भुज सारस्वत ने की।

दौसा जिला चिकित्सालय में मरीज को कमरे में बंद कर चिकित्साकर्मियों ने पीटा

स्टोन के दर्द का इंजेक्शन लगवाने पहुंचा था, मारपीट में युवक घायल हो गया

दौसा, (निसं)। श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय में गुरुवार को मानवता एवं चिकित्सक को भगवान का दर्जा प्राप्त होने के बावजूद शर्मसार घटना सामने आई है। स्टोन के दर्द का इंजेक्शन लगवाने पहुंचे एक युवक की चिकित्साकर्मियों ने राहत देने के बजाय कमरा बंद कर जमकर धुनाई कर दी, जिसके चलते युवक घायल हो गया। इधर मारपीट की सूचना मिलने के साथ ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा अर्ध चेतना अवस्था में कमरे से बाहर निकाला।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को प्रातः साढ़े आठ बजे गुढलिया निवासी नंदलाल मीणा स्टोन का दर्द होने पर श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड में पहुंचा तथा वहां मौजूद एक चिकित्साकर्मी से दर्द का इंजेक्शन लगाने की गुहार लगाई। इस पर चिकित्साकर्मी आग बबूला हो गया तथा नन्दलाल मीणा के साथ मारपीट शुरु कर दी। इधर शोर-शराबा सुनकर अन्य चिकित्साकर्मी एवं गार्ड भी मौके पर पहुंच गये तथा उसे घसीटते हुये एक कमरे में ले गये तथा उसके साथ जमकर मारपीट की। वहीं दूसरी ओर नन्दलाल मीणा को राजकीय चिकित्सालय लेकर पहुंचे उसके छोटे भाई ने इसकी सूचना पुलिस को दी। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तथा युवक को बाहर निकाला। कोतवाली पुलिस के मौके पर पहुंचने के साथ की कार्रवाई से घबराते हुये चिकित्साकर्मियो ने खुद के कपड़े फाडड़ा शुरु कर दिये तथा जोर-जोर से चिल्लाते हुये युवक नन्दलाल मीणा पर मारपीट कर आरोप लगाना शुरु कर दिया। पुलिस ने दोनो पक्षों के बीच समझाईश कर मामले को शांत कराया तथा पीड़ित एवं मारपीट करने वालों को कोतवाली थाना लेकर चले गये। बताया जाता है कि पुलिस ने दोनो पक्षों के बीच आपसी समझाइश कर मामले को शांत तो करा दिया, लेकिन सोशल मीडिया पर जारी वीडियो ने चिकित्सालय प्रशासन पर सवालिया निशान लगा दिया।

- **कोतवाली पुलिस के मौके पर पहुंचते ही चिकित्साकर्मियों ने खुद के कपड़े फाड़ने शुरु किये**
- **जोर-जोर से चिल्लाते हुये युवक नन्दलाल मीणा पर मारपीट कर आरोप लगाना शुरु कर दिया**

जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने उक्त प्रकरण की तथ्यात्मक जांच कर दोषियो के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिये है। वहीं कलैक्टर देवेन्द्र कुमार के निर्देश के बावजूद जिला चिकित्सालय के पीएमओ मौके पर नहीं पहुंचे। इधर इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद मौके पर प्रशासनिक एवं चिकित्सा विभाग के आला अधिकारी नहीं पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इस प्रकार की घटना आये दिन होती रहती है, शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती है। उन्होंने बताया कि तीन दिन पूर्व भी ऐसी ही घटना हुई थी, उसे भी कमरे में ले गये तथा उसके साथ मारपीट की। चिकित्साकर्मियों द्वारा राजकार्य में बाधा का प्रकरण दर्ज कराने की धमकी दी जाती है।

अलवर जेल में आधी रात को मोबाइल और गांजा फेंका

अलवर, (निसं)। अलवर में स्थित केंद्रीय कारागृह की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। बुधवार की देर रात जेल परिसर के भीतर प्रतिबंधित सामग्री मिलने से जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। सुरक्षा घेरे को भेदकर अज्ञात तत्वों द्वारा जेल के वार्ड नंबर-1 में मोबाइल फोन और नशीले पदार्थ फेंकने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार बुधवार देर रात वार्ड नंबर-1 के पास अचानक किसी वस्तु के गिरने की जोर से आवाज सुनाई दी। वहां तैनात ड्यूटी कार्मिकों ने मुस्तैदी दिखाते हुए तुरंत मामले की सूचना उच्च अधिकारियों को दी। आवाज संदिग्ध होने के कारण कारागार प्रशासन ने बिना देरी किए तत्काल सघन तलाशी अभियान शुरू किया। रात्रि गश्त अधिकारी की मौजूदगी में जब वार्ड के कोने-कोने को खंगाला गया, तो शौचालय के पास झाड़ियों में एक संदिग्ध पैकेट पड़ा मिला। जेल प्रशासन ने जब उस लावारिस पैकेट को खोलकर उसकी जांच की, तो उसके भीतर से प्रतिबंधित सामग्री बरामद हुई। पैकेट के अंदर चार कीपैड मोबाइल फोन और करीब 2 ग्राम गांजा जैसा नशीला पदार्थ मिला। बरामद किए गए चारों मोबाइल फोन बिना सिम कार्ड के थे। जेल प्रबंधन ने तुरंत पूरी बरामदगी की वीडियो रिकॉर्डिंग करवाई और सामग्री को विधिवत सील कर साक्ष्य के रूप में सुरक्षित किया।

जयपुर में 75 ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना ठंडे बस्ते में पड़ी

वर्ष 2020 में प्रस्तावित थी जयपुर विकास प्राधिकरण की योजना, परंतु पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने इस प्रोजेक्ट पर कोई काम ही नहीं किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । केंद्र सरकार जहां इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, वहीं जयपुर में इस दिशा में ठोस प्रगति नहीं दिख रही है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा वर्ष 2020 में प्रस्तावित 75 ईवी चार्जिंग स्टेशन की योजना 5 साल बीतने के बावजूद भी अमल में नहीं आ सकी है और फिलहाल कोई नई योजना भी सामने नहीं है।

■ हैरानी की बात है कि टैंडर प्रक्रिया तक पूरी होने के बावजूद जेडीए अधिकारियों ने इस प्रोजेक्ट पर काम नहीं किया, बीते 5 साल में यह प्रोजेक्ट पांच कदम भी आगे नहीं बढ़ा

हालांकि, शहर में जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड (जेसीटीएसएल) ने प्रयोग के तौर पर इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया है।

इसी को ध्यान में रखते हुए जेसीटीएसएल और जेडीए के संयुक्त प्रयास से चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की चर्चा शुरू हुई है। हाल ही में ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड (टीसीबी) की बैठक में रामनिवास बाग, दांतली ओवरब्रिज और महात्मा गांधी अस्पताल ओवरब्रिज के नीचे चार्जिंग स्टेशन विकसित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। परंतु फिलहाल चार्जिंग स्टेशन निर्माण की कोई ठोस योजना सामने नहीं आ पायी है।

गौरतलब है कि वर्ष 2020 में जेडीए प्रशासन ने जयपुर शहर में 75 चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई थी। इसके तहत राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट लिमिटेड (आरईआईएल) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) को रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर जमीन उपलब्ध करवाई जानी थी। टैंडर प्रक्रिया तक पूरी होने के बावजूद अधिकारियों ने इस योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया।

तत्कालीन योजना के अनुसार, प्रत्येक स्टेशन 6 से 8 वाहनों को एक साथ चार्ज करने में सक्षम होना था और इसके लिए 100 से 800 वर्गफीट तक जमीन की आवश्यकता थी। जयपुर शहर में फास्ट और स्लो दो प्रकार के चार्जिंग स्टेशन प्रस्तावित थे। जानकारों की मानें तो वर्तमान में जयपुर में 5000 से अधिक इलेक्ट्रिक कारें और 15 हजार से ज्यादा दुपहिया वाहन हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चार्जिंग सुविधाओं के अभाव में लोग ईवी अपनाने से हिचक रहे हैं।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले को सजा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 16 साल की पीडिता का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले ओमप्रकाश को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अभियुक्त पर 1.75 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक कमलेश शर्मा ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता के पिता ने 19 नवंबर, 2022 को सांभरलेक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी 16 साल की बेटी सुबह स्कूल के लिए निकली थी। रास्ते में अभियुक्त मिला और उसे नशीला पदार्थ सुंघाकर अपने साथ कार में ले गया। दोपहर को पीडिता बेसुध वापस आई और अपने साथ हुए दुष्कर्म के बारे में बताया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत को बताया कि घटना के दिन अभियुक्त उसे बेहोश कर एक होटल में ले गया था। जहां उसने उसे अपनी पत्नी बताकर कमरा लिया। यहां अभियुक्त ने उसके साथ दुष्कर्म किया और वापस उसे घर के पास छोड गया।

कांग्रेस ने सिस्टम को लूटा, व्यवस्थाओं का दम घोंटा : मंत्री गजेन्द्र खींवसर

कोविड जैसी आपदा को कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने लूट का अवसर बनाया : चिकित्सा मंत्री

जयपुर (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने पूर्व चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा की प्रेस कॉन्फ्रेंस को तथ्यों से कोसों दूर बताते हुए कहा है कि यह बयानबाजी सच्चाई छुपाने और अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने का असफल प्रयास है। जिनके समय में सिस्टम को लूटा गया, व्यवस्थाओं का दम घोंटा गया, कोरोना जैसी आपदा को अवसर बना लिया गया, वे स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं। जनता के साथ अन्याय करने वालों को ऐसी बयानबाजी शोभा नहीं देती।

चिकित्सा मंत्री ने कहा है कि जिनके कार्यकाल में स्वास्थ्य क्षेत्र में भ्रष्टाचार चरम पर था, वे आज नैतिकता की बात कर रहे हैं, यह जनता के साथ मजाक है। कौन नहीं जानता कि कोरोना जैसी आपदा में किस तरह लोगों को लूटा गया। दवा, मशीनों और उपकरणों की खरीद में किस तरह के घोटाले हुए। घोटालों की हद यह हो गई कि पूर्व मंत्री को स्वास्थ्य मंत्रालय से हटाना पड़ा।

मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि, कांग्रेस सरकार ने आरजीएचएस जैसी योजना को बिना तैयारी, बिना नियंत्रण और बिना जवाबदेही के लागू कर सरकारी खजाने को लूट का खुला माध्यम बना दिया गया था। पूर्व सरकार के समय फर्जी बिल, बिना मरीज इलाज, अनावश्यक और महंगी दवाओं के जरिए करोड़ों रुपये के क्लेम उठाए गए, क्या यही उनकी मॉडल हैल्थ व्यवस्था थी? आज जब हमारी सरकार उन गड़बड़ियों की जांच कर रही है, एफआईआर दर्ज कर रही है और वसूली कर रही है, तब विपक्ष को तकलीफ हो रही है।

खींवसर ने कहा कि पूर्व सरकार ने बिना पार्किंग, बिना विशेषज्ञ सलाह, बिना बजट के बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए-यह उनकी जल्दबाजी और दिखावे की राजनीति थी। हमारी सरकार ने इन्हें बंद नहीं किया, बल्कि सुधार कर आगे बढ़ाया-यही जिम्मेदारी है। आईपीडी टॉवर बिना प्लानिंग का ही स्मारक था। हमारी सरकार अतिरिक्त बजट और सुविधाएं बढ़ाकर इसे बेहतर योजना के साथ पूरा कर रही है।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि वर्ष 2016 तक प्रदेश में 8 ही मेडिकल कॉलेज थे। मेडिकल कॉलेजों की स्थापना केंद्र प्रवर्तित योजना के तहत की जाती है। केंद्र में जब मोदी सरकार बनी तो उन्होंने हर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए हर जिले में मेडिकल कॉलेज की सोच के साथ नए मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी। उसका परिणाम रहा कि 2016 के बाद 23 नए मेडिकल कॉलेज राजस्थान में शुरू हुए। अगर कांग्रेस की नीतियों से ही इतने मेडिकल कॉलेज खुले होते तो राजस्थान में 2016 तक 8 ही मेडिकल कॉलेज नहीं होते।

उन्होंने कहा कि, जिला अस्पतालों को रैफरल सेंटर बताना और ऑक्सीजन प्लांट्स पर सवाल उठाना साफ तौर पर झूठ फैलाने का प्रयास है। हकीकत यह है कि पिछली सरकार के समय 49 जिला अस्पताल थे, अब 63 हैं। स्वास्थ्य केंद्रों को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में बदलकर 7 से बढ़ाकर 12 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की गई हैं। सीएचओ की भर्ती से उप स्वास्थ्य केंद्रों में भी प्रभावी रूप से सेवाएं मिल रही हैं। टेलीमेडिसिन की सुविधा से लोगों को उपचार लेने में आसानी हुई है। गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि, कांग्रेस सरकार ने भर्ती के नाम पर सिर्फ विज्ञापन निकाले थे, इसलिए स्टाफ के अभाव में उस समय जिला या उससे निचले स्तर के अस्पताल सिर्फ रेफरल सेंटर थे। हमने दो साल में ही 35 हजार पदों पर भर्तियां की, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों तक स्वास्थ्य संस्थान सुचारू रूप से चल रहे हैं। कांग्रेस सरकार के समय विशेषज्ञों की नियुक्ति के अभाव में ज्यादातर ट्रोमा और एफआरयू सेंटर बंद पड़े थे।

मोबाइल टावर का सामान चुराने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर । सेज थाना पुलिस ने कलवाड़ा स्थित एयरटेल वेयरहाउस में हुई मोबाइल टावर के सामान की बड़ी चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई एक लग्जरी क्रेटा कार भी बरामद की है। इस मामले में अब तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि 17 नवंबर 2025 को महिंद्रा सेज स्थित एयरटेल के गोदाम (भारती हेक्साकॉम लिमिटेड) में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर चोरी की गई थी। आरोपियों ने वेयरहाउस के सिक्योरिटी गार्डों के साथ मिलकर सीसीटीवी कैमरों से छेड़छाड़ की और उन्हें बंद कर दिया। इसके बाद बिना किसी पूछताछ के अज्ञात व्यक्तियों को गोदाम में प्रवेश दिया गया। जिन्होंने टावर से जुड़ा कीमती सामान पार कर दिया। मामले को लेकर वेयरहाउस प्रबंधक समीर मलिक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान और गहन पूछताछ के बाद आयुष तिवारी और शिवा सिंह गिरफ्तार किया है। दोनो ही आरोपित बंथरा जिला लखनऊ (यूपी) रहने वाले हैं

पुलिस ने इनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त क्रेटा कार को जब्त कर लिया है। इससे पूर्व पुलिस हिमांशु, अजय प्रताप सिंह, शुभम सिंह और अन्य) को गिरफ्तार कर एक लोडिंग वाहन जब्त कर चुकी है। थानाधिकारी उदय सिंह ने बताया कि अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

'समाज की प्रगति में महिलाओं की भागीदारी जरूरी'

जयपुर (कासं)। राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संघ (रुवा) के स्वर्ण जयंती समापन समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित शैक्षिणक, सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोहों ने कार्यक्रम को विशेष रूप से स्मरणीय बना दिया।

मुख्य अतिथि शुभ्रा सिंह, आईएएस ने अपने संबोधन में कहा कि बदलते सामाजिक परिदृश्य में महिलाओं की भूमिका निरंतर सशक्त हो रही है और समाज की प्रगति में उनकी भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मनरेगा योजना में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता को आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण बताया। साथ ही उन्होंने अंगदान जैसे मानवीय कार्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आव्हान करते हुए नागरिकों को जिम्मेदार भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

विशिष्ट अतिथि शिखा मेहरा, आईएफएस ने कहा कि रुवा ने विगत वर्षों में महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। यह संगठन समाज में सकारात्मक परिवर्तन

राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संघ का स्वर्ण जयंती समारोह गुरूवार को संपन्न हुआ।

का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। विश्वविद्यालय की कुलपति एवं कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रो. अल्पना कटेजा ने अपने संदेश के माध्यम से आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आयोजकों को शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ रुवा गीत एवं स्वागत उद्बोधन से हुआ। अध्यक्ष प्रो. अमला बत्रा ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके पश्चात प्रो. लाड कुमारी जैन ने रुवा की 50 वर्षों की उपलब्धियों एवं प्रेरणादायक यात्रा का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। समारोह के दौरान रुवा की पत्रिका का विमोचन किया गया। साथ ही प्रो. रश्मि जैन, प्रो. जया चक्रवर्ती, प्रो. अंशु डांडिया एवं प्रो. गीता चतुर्वेदी को सम्मानित किया गया। रुवा की सचिव प्रो. उर्मिल तलवार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

भांकरोटा में कैसीनो पर पुलिस का छापा

5.82 लाख रुपए की नकदी सहित 16 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। भांकरोटा थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम पश्चिम (डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक फार्म हाउस में चल रहे अवैध कैसीनो पर दबिश देकर कैसीनो में मशीनों से जुआ खेलते मिले सात लोगों सहित सौलह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से 5.82 लाख रुपए, 27 मोबाइल, एक लैपटॉप, 6 हुक्के और कैसीनो मशीन जब्त की गई है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि के डीएसटी पश्चिम की टीम ने भांकरोटा थाना इलाके में महापुरा के पास विला नंबर-5 एम्प्रेस ग्रीन्स नाम के फार्म हाउस पर दबिश पर अवैध कैसीनो चलता मिला। फार्म हाउस में चल रहे अवैध कसीनो पर मशीन पर जुआ खेलते मिले प्रदीप लालवानी, रोबिन, शेखर लाल, अशोक कुमार, विक्रम सिंह, विनोद राणा और मोहित मेहता) को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से 5.82 लाख रुपए, 27 मोबाइल, एक लैपटॉप, 6 हुक्के और कैसीनो मशीन जब्त की गई है।

■ मौके से 27 मोबाइल, एक लैपटॉप, 6 हुक्के और कैसीनो मशीन जब्त की गई

पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि रेंट पर फॉर्म हाउस को लेकर अवैध कैसीनो संचालित किया गया था। कैसीनो का संचालन प्रदीप लालवानी व रोबिन ने किया था। पकड़े गए लोगों में ज्यादातर राजस्थान से बाहर के है। कैसीनो में कैश में पूरा लेन-देन रखा गया था। जुए में हार-जीत पर रुपए कम पड़ने पर हवाला तक की व्यवस्था कर रखी थी।

पूछताछ में पता चला कि आरोपी प्रदीप लालवानी व रोबिन की ओर से प्रत्येक व्यक्ति से जुआ खिलाने के लिए रुपए लेकर उनकी एवज में 500-500 रुपए के प्लास्टिक के कॉइन दिए गए थे। प्रत्येक कॉइन की कीमत 500 रुपए है। दोनों आरोपियों की ओर से जुआ खिलाने के एवज में जुआ रकम में से 5 प्रतिशत कमीशन के रूप में प्रॉफिट लेते थे। पुलिस ने दाव लगाने में यूज किए प्लास्टिक के 1165 कॉइन भी जब्त किए है। वहीं पुलिस के कार्रवाई कर विला से निकलने के दौरान वहां मौजूद अन्य लोग धमकियां देकर पुलिस से उलझ गए। पुलिस से मरने-मारने के लिए उतारू होने पर आरोपी हर्षित राज, मोहित शर्मा, संजय सिंघानिया, शिवदास मीणा, अजय कुमार, जितेन्द्र चौधरी, विकास शर्मा, जुगल किशोर और अमित शर्मा को गिरफ्तार किया गया।

सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि कैसीनो में आने वाले ज्यादातर लोग राजस्थान के बाहर के हैं। जिससे यह रैकेट इंटरस्टेट नेटवर्क से जुड़ा होने की आशंका बढ़ गई है। पूरा लेन-देन कैश में होता था और जुए में रकम कम पडने पर हवाला के जरिए तुरंत पैसों की व्यवस्था भी की जाती थी। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच में जुट गई है। फार्म हाउस मालिक, फाइनेंशियल लिंक और हवाला कनेक्शन की कड़ियां खंगाली जा रही हैं। आने वाले दिनों में इस रैकेट से जुडे बड़े नाम सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

डबल इंजन सरकार में स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं : रघु शर्मा

जयपुर । पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर स्वास्थ्य सेवाओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार के आधे कार्यकाल के बावजूद 8 करोड़ जनता के स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। उन्होंने यह बात प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कही।

रघु शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के दौरान चिकित्सा क्षेत्र में मजबूत आधार तैयार किया गया था। निःशुल्क दवा योजना, निःशुल्क जांच योजना और 25 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज जैसी योजनाओं से राजस्थान देश में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का लक्ष्य हर व्यक्ति तक बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुंचाना था। उन्होंने बताया कि कांग्रेस शासन में महंगी जांचों, जैसे एमआरआई तक को निःशुल्क योजना में शामिल किया गया था। साथ ही राइट टू हेल्थ कानून लागू कर राजस्थान देश का पहला राज्य बना, लेकिन वर्तमान सरकार ने इस कानून को ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

उन्होंने जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में आरजीएचएस योजना की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए। रघु शर्मा ने बताया के वे रूटीन जांच के लिए एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचे थे। वह आरजीएचएस के तहत एमआरआई कराने गए तो उनको वापस धनंवतरी ब्लॉक जाने के लिए कहा गया। इस अव्यवस्था से नाराज रघु शर्मा ने पैसे देकर बाहर एमआरआई करवाई। कैशलेस सुविधा नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए व्यवस्था की खामियों को उजागर किया।

रघु शर्मा ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल का 24 मंजिला आईपीडी टावर, जिसमें 1200 बेड की सुविधा प्रस्तावित है, आज भी अधूरा पड़ा है। इसी तरह सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय का आईपीडी टावर भी पूरा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान 33 में से 30 जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले गए थे और 17 नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए। लेकिन वर्तमान सरकार नए जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए कोई प्रयास नहीं कर रही है। जालोर में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज को भी निरस्त कर दिया गया। रघु शर्मा ने राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बजट आवंटन और भुगतान में भारी अंतर है। जहां मासिक जरूरत 330 करोड़ रुपए की है, वहीं बजट केवल 250 करोड़ रुपये प्रतिमाह का है। साथ ही 1710 करोड़ रुपये के बकाया भुगतान के कारण निजी अस्पतालों ने इलाज बंद करने की चेतावनी दी है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि जिला अस्पतालों को रेफरल अस्पताल बनाकर छोड़ दिया गया है। जहां पहले 100 डॉक्टर कार्यरत थे, वहां अब केवल 25-26 डॉक्टर रह गए हैं। कैंसर, किडनी और हार्ट जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में आम जनता को भारी आर्थिक बोझ झेलना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि एमआरआई जैसी जांच के लिए जरूरी हीलियम गैस का आयात इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के कारण प्रभावित हो सकता है।

सार-समाचार

पैंशन विरोधी कानून के खिलाफ ज्ञापन

जयपुर । पैशन विरोधी कानून के विरोध में देशव्यापी आंदोलन के तहत गुरूवार को जिले के पैंशनरों ने कलक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। इस अवसर पर सभी उपशाखाओं के सैकड़ों पैंशनर्स ने कलेक्ट्रेट के सामने धरना दिया और प्रदर्शन के बाद ज्ञापन सौंपा। राजस्थान पेंशनर समाज के प्रदेश महामंत्री किशन शर्मा ने बताया कि सरकार ने वित विधेयक के माध्यम से पैंशनरों को दो भागों में विभाजित कर दिया और 1972 से पेंशन व पेंशन नियमों में बदलाव का अधिकार लेकर पेंशनरों के हितों पर कुठाराघात किया है इसके साथ ही न्यायालय में जाने जा अधिकार भी समाप्त कर दिया है। आठवें वेतनमान आयोग में भी पेंशनरों के हितों की अनदेखी की गई है। इस अवसर पर आयोजित सभा को राजस्थान पेंशनर समाज के प्रदेश अध्यक्ष शंकर सिंह मनोहर, प्रदेश महामंत्री किशन शर्मा, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक सिंह चंदेल जिलाध्यक्ष जी.के. मीणा, महामंत्री मदन लाल शर्मा व सभी उपशाखा अध्यक्षों ने संबोधित किया। इस अवसर पर मुरलीपुरा, झोटवाड़ा, विद्याधरनगर, वैशाली नगर, मान सरोवर, प्रतापनगर, मालवीय नगर, सांगानेर और सोडाला के पैंशनर शामिल हुए।

ईशा अरूण को पीएचडी की उपाधि

जयपुर । एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान ने ईशा अरुण को क्लिनिकल साइकोलॉजी विषय में पीएचडी उपाधि प्रदान की है। ईशा ने "एक्ज़ामिनिंग द रोल ऑफ सेल्फ अफर्मेशन एंड पर्सनैलिटी इन द डेवेलपमेंट ऑफ सेल्फ एफिकेसी,होप,ऑप्टीमिज़म एंड रेज़िलियन्स अमंग अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्स ए मिक्स्ड मैथड्स स्टडी" विषय पर डॉ. अजीत सिंह के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया।

651 बेटियों को भोजन करवाकर दिए उपहार

जयपुर । चैत्र शुक्ल अष्टमी-नवमी को छोटीकाशी में विभिन्न स्थानों पर वासंतिक नवरात्र के आखिरी दिन कन्या पूजन किया गया। घर-घर में कन्याओं को देवी का रूप मानते हुए आवभगत की गई। कन्याओं को भोजन कराकर उपहार दिए गए। इसी कड़ी में उत्थान सेवा संस्थान की ओर झोटवाड़ा के नांगल जैसा बोहरा स्थित बोहरा जी की बावड़ी में एकादशम् कन्या पूजन एवं वैदिक यज्ञ महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें 11 झुग्गी बस्तियों से 651 कन्याओं को वाहनों के माध्यम से नांगल जैसा बोहरा स्थित बोहरा जी की बावड़ी में भोजन कराया गया। सभी बच्चियों का गंगाजल और पुष्प मिले जल से चरण प्रक्षालन कर तिलक किया। सिर पर चूनरी बांधकर आदर भाव से आसन ग्रहण कराया। प्रेम पूर्वक भोजन ग्रहण कराने के बाद वस्त्र और चरण पादुकाएं सहित अन्य उपहार भेंट किए गए। कन्या पूजन के पूर्व राजेश गुप्ता, मनु महाराज और उमाशंकर खंडेलवाल, महेन्द्र भौमियां ने पंच कुंडीय वैदिक गायत्री महायज्ञ कराया। इस अवसर पर मालवीय नगर के विधायक कालीचरण सराफ, सरस डेयरी फेडरेशन की चेयरमैन सोनिला चतुर्वेदी, आरएएस मुरारीलाल शर्मा, उद्योगपति कैलाश चंद बोहरा, पतंजलि योग समिति के प्रदेश अभिभावक कुलभूषण बैराठी, पतंजलि महिला योग समिति की प्रदेश संरक्षिका शारदा यादव, भारत स्वाभिमान राजस्थान के पूर्व प्रभारी अरविंद पांडेय, मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस के अधिकारी एस एस नागर ने मां दुर्गा और राम दरबार के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उत्थान सेवा संस्थान के अध्यक्ष कैप्टन शीशराम चौधरी एवं अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया।

उपमुख्यमंत्री ने सुनी जनसमस्याएं

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज अपने सिविल लाइंस स्थित आवास पर जनसुनवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में आमजन अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे और उपमुख्यमंत्री को अपनी परेशानियों से अवगत कराया। जनसुनवाई में मुख्य रूप से सड़क, पानी, बिजली, अतिक्रमण और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुडी समस्याएं सामने आईं। लोगों ने अपने-अपने क्षेत्रों की दिक्कतों को विस्तार से रखा, जिस पर उपमुख्यमंत्री ने गंभीरता से सुनवाई की। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश देते हुए कहा कि सभी शिकायतों का शीघ्र और प्रभावी निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और बुनियादी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। अधिकारियों को लंबित मामलों को प्राथमिकता से हल करने के निर्देश भी दिए गए।

श्री सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर में पाटोत्सव की धूम मची

जयपुर । श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर विकास समिति, श्री गुरु नानक पार्क मानसरोवर द्वारा आयोजित दो दिवसीय श्रीराम नवमी महोत्सव इस वर्ष 26-27 मार्च को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। गुरुवार को मंदिर परिसर में आयोजित इस महोत्सव में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी विशेष झलक देखने को मिली। महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें हवन, श्रीराम जन्म आरती, भजन संध्या, श्री सुंदरकांड आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं महिला-पुरुष मंडलों के भजन एवं दोहा-चौपाई आधारित अंताक्षरी जैसे आयोजन शामिल हैं। प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की सक्रिय भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। महिला मंडल में श्रीमती मधु ग्रोत्रा, सीमा झालानी, विनोद गोस्वामी, सुनीता विजय, हेमा आहूजा, ज्योति चतवानी, अलका गौतम, ऋचा श्रीवास्तव एवं मेघा कंसल ने भजन, अंताक्षरी में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

'दशकों तक दैनिक वेतनभोगी के रूप में काम करवाकर नियमितिकरण का लाभ से नहीं किया जा सकता इंकार'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने 28 साल की सेवा पूरी करने के बाद भी कर्मचारी को नियमितिकरण का लाभ नहीं देने को गलत माना है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह अपीलार्थी की प्रारंभिक नियुक्ति तिथि से दस साल होने के बाद उसकी सेवा को नियमित मानते हुए उसे रिटायर परिलाभ दिए जाए।

एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश मोहम्मद सदिक की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता एमएफ बेग ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता जून, 1997 में दैनिक वेतनभोगी नियुक्त हुआ था। साल 2000 में उसकी सेवा समाप्त करने पर उसने लेबर कोर्ट में अपील की थी। साल 2009 में लेबर कोर्ट ने उसे निरंतरता के साथ पुनः बहाल करने को कहा। इसके खिलाफ पेश अपील के खारिज होने के बाद उसे अक्टूबर, 2012 में पुनः सेवा में लिया गया, लेकिन नियमित वेतनमान का लाभ और नियमितिकरण पर विचार नहीं किया गया। ऐसे में अपीलार्थी ने विभाग में अपना प्रतिवेदन दिया, लेकिन विभाग ने उसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय कट ऑफ डेट 10 अप्रैल, 2006 तक उसने दस साल की सेवा पूरी नहीं की और उस समय चालक का स्वीकृत पद खाली नहीं था। इसके खिलाफ पेश याचिका को एकलपीठ ने गत 28 अप्रैल को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि कट ऑफ डेट के अनुसार उसे नियमित नहीं किया जा सकता। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता ने अपनी प्रारंभिक नियुक्ति से 28 साल तक सेवा दी है और वह गत जुलाई माह में रिटायर हो चुका है। ऐसे में उसे नियमितिकरण का लाभ दिया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं।

ARBiT it happens here...
राष्ट्रदूत
FRIDAY
27 March 2026
A-B

World Theatre Day: Celebrating the Power of the Stage

Observed every year on March 27, World Theatre Day honours the timeless art of storytelling through performance. Established by the International Theatre Institute in 1961, the day recognises theatre's role in reflecting society, sparking dialogue and inspiring change. From grand auditoriums to intimate community stages, theatre brings together actors, writers, directors and audiences in a shared cultural experience. Special performances, workshops and public readings are organised worldwide to celebrate dramatic arts and encourage new talent. World Theatre Day is a tribute to creativity, collaboration and the enduring magic of live performance that continues to captivate generations.

#GEORGES SEURAT

Sunday afternoon on the island of La Grande Jatte

This isn't a zoo! And that monkey isn't an accident. It is a code for sexual desires and by putting him on a leash, Seurat keeps the primitive nature of people in check

Do you know this painting? Good, because after this short story, you will never see in the same way again. And that's because where most people might see a Sunday afternoon on the island of La Grande Jatte, as an innocent depiction of a sunny day at the park, those in the 'know' know that this park was a popular place to procure prostitutes.

A fact that Georges Seurat knew too well, and through a litany of secret suggestions, he would make this masterpiece one of the most scandalous artworks ever made. There are people dancing and rowing and playing music, walking their monkey? This isn't a zoo! And that monkey isn't an accident. It is a code for sexual desires and by putting him on a leash, Seurat keeps the primitive nature of people in check.

Humans behaving like animals, but not here because the lady and her gentleman are esteemed proponents of bourgeois ideals. Their fancy hats, her parasol. An accentuated back-end to enhance her best assets, and where the modern eye might say that this was the fashion of the time, the exaggeration of her silhouette gives her the feeling of a courtesan.

And now, the monkey really makes sense. The wild posture of an untamed animal on the cusp of pouncing onto this poor pup, countered by the confines of a leash and the rigidity of his keepers and the gig is up. The artificiality of performative decadence, a nod to the shadow realm, lived out in broad daylight, and all because you wouldn't want to get caught by the police.

Fishing became an activity to disguise sinister intentions but consider the double meaning. Fishing, as a literal action, is to catch a fish. Catch a partner. To lure a customer. And it is not that impressive, as far as symbols go, until you dive a little deeper.

As it so happens in French, the infinitive form of fishing, to fish, is Pecher. The infinitive form of to sin is Pecher. The linguistic pun of a lifetime, that achieves the exact ambiguity required to make this action feel sneaky. Two words, two drastically different definitions, that serve as the hidden engine for the entire piece. The leisurely activity on the social surface is directly tied to the social undercurrent, effectively closing the loop on the sexual economy that lives inside the composition.

The seekers and the providers are in an infinite loop around the venue, the island and you are just as guilty as the rest. But you are not that clever. You have been caught. The only innocent creature in the entire picture is in her brilliant white dress, and even before you could spot her, she spots you.

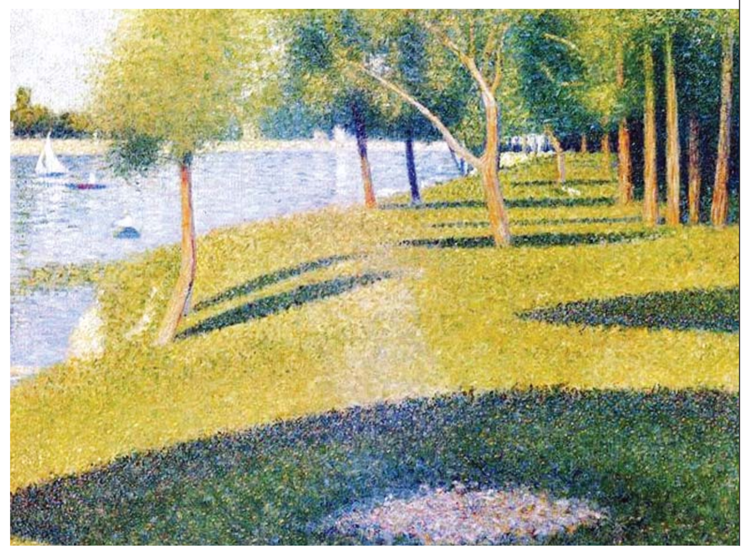

The Four Temperaments Yourself, Your Team, and Your Boss

The Four Temperaments theory dates back to ancient Greece, originally proposed by Hippocrates around 400 BCE. He believed that human behaviour was influenced by four bodily fluids: blood, phlegm, yellow bile, and black bile, and that an imbalance among them led to different personality types: sanguine (optimistic), phlegmatic (calm), choleric (ambitious), and melancholic (thoughtful).

Verna Mohon

A few years ago, I was leading a team with a mix of strong personalities. There was the extroverted, high-energy Product Manager who loved brainstorming out loud (let's call her Sarah), and the quiet but detail-oriented developer who preferred working alone (we'll call him Alex). In meetings, Sarah would dominate the discussion, while Alex barely spoke. Over time, I noticed Alex growing disengaged, feeling overwhelmed, while Sarah was frustrated, feeling overworked and unappreciated.

I faced a classic leadership challenge: how do you get different personalities to work together effectively? In this article, I will discuss a classic leadership framework, *The Four Temperaments*, a framework that helped me understand not just my own leadership style, but also my team and my boss. Once I adjusted my approach, our team dynamic improved dramatically. The Four Temperaments can help you become:

- **More self-aware-** knowing how your own temperament shapes your leadership style.
- **More people aware-** understanding your team, stakeholders, and even your boss to build better relationships.

Let's dive into each temperament and see how they show up in real life.

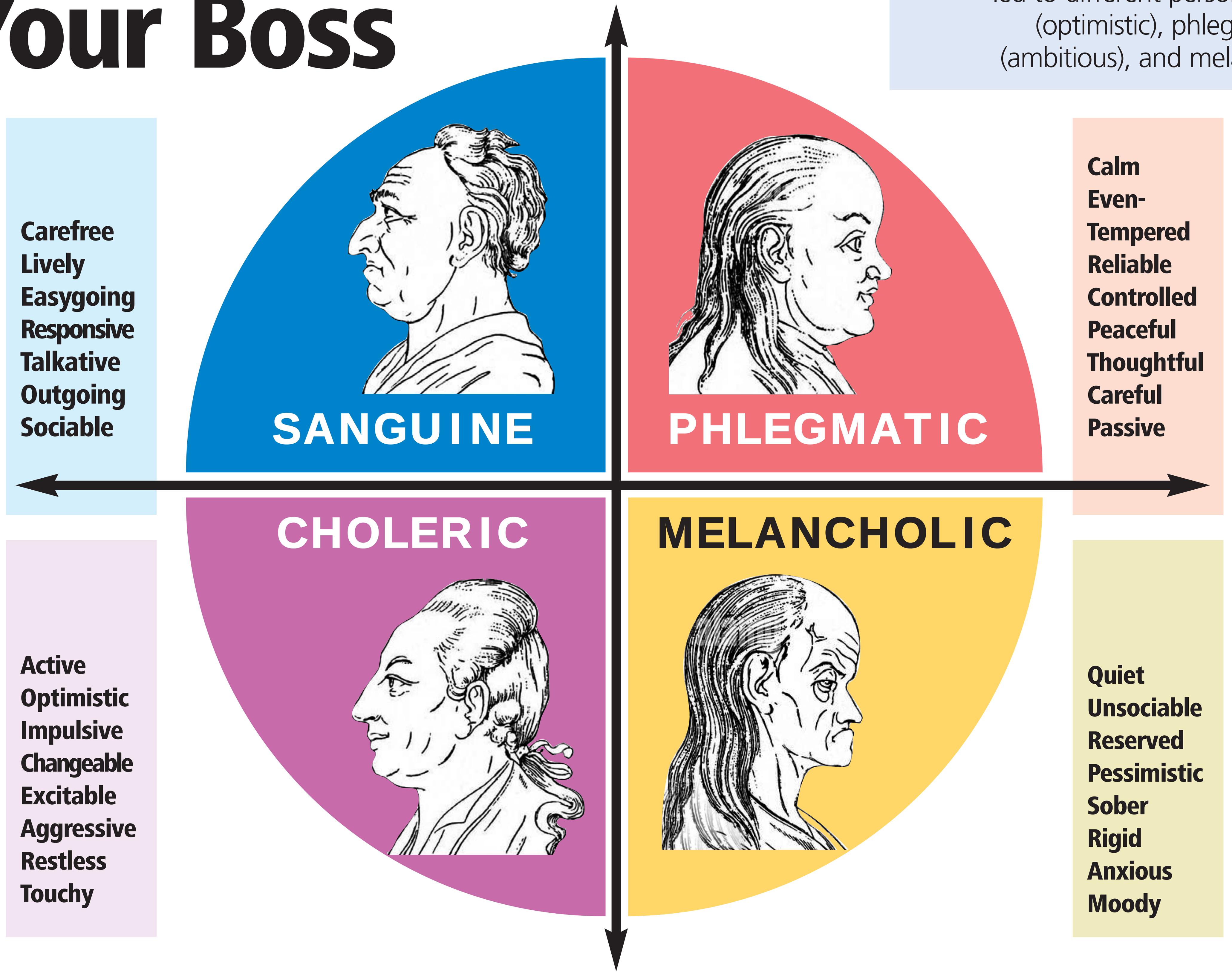

Understanding The Four Temperaments

The Four Temperaments theory dates back to ancient Greece, originally proposed by Hippocrates around 400 BCE.

He believed that human behaviour was influenced by four bodily fluids: blood, phlegm, yellow bile, and black bile, and that an imbalance among them led to different personality types: sanguine (optimistic), phlegmatic (calm), choleric (ambitious), and melancholic (thoughtful).

Decoding Personalities: Sanguine, Choleric, Melancholic, Phlegmatic

In this section, we will dive deeper into each of the four personality types, their traits, and how you can show up if you associate with each type.

The Sanguine Leader: The Social Butterfly

Sanguine leaders are high-energy and expressive, thriving in social settings. They love engaging with people, whether rallying a team, networking with stakeholders, or leading an exciting brainstorming session. Their natural charisma and optimism make them great at inspiring others.

However, their enthusiasm can sometimes lead to a lack of focus. They may jump from one idea to another and struggle with follow-through, which can be challenging when structure is needed.

Imagine a startup CEO who has a Sanguine temperament. She would likely be a magnet for investors and employees alike, energizing the company with lively town halls and creative brainstorming sessions. Who doesn't want to be with such a personality? Yet, her enthusiasm could potentially overshadow her ability to provide a structure and process for actual deliverables, resulting in half-finished projects or constantly changing priorities.

#PERSONA

Takeaway

If you're a Sanguine leader, consider pairing up with someone who is more detail-oriented. Balance your natural energy with a clear plan for execution.

The Choleric Leader: The Determined Achiever

Choleric leaders are natural-born achievers. They are results-driven, decisive, and thrive on challenges. Their strong will and competitive spirit drive rapid progress and clear goals. However, this intensity can make them come across as blunt or impatient. When expectations are high, team members who need more support might feel overwhelmed or undervalued. Consider a sales director with a Choleric temperament. He pushes his team relentlessly to meet ambitious sales targets, and his direct approach often produces impressive results. Yet, this high-pressure environment results in stress and burnout for some team members. The relentless focus on results overlooked the need to support and recognize the team members.

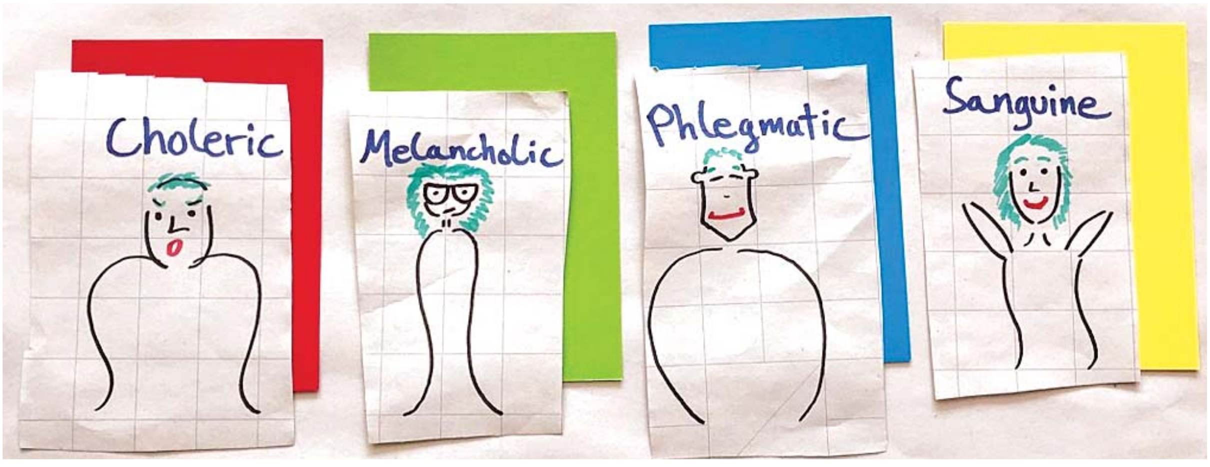

Takeaway

If you're a Choleric leader, take time to listen actively and acknowledge your team's efforts. A bit of empathy and positive reinforcement can go a long way.

The Melancholic Leader: The Thoughtful Strategist

Melancholic leaders are analytical and deeply thoughtful. They excel in strategic planning and attention to detail, and their pursuit of excellence often results in high-quality outcomes. However, their tendency to overanalyze and seek perfection can slow down decision-making. Their need to be perfect may result in overlooking passing opportunities. Imagine a software engineering manager with a Melancholic temperament. He holds a high bar on quality, and insists on refining every product feature before launch to ensure quality. While his high standards elevate the overall quality of the product, it also slows down releases and frustrates teams and customers who favour speed and agility.

Takeaway

If you're a Melancholic leader, set realistic deadlines and trust your team to deliver good work. Remember, sometimes 'done' is better than 'perfect.'

The Phlegmatic Leader: The Steady Diplomat

Phlegmatic leaders are the calm, stabilizing force in any team. They excel at maintaining harmony and mediating conflicts, providing a reliable and supportive presence. Their preference for peace and harmony can create a stress-free environment, though it may unintentionally promote a suppressive culture where team members don't feel psychologically safe to raise their concerns or call out the elephants in the room.

Imagine a project manager with a Phlegmatic temperament. She is known for keeping the team environment calm and supportive. However, when a team member underperforms, she might hesitate to address the issue directly (to avoid rocking the boat). As you can imagine, if this continues over time, it could breed team resentment and impact deliverables.

Takeaway

If you're a Phlegmatic leader, work on your assertiveness. Address issues early on with kindness but firmness to prevent small problems from growing into larger conflicts.

rajeshsharma1049@gmail.com

#REMBRANDT

A Symbolic Choreography

Pure theatre, and come to think of it, the painting does feel a bit theatrical. And in the place of heroic warriors, Rembrandt highlights regular men

No matter how many times you have looked at this painting by Rembrandt, I would be willing to wager to a high degree of certainty that you have missed the dog. What he is doing there? He is being a dog.

But also, he is a little bit of a humorous fixture because dogs, as far as militias go, were common companions. A sort of tradition in painting and Rembrandt, in a painting about the tradition of the Civil Guard, couldn't help himself. But what else? There is so much happening in this masterpiece. Surely, we have missed much more than a dog. Have a look at these three musketeers. One who loads the musket, one who fires the musket, you can see the faint plume of smoke behind the Lieutenant's head and another who clears the pan. A symbolic choreography that unveils each stage of musket operation, and we are given a sort of military operations manual. Rembrandt also gives us a history lesson. Have a look at this man in armour. An old guard tradition and a throwback to the medieval mercenary and while purely symbolic, Rembrandt documents the evolution of civic defence. Spears, banners, muskets and pikes. A glance at different eras and customs that have brought us from then to now. A company of brave men that have protected the city of Amsterdam for centuries, who marched to the beat of the drum, as they ready themselves for mobilization. So, why the girl, and why is she highlighted with the same luminous glow as the central leadership at the centre of the painting? She is a mascot. An allegory. A representation of the institution, and by highlighting her with the same clarity as Captain Cocq and the Lieutenant, Rembrandt emphasizes that no one man is above tradition.

The claws of the dead chicken that hangs from her belt, an emblem of the Musketeers Guild, and by lightning her unnaturally, in a narrative form, Rembrandt emphasizes her role as a symbol, because though she is not real, this time honoured tradition is. And by all accounts, *The Night Watch* is a fantastic tribute to these brave men, if you ignore the fact that there is a possibility that Rembrandt was also maybe taking the piss.

Those pikes and swords and men in old traditional armour, that could be viewed as a nod to an older time, might also point out that this very tradition has now been rendered useless. It is outdated and no longer necessary, and one that has been kept alive to protect camaraderie of these men instead of actually protecting the citizens of the city. Pure theatre, and come to think of it, the painting does feel a bit theatrical. And in the place of heroic warriors, Rembrandt highlights regular men, in the place of order, he gives us an unorganized chaos, and he even slips a cameo of himself into the work, so, how serious could it be? We will never really know.

THE WALL

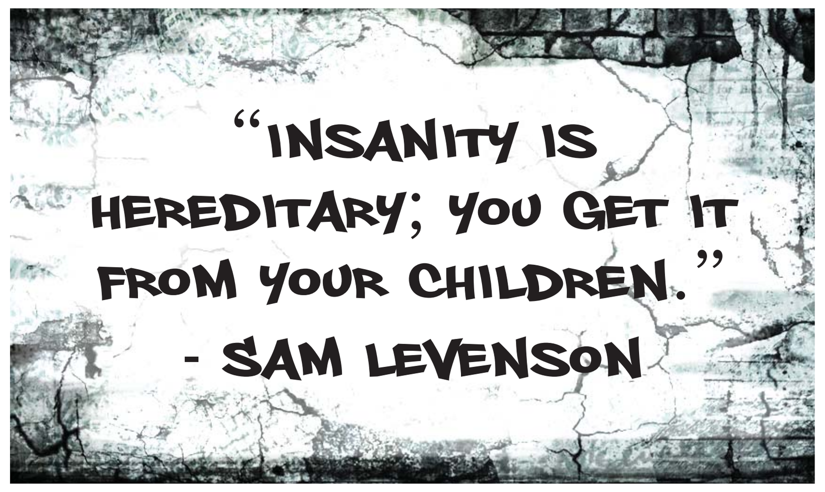

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

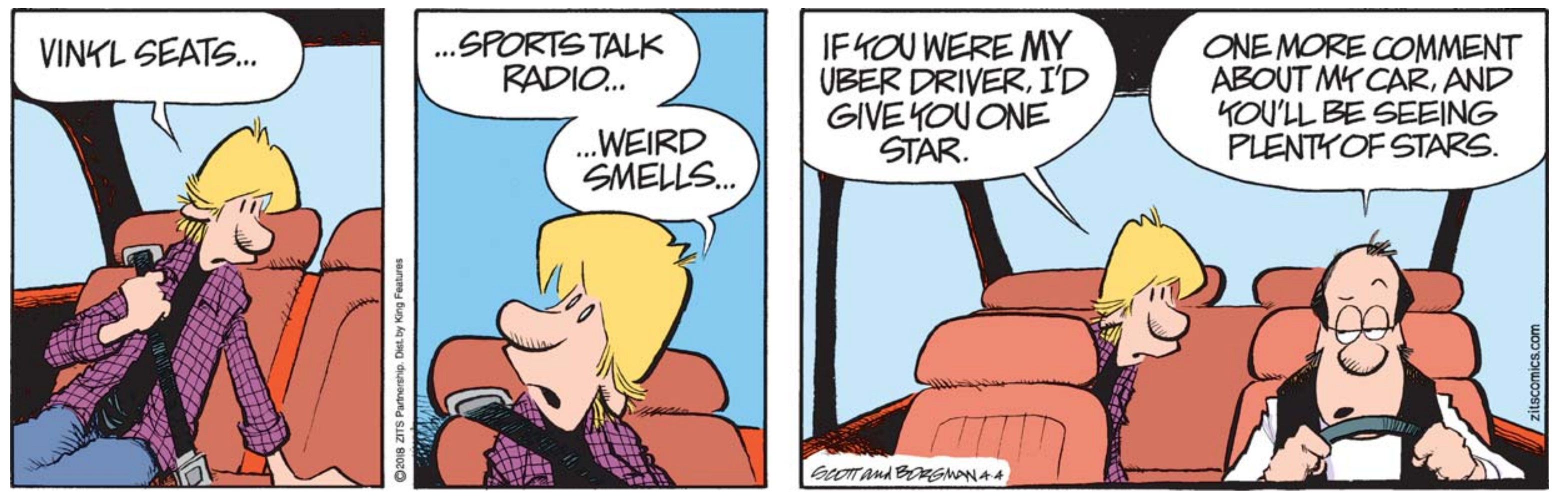

आंधी से टकराए बिजली के तार, 10 बीघा खेत में गेहूं की फसल जली

शेखसर गांव में आये आंधी-तूफान के दौरान कटा हुआ गेहूं हवा में उड़कर बिजली के तारों से टकराया, जिससे चिंगारी निकली और आग भड़क गई

- **घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है, उनका कहना है कि यदि समय रहते ढीले तारों को ठीक किया जाता तो इस तरह की घटना से बचा जा सकता था**
- **घटना की सूचना मिलने पर तहसीलदार ने हल्का पटवारी को मौके पर जाकर नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए, किसानों ने प्रशासन से उचित मुआवजा देने की मांग की**

बीकानेर, (निसं)। जिले के कालू कस्बे के पास स्थित शेखसर गांव आई आंधी से एक खेत में भीषण आग लग गई। खेत में रखी दो किसानों की करीब 10 बीघा खेत में गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। हादसा जिले के कालू कस्बे के पास स्थित शेखसर गांव का है। ग्रामीणों व किसानों ने घटना को लेकर बिजली विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है।

बताया जा रहा है कि आंधी की वजह से बिजली के तार आपस में टकरा गए, जिससे आग फैल गई। इस हादसे में राजेंद्र कुमार पुत्र अर्जुन राम धतरवाल और भगवाना राम पुत्र कानाराम धतरवाल के खेतों में लगी इस आग से दोनों किसानों की करीब 5-5 बीघा फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। आग लगते ही किसानों ने ट्यूबवेल चलाकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और काफी फसल जल गई।

प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि 132 जीएसएस से कपूरीसर जाने वाली बिजली लाइन के तार ढीले थे। आंधी-तूफान के दौरान कटा हुआ गेहूं हवा में उड़कर इन तारों से टकराया, जिससे चिंगारी निकली और आग भड़क गई।

घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि यदि समय रहते ढीले तारों को ठीक किया जाता तो इस तरह की घटना से बचा जा सकता था। वहीं घटना की सूचना मिलने पर तहसीलदार विनोद पूनिया ने हल्का पटवारी पार्वती को मौके पर जाकर नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इधर, प्रभावित किसानों ने प्रशासन से उचित मुआवजा देने की मांग की है, ताकि उन्हें हुए नुकसान की भरपाई हो सके।

पुलिस टीम पर वाहन चढ़ाने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अकलेरा पुलिस टीम पर आरोपी को पकड़ने के दौरान वाहन चढ़ाकर किये गये हमले के प्रयास का मामला

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम् पुलिस टीम ने अकलेरा पुलिस टीम पर आरोपी को पकड़ने के दौरान वाहन चढ़ाकर किये गये जानलेवा हमले के प्रयास के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 21 मार्च को थाना अकलेरा के थानाधिकारी धर्माराम मय जाप्ता व डीएसटी टीम के साथ फरार वांछित आरोपी देवीकृपाल उर्फ डेविड व कोमल मीणा की तलाश के लिये टीम कोटा आई। पुलिस टीम को सूचना मिली कि आरोपी डेविड अपने साथी के साथ कार से कोटा में श्रीनाथपुरम् तिराहे की ओर जा रहा है, सूचना पर पुलिस टीम ने पीछा कर श्रीनाथपुरम् तिराहे के पास वाहन को रूकने का इशारा किया तो आरोपियों ने वाहन को भगाने का प्रयास किया, जिस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो आरोपी डेविड ने जान से मारने की नियत से पुलिस टीम पर वाहन चढ़ाने का प्रयास किया तथा पुलिस के प्राईवेट वाहन को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। साथ ही एक अन्य राहगीर के वाहन को टक्कर मारकर नुकसान पहुंचाया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में आरकेपुरम् थानाधिकारी सिद्धार्थ श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दो आरोपी श्रीनाथपुरम् निवासी कोमल मीणा (26) एवं बानोर निवासी पवन दांगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी पवन दांगी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया एवं आरोपी कोमल मीणा को पुलिस रिमांड पर लिया गया है, मामले में पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

बूंदी में शराब के नशे में पति ने पत्नी की हत्या की

- **हत्या के बाद आरोपी रातभर शव के पास ही बैठा रहा, सुबह घटना का पता चलने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया**

बूंदी, (निसं)। सदर थानान्तर्गत रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे झुग्गी-झौपड़ी में रहने वाले एक युवक ने अपनी ही पत्नी की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार नहीं हुआ, बल्कि रात भर शव के पास बैठा रहा। सुबह हत्या का पता चलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और आरोपी युवक को हिरासत में लिया।

जानकारी के अनुसार काजू रात को शराब पीकर घर आया था और किसी बात को लेकर उसका पत्नी रूबी (32) से विवाद हो गया। इस पर काजू ने रूबी को इतना बेहरमी से मारा कि उसकी मौत हो गई। घटना का पता सुबह यहीं झुग्गी-झौपड़ी में रहने वाले लोगों को चला तो दहशत फैल गई। हत्या की सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोर्चरी भिजवाया। पुलिस ने हत्या के आरोपी पति काजू को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी भंवर सिंह ने बताया कि मृतका के शरीर पर मारपीट के निशान है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पंजाब से शादी में आए दो बच्चों पर श्वान ने हमला किया

- **कुत्ते ने बच्चों को कई जगह से काटा, आस-पास के लोगों ने कुत्ते को भगाया**

श्रीगंगानगर, (निसं)। आवारा कुत्ते (श्वान) के हमले से दो मासूम बच्चे घायल हो गए। बच्चे अपने परिवार के साथ पंजाब से यहां शादी समारोह में आए हुए थे। घटना श्रीगंगानगर जिले के पदमपुर के वार्ड नं-18 की है।

जानकारी अनुसार पदमपुर के वार्ड नंबर-18 में स्थित धानका समाज धर्मशाला में शादी समारोह का कार्यक्रम चल रहा था। शादी में एक परिवार अपने बच्चों के साथ आया हुआ था। इस दौरान धर्मशाला के बाहर खेल रहे दोनों बच्चों पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने बच्चों को कई जगह से काट लिया। जिसके बाद आस-पास के लोगों ने कुत्ते को भगाया। घटना के बाद परिजन तुरंत दोनों बच्चों को पदमपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों की टीम द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों बच्चों की हालत फिलहाल स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है।

पंजाब से भागे बदमाश को श्रीगंगानगर में पकड़ा

- **पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद, हत्या और फायरिंग के मामले में फरार चल रहा था**

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग जगह से अवैध पिस्टल, मैगजीन और जिंदा कारतूस बरामद किए गए। दोनों मामलों में आरोपियों को आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस थाना जवाहरनगर ने सीओ सिटी विशाल जांगिड के सुपरविजन और थानाधिकारी देवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की। पुलिस टीम ने गश्त के दौरान तीन पुली लिंक रोड पुलिया के पास कार्रवाई के दौरान 14 जिंदा कारतूस, 1 पिस्टल व 2 मैगजीन बरामद किए हैं। आरोपी की पहचान गुरविन्द्र सिंह (40) निवासी श्यामा खानका, थाना अरणियांवाला फाजिल्का (पंजाब) के रूप में हुई है। पुलिस ने आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आया कि गुरविन्द्र सिंह पंजाब के थाना फाजिल्का सदर में हत्या के प्रयास और फायरिंग के मामले में फरार था। गंगानगर आने की सूचना पर उसे पकड़ा गया। आरोपी के खिलाफ पंजाब के कई थानों में हत्या के प्रयास, अपहरण, एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट के तहत कुल 17 मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

मटीलीराठान थाना पुलिस ने थानाधिकारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई की। पुलिस टीम ने बस स्टैंड से गुरजन्ट सिंह उर्फ जन्टा (25) निवासी ढाणी 1 एल, मटीलीराठान को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 1 अवैध पिस्टल, मैगजीन और 6 जिंदा कारतूस बरामद हुए। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर रही है।

झुंझुनूं के बुडाना गांव में बेटी की घोड़ी पर बैठाकर बिंदोरी निकाली

बुडाना गांव में पिंकी कुमावत की घोड़ी पर बैठाकर बिंदोरी निकाली।

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं जिले के बुडाना गांव में बुधवार रात परंपराओं से हटकर दूल्हे की जगह दुल्हन घोड़ी पर सवार नजर आई। यह अनोखी पहल समाज में बेटा-बेटी की समानता का सशक्त संदेश दे गई। बुडाना निवासी बसेशर कुमावत ने अपनी बेटी पिंकी कुमावत की शादी से पहले बिंदोरी निकालते हुए पुरानी धारणाओं को तोड़ दिया।

उन्होंने बेटों की तरह ही बेटी को घोड़ी पर बैठाया। साफा पहनाया और दूल्हे की वेशभूषा में सजाकर पूरे गांव में बिंदोरी निकाली। जैसे ही सजी-धजी बणी-ठणी पिंकी कुमावत घोड़ी पर सवार होकर निकली, हर किसी के चेहरे पर खुशी झलक उठी। बिंदोरी के दौरान डीजे की धुन पर परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर नृत्य किया और इस अनोखी पहल का स्वागत किया। पिंकी के पिता बसेशर कुमावत ने कहा कि बेटा एक घर को संवारता है। जबकि बेटियां दो-दो घरों को संवारती हैं। उन्होंने समाज से अपील की कि बेटियों को भी बराबरी का दर्जा दिया जाए और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। पिंकी के भाई जयप्रकाश कुमावत और अनिल कुमावत का कहना है कि राजस्थान जैसे राज्य में, जहां लिंगानुपात की चुनौती लंबे समय से बनी हुई है। ऐसी पहलें सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही हैं। सरकारी प्रयासों के साथ-साथ जब तक समाज स्तर पर बेटा-बेटी में भेदभाव खत्म नहीं होगा, तब तक वास्तविक समानता संभव नहीं है। बुडाना गांव की यह बिंदौरी अब एक मिसाल बन गई है। जो यह साबित करती है कि बदलाव की शुरुआत समाज के भीतर से ही होती है। इस अवसर पर झिंडूराम, जुगलाल, विश्वंभरलाल, किशनलाल, बाबूलाल, सरदाराम, प्यारेलाल, राधेश्याम, प्रमोद कुमार, अमित, सूरज, विक्रम, मनीषा, सीमा, कोमल, सिमरन, ममता, नंदू, अनूपूर्णा एवं सोना सहित अन्य परिजन मौजूद रहे।

करोड़ों की ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

- **13 बदमाश गिरफ्तार, दो नाबालिग डिटेन, फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस (लड़कियां उपलब्ध कराने) के नाम पर ठगी करते थे**

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में पुलिस ने सायबर ठगों के खिलाफ कार्रवाई की है। ऑपरेशन सायबर हंट 2.0 के तहत दोवड़ा थाना पुलिस ने एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर देशभर में करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई में 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 2 बाल अपचारियों को निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 27 मोबाइल फोन और 38 फर्जी सिमकार्ड भी जब्त किए हैं।

दोवड़ा थाना पुलिस के अनुसार लीलवासा गांव के पास एक सुनसान खंडहर में कुछ युवकों द्वारा सायबर ठगी की गतिविधियों को अंजाम देने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर जिला सायबर सेल और दोवड़ा थाने की संयुक्त टीम ने मौके पर दबिश दी। वहां नीम के पेड़ की छांव में करीब 14-15 युवक मोबाइल फोन चलाते हुए पाए गए। पुलिस टीम ने घेरा डालकर सभी को पकड़ लिया।

जांच के दौरान उनके मोबाइल फोन में सोशल मीडिया ऐप और खातों की जानकारी खंगालने पर पता चला कि ये युवक फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर देशभर के विभिन्न राज्यों के लोगों को लड़कियों की अश्लील तस्वीरें भेजकर ठगी कर रहे थे। पुलिस ने मौके से लीलवासा निवासी लाल सिंह, बडलिया-बनकोडा निवासी प्रवीण पाटीदार,जसपुर जापका निवासी नयनेश पाटीदार, माल निवासी जितेन्द्र सिंह, रायणा निवासी नितेश पाटीदार, गलियाणा निवासी नरेश पाटीदार, डोली निवासी भूरालाल पाटीदार, रायना निवासी महेश पाटीदार, डोली निवासी देवजी पाटीदार, रायना निवासी मुकेश पाटीदार, डोली निवासी गजेन्द्र पाटीदार, पचलासा बड़ा निवासी दिनेश पाटीदार और डोली निवासी प्रवीण पाटीदार को गिरफ्तार किया। इनके अलावा दो बाल अपचारियों को भी निरुद्ध किया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ये ठग लोकेंटो, ओक्ल्युट, स्डुको जैसी वेबसाइटों पर फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस (लड़कियां उपलब्ध कराने) के विज्ञापन डालते थे। विज्ञापनों पर दिए गए नंबरों के जरिए ये लोगों को वाट्सऐप, टेलीग्राम और इन्स्टाग्राम पर जोड़ते थे। इंटरनेट से डाउनलोड की गई अश्लील तस्वीरें भेजकर लोगों को झांसे में लेते थे। वहीं फोटो सिलेक्शन के बाद एडवांस अमाउंट और अन्य शुल्कों के नाम पर फर्जी बैंक खातों में पैसे डलवाते थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने देशभर में कई लोगों के साथ ठगी करना स्वीकार किया है।

राशन डीलर पर गेहूं गबन का आरोप

जोधपुर, (कासं)। शेरगढ़ थानान्तर्गत हनवंत नगर में सरकारी राशन के गेहूं में गबन का मामला सामने आया है। एक राशन डीलर पर 312 क्विंटल दो किलो गेहूं के गबन का आरोप है। इस संबंध में शेरगढ़ थाने में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस जांच कर रही है।

थाना अधिकारी बुधाराम ने बताया कि जिला रसद कार्यालय जोधपुर द्वितीय के प्रवर्तन अधिकारी वीरमदान पुत्र हुकुमदान चारण ने यह रिपोर्ट दर्ज कराई है। हनवंतनगर निवासी को विभाग द्वारा उचित मूल्य की दुकान के लिए अधिकृत किया गया था। जांच के दौरान पता चला कि 7 मार्च 2024 तक की राशन वितरण अवधि में 312 क्विंटल 2 किलो गेहूं स्टॉक में कम पाया गया। इस अनियमितता के बाद विभाग ने डीलरशिप को निलंबित कर दिया। राशन दुकान का कार्यभार निकटवर्ती डीलर नग सिंह को सौंपा गया। स्टॉक सुपुर्दगी की प्रक्रिया के दौरान, डीलर जसवंत सिंह ने 312 क्विंटल 2 किलो गेहूं नए डीलर को सुपुर्द नहीं किया। इससे गेहूं के गबन की पुष्टि हुई। इसके बाद, विभाग की रिपोर्ट के आधार पर शेरगढ़ थाने में मामला दर्ज किया गया।

शिकायत की जांच के लिए आज गंगापुर पहुंचेगी टीम

गंगापुर सिटी। क्षेत्रीय निदेशक कॉलेज शिक्षा भरतपुर संभाग के नेतृत्व में जांच दल 27 मार्च को राजकीय कन्या महाविद्यालय गंगापुर सिटी के कार्यवाहक प्राचार्य प्रो.बनवारी लाल मैनावत के विरुद्ध शिकायत की जांच के लिए राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी आएगा। यह शिकायत राजकीय महाविद्यालय के वरिष्ठतम प्रोफेसर एवं वर्तमान में प्राचार्य पद के विरुद्ध कार्य व्यस्था पर कार्यरत राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर के नोडल अधिकारी डॉ. रमेश बैरवा ने नवंबर माह में आयुक्त कॉलेज शिक्षा,अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च शिक्षा, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग एवं पुलिस अधिकारियों को दी थी। पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया था।

शिकायत में प्रो. बैरवा ने आरोप लगाया है कि प्राचार्य प्रो.सुमित्रा मीणा के 17.11.2025 के एपीओ हो जाने के उपरांत महाविद्यालय का चार्ज इन्हें दिया गया था, लेकिन आयुक्तालय ने चार्ज इनसे छीन कर 3 साल जूनियर डॉ. मैनावत को दे दिया था जोकि नियम विरुद्ध था। डॉ. मैनावत संस्कृत सह आचार्य रामकेश मीणा एवं राजनीति विज्ञान के सहायक आचार्य धर्मवीर मीणा को साथ में लेकर 20 नवंबर की देर रात्रि पीजी कॉलेज में जबरन घुस गए। प्राचार्य कक्ष खुलवाकर सरकारी दस्तावेजों से छेड़छाड़ की, चोरी की एवं जला भी दिए। जबकि महाविद्यालय का चार्ज प्रो.रमेश बैरवा के पास था।

शिकायत में यह भी लिखा है कि नियमों की अनदेखी करते हुए प्राचार्य पद पर प्रो.रमेश बैरवा को चयन से वंचित कर दिया था। इनके निलंबन काल की अवधि का निर्वाह भत्ता आज तक नहीं दिया गया है जोकि मौलिक अधिकार का हनन है। विभाग इनके साथ लगातार भेदभाव करता रहा है जिससे इनको भारी आर्थिक एवं मानसिक हानि होती रही है। शिकायत का कड़ा संज्ञान लेकर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने आयुक्त कॉलेज शिक्षा को कड़ा नोटिस दिया था।

कथित चमत्कारी कछुआ के नाम पर 12 लाख रु. ठगे

रूपनगढ़, (निसं)। ठगों द्वारा एक कछुए को चमत्कारी बताते हुए उसे एक करोड़ रुपए की कीमत का बताकर 20 लाख रुपए में बेचने का सौदा करने तथा 12 लाख रुपए ठग लिए जाने का मामला दर्ज हुआ है।

थाना प्रभारी रामस्वरूप चौधरी ने बताया कि परिवादी रसीद पुत्र समदा मेहरात निवासी कानाखेड़ पिपलाज जिला ब्यावर ने रूपनगढ़ थाने में अपने साथ ठगी होने का मुकदमा दर्ज कराया। इसके अनुसार उसके पास गत दिनों सलीम पुत्र शौकीन निवासी गुवाड़िया आया और कहा कि उसके जानकार के पास एक ऐसा कछुआ है जो चमत्कारी है और उसकी कीमत एक करोड़ रुपए है, जिसे वह अभी 20 लाख रुपए में बेच सकता है। अपन 20 लाख में खरीद कर एक करोड़ में बेच देंगे। रशीद मेहरात लालच में आ गया और भगवान सिंह पुत्र छोटू सिंह तथा मानसिंह पुत्र नारायण सिंह आदि से राशि एकत्रित करते हैं। कछुए को खरीदने का विचार किया ताकि 20 लाख में लेकर एक करोड़ में वापिस बेच सके। रशीद के पास जब बारह लाख रुपए एकत्रित हो गए तो ठगों में उसे रूपनगढ़ बुलाया और चमत्कारी कछुआ बेचने की बात की। रसीद ने कहा कि उसके पास 12 लाख रुपए हैं तो ठगों ने उससे वह राशि ले ली और बिना गिने ही अपने पास रख ली। परिवादी रसीद का कहना है कि उसे फोन करने वालों के मात्र नाम और उनके मोबाइल फोन नंबर है। इसके अलावा रसीद को ठगों का कोई पता, जाति, पिता का नाम आदि कुछ भी नहीं पता है। अपने साथ ठगी होने का एहसास उसे तब हुआ जब ठग पैसे लेकर चले गए और उसे चमत्कारी कछुए की जगह कुछ अन्य बेकार सामान पकड़ा गए, जिसका पता उसे ठगों के जाने के बाद चला। वह रूपनगढ़ पुलिस थाने आया और अपने साथ ठगी होने की जानकारी पुलिस को दी। जिस पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करके अग्रिम अनुसंधान आरंभ कर दिया है।

दो घरों में लाखों की नगदी व आभूषण चोरी

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पूर्व में दो घरों में चोर सैंधमारी कर लाखों की नगदी के साथ आभूषण चोरी कर ले गए। संबंधित थाने में चोरी के प्रकरण दर्ज कराए गए।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि मूलतः गोटन के नोखा चांदावता हाल जाजीवाल कुतड़ी भोपालगढ़ रोड निवासी भंवराराम पुत्र सुखाराम जाट ने रिपोर्ट दी। बताया कि उसका परिवार दिन में खेत पर काम के लिए गया था। शाम को वापिस लौटा तो घर के ताले टूटे मिले। चोर दिनदहाड़े घर से नगदी और जेवरात चोरी कर ले गए। दूसरी तरफ करवड़ के रलावास निवासी कानाराम पुत्र चेतनराम ने रिपोर्ट दी कि उसका घर 23-25 मार्च के बीच सूना था। परिवार के लोग बाहर गए हुए थे। 25 को लौटे तो घर के ताले टूटे मिले। अज्ञात चोरों ने घर से 2.10 लाख की नगदी के साथ जेवर और घरेलु सामान चोरी कर ले गए।

अविलम्ब ड्यूटी ज्वॉइन करवाने और कर्तव्यों का निर्वहन करने के हाईकोर्ट के आदेश

- **हाइकोर्ट ने रिट याचिका की सुनवाई करते हुए नियुक्ति आदेश निरस्त करने के आदेश पर रोक लगाते हुए अंतरिम आदेश दिए**
- **सरकार द्वारा वर्ष 2010 में सहायक प्रोफ़ेसर, पीडियाट्रिक गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी का एक पद सृजित किया गया था**
- **यह राज्य की राजधानी स्थित एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर के अधीन स्वीकृत किया गया, जो आज दिन तक रिक्त पड़ा है**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर में सहायक प्रोफेसर, पीडियाट्रिक गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी पद पर अविलम्ब ड्यूटी ज्वॉइन करवाने और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने देने के हाईकोर्ट ने अहम आदेश जारी किए। पिछले 15 वर्षों से राजधानी जयपुर में बच्चों के सबसे बड़े राजकीय जेके लोन अस्पताल (सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज जयपुर) में पीडियाट्रिक गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट नियुक्त नहीं है। बच्चों की आंतों की बीमारी का इलाज़ चल रहा है लिवर के डॉक्टर पीडियाट्रिक हेपेटॉलजिस्ट के भरोसे चल रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने पैरवी की। हाइकोर्ट जस्टिस फरजंद अली की एकलपीठ ने रिट याचिका की प्रारंभिक सुनवाई करते हुए नियुक्ति आदेश निरस्त करने के आदेश पर रोक लगाते हुए दिये अहम अंतरिम आदेश दिए।

याचिकाकर्ता डॉ. लक्ष्मण सिंह चारण की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने रिट याचिका दायर कर बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2010 में सहायक प्रोफ़ेसर, पीडियाट्रिक गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी का एक पद सृजित किया गया था, जो राज्य की राजधानी स्थित एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर के अधीन स्वीकृत किया गया, जो आज दिन तक रिक्त पड़ा है और वर्तमान में एनएमसी/एनएमसी नई दिल्ली द्वारा किए जाने वाले निरीक्षण के दृष्टिगत चिकित्सक शिक्षको /फैकल्टीज की कर्मीपूर्ति दिखाने के लिहाज़ से राज्य सरकार द्वारा सरकारी मेडिकल कॉलेजो में रिक्त पड़े सहायक प्रोफ़ेसर पदों को भरने के लिए दिशा निर्देश 27 अप्रैल 2025 जारी किए गए। उसी अनुरूप सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा विभिन्न विभागों में सहायक प्रोफ़ेसर (सुपर स्पेशियलिटी) के रिक्त 27 पदों को यूटीबी आधार पर भरने के लिए विज्ञिप्त 13 नवंबर 2025 जारी की गई। याचिकाकर्ता ने सहायक प्रोफ़ेसर, पीडियाट्रिक गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी के एकल विज्ञापित पद के लिए अपना आवेदन प्रस्तुत किया। साक्षात्कार पश्चात प्रधानाचार्य, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर ने 27 पदों के विरुद्ध केवल 7 अभ्यर्थियों को ही योग्य पाया और उन्हें सम्बन्धित सुपर स्पेशियलिटी में सहायक प्रोफ़ेसर पद के लिए नियुक्ति के लिए राज्य सरकार को अनुशंसा भेज दी, जिसकी पालना में राज्य सरकार के शासन उप सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 2 दिसम्बर 2025 को नियुक्ति आदेश भी जारी कर दिया।

उक्त आदेश की पालना में याचिकाकर्ता के अलावा अन्य छह अभ्यर्थियों को तो ज्वॉइन करवा गया लेकिन सहायक प्रोफ़ेसर, पीडियाट्रिक गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी के एकल विज्ञापित पद पर चयनित याचिकाकर्ता का चयन होना विभाग के शासन संयुक्त सचिव को उचित नहीं लगा और पिछले 15 वर्षों से रिक्त पड़े सहायक प्रोफ़ेसर पीडियाट्रिक गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी पर याचिकाकर्ता के नियुक्ति आदेश को, बिना किसी उचित कारण का उल्लेख किए, निरस्त करने का तुगलकी आदेश जारी कर दिया, जिसे लेकर रिट याचिका दायर की गई।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता खिलेरी ने बताया कि वर्तमान में राजस्थान राज्य में केवल चार ही पीडियाट्रिक गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉक्टर हैं और सरकारी मेडिकल कॉलेज में पीडियाट्रिक गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी में सुपर स्पेशियलिटी कोर्स किया हुआ याचिकाकर्ता ही एक मात्र सेवारत अभ्यर्थी है। याचिकाकर्ता की ओर से भी न्यूज़ पेपर में छपे ख़बर की ओर भी न्यायालय का ध्यान आकर्षित करवाया कि राजधानी जयपुर में बच्चों के सबसे बड़े राजकीय जेके लोन अस्पताल में बच्चों की आंतों की बीमारी का इलाज लिवर के डॉक्टर के भरोसे चल रहा है और 15 साल से पीडियाट्रिक गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी में सहायक प्रोफ़ेसर (सुपर स्पेशियलिटी) पद ख़ाली पड़ा है। अन्य विभागों में याचिकाकर्ता के साथ नियुक्त हुए अन्य सुपर स्पेशियलिटी के सहायक प्रोफ़ेसर को तो ज्वॉइन करवा दिया गया लेकिन याचिकाकर्ता के साथ भेदभाव वाला बर्ताव किया गया है।

मामले की प्रारंभिक सुनवाई करने एवं रिकॉर्ड का अनुशीलन करने और अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होते हुए जस्टिस फरजंद अली की एकलपीठ ने पीडियाट्रिक गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर (सुपर स्पेशियलिटी) पद पर याचिकाकर्ता के नियुक्ति आदेश रद्द करने के आदेश पर रोक लगाते हुए याचिकाकर्ता को अविलम्ब ड्यूटी ज्वॉइन करवाने और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने देने के आदेश देते हुए राज्य सरकार, चिकित्सा शिक्षा विभाग सचिव सहित अन्य को जवाब तलब किया। अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी।

चेक बाउंस मामले में अभियुक्त को दो साल की सजा

लूणकरणसर, (निसं)। न्यायिक मजिस्ट्रेट संजीव कुमार वर्मा ने चेक बाउंस के एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अभियुक्त को ब्याज सहित दोगुनी राशि चुकाने के साथ दो साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई है।

मामले के अनुसार परिवादी अशोक कुमार ने अभियुक्त चैनरूप सिंह के खिलाफ परिवाद दायर किया था। परिवाद में बताया गया कि चैनरूप सिंह ने अशोक कुमार से 2 लाख 10 हजार रुपए उधार लिए थे। इसके एवज में उसने अपने बैंक खाते का एक चेक दिया था। जब परिवादी ने यह चेक बैंक में जमा किया, तो वह अपर्याप्त भुगतान के कारण बाउंस हो गया। इस पर अशोक कुमार ने चैनरूप सिंह से संपर्क किया, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने कोर्ट में परिवाद प्रस्तुत किया। न्यायिक मजिस्ट्रेट संजीव कुमार वर्मा ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद परिवादी के पक्ष में फैसला सुनाया। कोर्ट ने अभियुक्त चैनरूप सिंह को दो साल के साधारण कारावास के साथ 4 लाख 20 हजार रुपए (ब्याज सहित) चुकाने का आदेश दिया। इस मामले में परिवादी की ओर से एडवोकेट ईश्वरलाल भादू ने पैरवी की, जबकि अभियुक्त की ओर से एडवोकेट मनोज जाखड़ ने अपना पक्ष रखा।

रजिस्ट्रेशन शुल्क निःशुल्क

निवाई। डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्राओं के प्रवेश को प्रोत्साहित करने हेतु सभी पाठ्यक्रमों में छात्राओं के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क पूरी तरह से मुफ्त कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के चेयरमैन प्रो. डॉ. देवेंद्रकुमार मोदी ने बताया कि नवरात्रि के शुभ अवसर पर बेटियों की उच्च शिक्षा को बढावा देने एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य को लेकर यह निर्णय लिया है। पीआरओ ठा. तनुज सैंगर ने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को अधिक से अधिक छात्राओं तक पहुँचाना है। एडमिशन सेल प्रभारी प्रमोद कुंतल ने बताया की संस्थान में इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, साइंस, आर्ट्स, फार्मेसी, लॉ एवं अन्य विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर व शोध स्तर तक के पाठ्यक्रम संचालित हैं, जिससे छात्राओं को बेहतर करियर के अवसर प्राप्त होंगे।

गुजरात न्यायिक सेवा में चयन होने पर जिला अभिभाषक संघ ने आरूषि गुप्ता का किया सम्मान

कोटपूतली, जिला अभिभाषक संघ कोटपूतली ने आरूषि गुप्ता के गुजरात न्यायिक सेवा में चयन होने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीष रवि शर्मा ने कहा कि न्यायिक सेवा में चयन होना एक तपस्या का कार्य है तथा इसमें स्वंय के साथ ही परिवार की मेहनत भी महत्वपूर्ण योगदान रखती है। न्यायिक सेवा का कार्य कोई व्यापार या धनअर्जन का माध्यम मात्र नहीं है बल्कि कानून व न्याय व्यवस्था को अनवरत रूप से चलाये रखने तथा पीड़ितां को न्याय मिले इस हेतु एक पवित्र कार्य है। उन्हांने जिला अभिभाषक संघ के युवा अधिवक्ताओं से भी अथक मेहनत करके प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिये प्रेरित करते हुये कहा कि न्यायिक सेवा पवित्र कार्य है। विषिष्ठ अतिथि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डिम्पल जण्डेल ने कहा कि वर्तमान में न्यायिक सेवा में महिलाओं की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है।

गैस एजेंसी सील होते ही भुगतान, तुरंत खुली सील

भरतपुर (निस)। बकाया नगरीय विकास कर की वसूली को लेकर नगर निगम इन दिनों सख्त रुख अपनाए हुए है, जिसका ताजा उदाहरण सुपर बाजार स्थित हेतराम गैस एजेंसी पर देखने को मिला। दरअसल, हेतराम गैस एजेंसी का संचालन पूर्व में आगरा-जयपुर रोड स्थित सीजेआई स्कूल के पास किया जा रहा था, लेकिन वहां का करीब 29,87,910 रुपये का यूडी टैक्स लंबे समय से बकाया चल रहा था।

निगम प्रशासन द्वारा बकाया राशि जमा कराने के लिए एजेंसी संचालक को बार-बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन भुगतान न होने और एजेंसी के अपना स्थान बदलकर सुपर बाजार में शिफ्ट हो जाने के बाद निगम के अधिकारियों ने कड़ा कदम उठाने का निर्णय लिया। गुरुवार को नगर निगम की टीम दलबल के साथ सुपर बाजार पहुंची और बकाया टैक्स की वसूली के लिए एजेंसी परिसर को सीज करते हुए वहां नोटिस चस्पा कर दिया। सीलिंग की

बकाया नगरीय विकास कर की वसूली को लेकर नगर निगम भरतपुर सख्ती अपनाये हुए है।

इस अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और एजेंसी का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया। हालांकि, निगम की इस सख्ती का असर तुरंत देखने को मिला और सीजर की कार्रवाई के कुछ ही समय बाद एजेंसी मालिक ने बकाया टैक्स की पूरी राशि निगम कोष में जमा करवा दी। भारी-भरकम राशि का भुगतान होने के तुरंत बाद निगम प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए सील खोल दी और एजेंसी को दोबारा सुचारू रूप से संचालित करने की अनुमति दे दी।

शिविर में ग्रामीणों का निशुल्क परामर्श कर इलाज

पावटा। पावटा कस्बे से 8 किलोमीटर दूर स्थित टोरडा गांव में बाबा भरतदास जी का आश्रममेहर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा भरतदासजी महाराज आश्रम सेवा समिति व समस्त ग्राम जनता के सहयोग से बाबा भरतदास महाराज व बाबा गोपाल दास महाराज की असीम कृपा से रामनवमी पर बडी धूमधाम से मेले का आयोजन किया गया। वही श्रीराम नवमी के अवसर पर श्री भरतदास बगीची आश्रम टोरडा रामपुरा पर विशाल मेले में जन सैलाब के रूप में भक्तों का तांता लगा रहा। रंगबिरंगी पौशाक में महिला, बच्चे किशोर किशोरियां तथा प्रौढ़ और वयोवृद्ध आसपास के सभी भक्तों ने श्री सीताराम जी के भव्य और दिव्य दर्शन किए। मंदिर महंत श्री मंगलदास जी महाराज के सानिध्य में सर्वप्रथम वर्ष प्रतिपदा के दिन नवरात्र घटस्थापना,श्रीराम नाम संकीर्तन , वर्षप्रतिपदा उत्सव , श्री राम दरबार के राजसी श्रृंगार सहित छप्पन भोग की झांकी के दर्शन कर लोक कृतार्थ हुआ। लोक परंपराओं के प्रदर्शन में महाशयों का गायन , डफ व चंग वादन तथा लोकनृत्य आदि की प्रस्तुतियां ने जनजीवन का मन मोह लिया। आश्रम महंत श्री मंगलदास जी ने जानकारी देते हुए बताया कि मेले के पावन अवसर पर मेले के दौरान विभिन्न संस्थाओं जेएनयू सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा चिकित्सा परामर्श, जांच व दवा वितरण, जीएम गोयल फाउंडेशन पावटा द्वारा विभिन्न रोगों की जांच व उपचार करते हुए जीएम गोयल फाउंडेशन के पदाधिकारी दिलीप गोयल और साहुल गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि मेले में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जहां बड़ी संख्या में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञों द्वारा ग्रामीणों का निशुल्क परामर्श कर इलाज किया गया। वही वैशाली हॉस्पिटल, जयपुर के विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. दिनेश खोड़ा की सेवाएं, मिश्री देवी हॉस्पिटल, बहरोड़ द्वारा चयनित मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन सहित निशुल्क चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई। टोरडा बगीची में रामनवमी पर भरने वाले मेले में राजस्थान के अलावा कई अन्य प्रदेशों से हजारोंभक्त आये ।

ज्ञापन सौंपा

कोटपूतली । कस्बे के आदर्श नगर में टेलीफोन एक्सचेंज रोड एवं डाबला रोड पर नालों की सफाई एवं जल निकासी समेत ठाम सुदरपुरा ढाढ़ा से मीरापुर फॉर्म जा रही एमडीआर रोड से नाड़ा वाले हनुमान मंदिर तक रोड एवं श्मषान भूमि की चार दिवारी निर्माण के लिये विधायक निधि से राशि स्वीकृत कराने आदि।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1914
चूंकि प्रार्थी श्री RAJENDRA CHOUDHARY, B-195, GANGA SAGAR COLONY, NEAR LAXMI NARAYAN MANDIR, VAISHALI NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री पूराराम मेमोरियल संस्थान VILL PANCHYAWALA, VAISHALI NAGAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया हैं।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02.06.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1998
चूंकि प्रार्थी श्री RAM KISHOR, RIICO BAYANA INDUSTRIAL AREA BAYANA DISTT BHARATPUR RAJASTHAAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास आर के सेहत सारथी केयर एंड चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर PLOT NO.5 SUBHASH NAGAR SHASTRI NAGAR JAIPUR RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01.06.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

भरतपुर में रामनवमी पर भव्य शोभायात्रा

- मंत्री बेढ़म ने देशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव पूरे देश ही नहीं बल्कि विश्वभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है

भरतपुर (निस)। रामनवमी के पावन अवसर पर भरतपुर शहर में श्री राम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शिरकत की। शोभायात्रा को यातायात चौराहे से विधिवत आरती कर रवाना किया गया। इस दौरान मंत्री बेढ़म ने देशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव पूरे देश ही नहीं बल्कि विश्वभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि भरतपुर में हर वर्ष की तरह इस बार भी सभी वर्गों की सहभागिता से भव्य शोभायात्रा निकाली जा रही है, जो यातायात चौराहे से शुरू होकर मुख्य बाजार होते हुए कुम्हेर गेट तक पहुची। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि रामनवमी के अवसर पर आमजन में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है तथा जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं विरासत के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि आज देश और प्रदेश की सरकारें सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण के बाद देश-विदेश से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, जिससे भारतीय संस्कृति का वैश्विक स्तर पर गौरव बढ़ा है। पूरे बाजार को भगवा ध्वज, तोरणद्वार और सजावट से सुसज्जित किया गया था। शोभायात्रा में शामिल महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग भगवा दुपट्टा और साफा पहने हुए थे तथा डीजे पर बज रहे भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। जय श्रीराम के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। शोभायात्रा में 70 से अधिक आकर्षक झांकियां भी निकाली गईं, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा। एएसपी और डीएसपी सहित सभी थानों के अधिकारी, आरएसी जवान और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी पूरे आयोजन पर नजर बनाए हुए थे।

27 मार्च को जयपुर धरने में शामिल होने का आह्वान

डीग भरतपुर (निस)। जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष राजीव चौधरी के नेतृत्व में लाला की धर्मशाला कुंडा के पास कामा रोड डीग में संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा प्रदेश के पंचायती राज एवं नगर निकाय के चुनाव टालकर लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक परंपराओं पर कुठाराघात किया जा रहा है ।

इस लोकतंत्र विरोधी रवैया

- डीग में कांग्रेस की मासिक बैठक 1 अप्रैल से 'संगठन बचाओ-लोकतंत्र बचाओ' अभियान

जिसके तहत भाजपा सरकार द्वारा पंचायती राज एवं नगर निकाय संस्थानों में दमनकारी नीति अपनाते हुए प्रशासक नियुक्त किए गए के विरोध में तथा आम जनता को अवगत कराने हेतु राजस्थान प्रदेश कमेटी द्वारा संगठन बचाओ-लोकतंत्र बचाओ अभियान 01 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया जा रहा है। जिसमें ठाम पंचायत स्तर तथा नगर निकाय के बार्डों के स्तर पर कांठोस

डीग भरतपुर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक जिला अध्यक्ष राजीव चौधरी के नेतृत्व में संपन्न हुई।

कमेटियों का गठन करने की प्रक्रिया में जनजागरण अभियान के तहत जिसमें ठाम पंचायत तथा बार्डों में सक्रिय कार्यकर्ताओं की पहचान हो सके और कांठोस संगठन मजबूत किया जा सके राजस्थान में14426 (चौदह हज़ार चार सौ छब्बीस) ठाम पंचायतों में 21 (इक्कीस) लोगों की कार्यकारिणी बनाई जाएगी। और इसी तरह10245 (दस हज़ार दो सौ पैंतालीस)शहरी बार्डों में भी अध्यक्ष सहित 21 (इक्कीस) पदाधिकारीयों की कार्यकारिणी बनाई जाएगी। इसके साथ प्रदेश कांठोस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आ ान पर 27 मार्च 2026 शुक्रवार को प्रात:10 बजे शहीद स्मारक विधानसभा के पास जयपुर में भाजपा सरकार द्वारा पंचायत के चुनाव नहीं कराने, महंगाई बढ़ने और रसोई गैस सिलेंडरों के दामों में वृद्धि करने के विरोध में विशाल धरना प्रदर्शन में शामिल होने के लिए भी जिले के सभी कांठोस कार्यकर्ताओं से आग्रह किया गया है डीग जिले में गठित विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्षों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे भी शीघ्र ही अपनी कार्यकारिणी घोषित करावें ।

14 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में, समाज ने दिखाई नई राह

लालसोट। गौड सनाढ्य ब्राह्मण समाज लालसोट के तत्वावधान में गुरुवार को रामनवमी के पावन अवसर पर पीएम श्री अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में षष्ठम सामूहिक विवाह सम्मेलन भव्य रूप से आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में 14 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार के बीच परिणय सूत्र में बंधे और सात जन्मों तक साथ निभाने का संकल्प लिया। यह आयोजन केवल विवाह तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज में बढ़ती फिजूलखर्ची, दहेज प्रथा और दिखावे के खिलाफ एक मजबूत सामाजिक संदेश बनकर उभरा। सामूहिक विवाह के माध्यम से सादगी, समानता और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने की प्रेरणा दी गई। समारोह के दौरान सामूहिक भोजन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया इस दौरान समाज के लोगों सहित अन्य उपस्थित जनों ने भी वर-वधुओं को बढ़-चढ़कर उपहार भेंट किए और उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। माहौल में अपनत्व और उत्साह साफ झलकता नजर आया। गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण समाज लालसोट के सह सचिव गोविन्द शर्मा बगड़ी ने बताया कि सम्मेलन में शामिल प्रत्येक वर-वधु को समाज की ओर से सम्मान स्वरूप भव्य उपहार प्रदान किए गए।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1527
चूंकि प्रार्थी श्री BANWARI LAL SHARMA S/O KANHAYIYA LAL SHARMA SOMNATH NAGAR DAUSA ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास आदर्श सरोज विद्या मंदिर समिति LIC OFFICE KE SAMNE COLLECTRATE CHAURAHA KHAN BHAKRI ROAD DAUSA 303303 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02.06.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नाम परिवर्तन

मैं, शिनू देवी शर्मा, पत्नी दीपक कुमार जांगिड, निवासी न्यू गार्ड कॉलोनी, फुलेरा, ने अपना नाम बदलकर काजल रख लिया है। अब से मैं सभी कार्यों में काजल के नाम से जानी जाऊंगी।

मैंने मेरा नाम कपिल बूचरा से बदलकर कपिल जैन रख लिया है। भविष्य में मुझे कपिल जैन के नाम से जाना पहचाना जावे। निवासी- 708, विवेक विहार, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, जयपुर- 302019

मैं बरशिले ज्ञानदेव शंकर आर्मी नंबर 15224134N नायक (DS) बरशिले राहुल ज्ञानदेव निवासी स्थान कोठावले वस्ती, जावला, तहसील पारनेर, जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र पिन कोड 414306 मेरे बेटे के सर्विस रिकॉर्ड में नाम बरशिले ज्ञानदेव शंकर गलत दर्ज मेरे डॉक्यूमेंट और आधार और पैन कार्ड में मेरा सही नाम ज्ञानदेव शंकर बरशिले है।

मैं बरशिले शालन ज्ञानदेव आर्मी नंबर 15224134N नायक (DS) बरशिले राहुल ज्ञानदेव निवासी स्थान कोठावले वस्ती, जावला, तहसील पारनेर, जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र पिन कोड 414306 मेरे बेटे के सर्विस रिकॉर्ड में नाम बरशिले शालन ज्ञानदेव बरशिले ज्ञानदेव शंकर व जन्मलतिथि 10.05.1972 गलत दर्ज है मेरे डॉक्यूमेंट और आधार और पैन कार्ड में मेरा सही नाम शालुबाई ज्ञानदेव बरशिले व सही जन्मतिथी 01.06.1972 है।

मैंने अपना नाम महेश सिंह से बदलकर महेश सिंह शेखावत पुत्र श्री इंदर सिंह शेखावत रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। निवासी- 19-ए, गुलाब विहार, 200 फीट, बाईपास, गांधीपथ (पश्चिम) लालरपुरा रोड, वैशाली नगर, जयपुर

I army no JC- 483282N NB Sub Banay Singh Gurjar resident of vpo chandangaon tehsil shri mahaveer ji district karauli that i want to change name of my spouse KUMARI MITHLESH To MITHLESH vide affidavit dated 14/3/26 before sub divisional magistrate hindaun karauli

i army no 1268611N Ex Hav mal singh resident of 58 green park- B nangal jaisha bohara jhotwara jaipur that I want to change name of my spouse from RATAN KAUR To RATAN KANWAR vide affidavit dated 24 mar2026 before sub divisional magistrate jaipur

शब्दों की महफिल में राष्ट्रीय कवियों ने देशभक्ति और भक्ति रस से बांधा समां

- कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया सपना सोनी संत सुंदरदास के जीवन पर आधारित गीतों से भाव-विभोर किया
- कार्यक्रम में भक्ति, साहित्य और देशभक्ति का त्रिवेणी संगम देखने को मिला

दौसा। महान संत एवं कवि शिरोमणि संत सुंदरदास जी की जयंती की पूर्व संध्या पर बुधवार को भव्य सांस्कृतिक संध्या और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। संत सुंदरदास जन्म भूमि विकास संस्थान एवं पैनोरमा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति, साहित्य और देशभक्ति का त्रिवेणी संगम देखने को मिला। समारोह के संयोजक मनोहर लाल गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस आर.सी. मीणा रहे। अध्यक्षता दौसा उप जिला कलेक्टर एवं पैनोरमा समिति की अध्यक्ष संजू मीणा ने की। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी रेला, नगर परिषद सभापति कल्पना जैमन, सिकंदरा प्रधान सुल्तान बैरवा और जिला परिवहन अधिकारी संदीप भारद्वाज सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।काव्य रस से सराबोर हुए श्रोता

कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया सपना सोनी संत सुंदरदास के जीवन पर आधारित गीतों से भाव-विभोर किया। कृष्ण कुमार सैनी ने देशभक्ति की ओजस्वी प्रस्तुति दी। इस दौरान कवि केसरा महुआ, बुद्धि प्रकाश महावर, तेजप्रकाश तेजस्वी, महावीर तंवर, धर्मेंद्र कुमार सैनी, दिनेश तूफानी और नरेंद्र भंडारी ने भी अपनी कविताओं से समां बांधा।

सांस्कृतिक संध्या और सम्मान समारोह : कार्यक्रम में कला सुर संगम और गाता रहे मेरा दिल के कलाकारों (राहुल जायसवाल, अक्षय तिवारी, महेश बालाहेडी, सुशील कुमार शर्मा आदि) ने संत सुंदरदास जी के भजनों और देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर संस्थान की ओर से अतिथियों और कलाकारों को संत सुंदरदास अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। आयोजन समिति और गणमान्य जन : समारोह के सफल आयोजन में संस्थान के महामंत्री घनश्याम रावत, रतनलाल डंगायच, हजारी लाल गुप्ता, गजानंद गर्ग (वैश्य महासम्मेलन), डॉ. ओ.पी. बंसल (लायंस क्लब), और स्मारक समिति के अध्यक्ष मुरारीलाल धौंकरिया सहित खंडेलवाल वैश्य सेवा समिति के पदाधिकारियों का सक्रिय सहयोग रहा। अंत में सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया।

औद्योगिक क्षेत्र का दौरा

कोटपूतली । प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कोटपूतली-बहरोड जिले के रीको नीमराना औद्योगिक क्षेत्र का दौरा कर औद्योगिक ईकाईयों की कार्यव्यवस्था को देखा। इस दौरान उन्होंने उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिये अनुकूल वातावरण सुदृढ करने के निर्देश दिये, जिनके लिये राज्य सरकार द्वारा विभिन्न नीतियों के माध्यम से प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि उद्योग और निवेश आर्थिक समृद्धि के प्रमुख आधार हैं तथा उद्यमी राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डाइकिन एयर-कंडीशनिंग इंडिया प्रा. लि. का निरीक्षण : मुख्य सचिव ने जापनीज जोन की डाइकिन एयर-कंडीशनिंग इंडिया प्रा. लि. का निरीक्षण कर वहां की आधुनिक तकनीक का अवलोकन किया।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2000
चूंकि प्रार्थी श्री SHEKHAR VIJAYVERGIYA, C/O GOPAL LAL VIJAYVERGIYA 49-49A, LAXMI NAGAR, TONK ROAD, NEAR SITA BADI, SANGANER, JAIPUR, RAJASTHAN-302011 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास शेखर विजयवर्गीय फाउंडेशन, 49-49A, LAXMI NAGAR, TONK ROAD, NEAR SITA BADI, SANGANER, JAIPUR, RAJASTHAN-302011 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन- पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 03/06/2026
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर- प्रथम

सम्मन बनाम लापता मुदायला बिनावर कायमी तनकीहात
(आदेश 05 का नियम 20 जा.दी.)
माननीय न्यायाधीश महोदय, न्यायालय वाणिज्यिक न्यायालय, अलवर, राजस्थान
दीवानी वाद संख्या 63../2025
बनाम
1-ब्रषभान शर्मा पुत्र श्री जगन प्रसाद शर्मा वादी
1-सूर्य बैटरी हाउस जरिये तारा भारद्वाज व अन्य प्रतिवादीगण
दावा बाबत दिलाये जाने असल बकाया राशि 93,19,000/- रूपये एवं उस पर ब्याज राशि 22,00,000/- रूपये इस प्रकार कुल राशि 1,15,19,000/-रूपये एव ब्याज वसूली तक व अन्य अनुतोष ।
बनाम- 1. सूर्य बैटरी हाउस जरिये तारा भारद्वाज पत्नी श्री सूर्य कान्त भारद्वाज निवासी मकान नम्बर 83, लाजपत नगर, अलवर राजस्थान, 2. तारा भारद्वाज पत्नी श्री सूर्य कान्त भारद्वाज, उम्र करीब 70 साल, निवासी मकान नम्बर 83, लाजपत नगर, अलवर राजस्थान, 3. अरविन्द लवानिया पुत्र श्री सत्यभान सिंह, उम्र करीब 49 साल, निवासी ए-86, हसन खॉ मेवात नगर, थाना शिवाजी पार्क, अलवर, राजस्थान, 4.स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया एस एम ई आर्य नगर, अलवर राजस्थान जरिये शाखा प्रबंधक, 5. मुख्य प्रबंधक (अग्रिम) क्षेत्रीय कार्यालय एन ई बी अलवर राजस्थान
जो कि वादी ने आपके खिलाफ एक दीवानी वाद बाबत दिलाये जाने का राशि 93,19,000/- रूपये एवं उस पर ब्याज राशि 22,00,000/-रूपये इस प्रकार कुल राशि 1,15,19,000/- रूपये एव ब्याज वसूली तक व अन्य अनुतोष का प्रस्तुत किया है एवं वादी द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र व प्रार्थना पत्र से यह जाहिर हुआ है कि आप उक्त वाद की जानबूझकर तामील नहीं करते है और टाल बाल करते है, लिहाजा यह लापता सम्मन आपके नाम जारी किया जाकर इस तहरीर से दावे जवाबदेही के लिए तारीख 28/3/26 माह सन् 2026 को 10:00 बजे दिन के अदालत में असालतन या मारफत ऐसे वकील के जो मुकदमें से वाखिफ हो व कूछ अमूर पुताल्लिक का जवाव दे सके जिसके हाथ ऐसा शख्स हो जो ऐसे सवालात का जवाब दे सके हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है। और आपको हिदायत दी जाती है कि जुनला दस्तावेजात जो आप अपनी जवाबदेही की ताईद में इस्तदलाल करना चाहते हो, पेश करो।
आगाह रहो कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर हुए तो दावा आपकी गैर हाजारी में सुना फैसला किया जावेगा।
बसख्त मेरे दस्तख्त व मोहर अदालत से आज तारीख 12 माह 03 सन् 26 को जारी किया गया।
मोहर
आज्ञा से-प्रस्तुतकार ग्रेड-I
वाणिज्यिक न्यायालय, अलवर (राज.)

बेटियों की शादी करवाना सबसे बड़ा पुण्य : रामसहाय वर्मा

निवाई। इंद्रा कॉलोनी में स्थित श्याम मंदिर प्रांगण में श्री श्याम धर्मार्थ सेवा संस्थान के तत्वावधान में अष्टम निःशुल्क सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें 10 जोडे हमसफर बने। सम्मेलन को लेकर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर विवाह स्थल पर हल्दी रस्म एव महिला संगीत का आयोजन किया गया। रामनवमी पर आयोजित सम्मेलन में सुबह 10 बजे से झिलाय रोड स्थित चिंताहरण गणेश मंदिर से विवाह स्थल तक निकासी निकाली गई। इस दौरान दूल्हों ने तोरण की रस्म की।

विवाह स्थल पर आठ हिंदू जोडों का विवाह एवं दो मुस्लिम जोडों का निकाह सम्पन्न हुआ। हिंदू जोडों का विवाह आचार्य पंडित मोहनलाल शास्त्री खण्देवत ने करवाया एवं निकाह हाफिज मोहम्मद सलीम नदीम ने पढवाया। विवाह सम्मेलन में सभी दस जोडों को उपहार स्वरूप कूलर, बेड, सोफे व पंखा सहित सभी

समिति पदाधिकारियों ने सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

घरेलू सामान दिए गए। विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि विवाह सम्मेलनों के आयोजन से धन व समय की बचत होती है। उन्होंने कहा कि बेटियों की शादी करवाना सबसे बडा पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों की पहल करने वाले कार्यकर्ता धन्यवाद के पात्र है जिन्होंने अपना कीमती समय निकालकर समाज के लोगों को एक जाजम पर बैठाने का कार्य किया है।

संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि विवाह सम्मेलन के आयोजन से समाज में एकता का संदेश जाता है। उन्होंने बताया कि बाबा श्याम के आशीर्वाद से सम्मेलन निरंतर होते रहेंगे। सम्मेलन में सर्व समाज की बेटियों का निःशुल्क विवाह करवाया जाता है।

संस्था समय समय पर कई सामाजिक एव धार्मिक आयोजन करती रहती है। समारोह में विधायक रामसहाय वर्मा, पूर्व विधायक कमल बैरवा, पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा, तहसीलदार नरेश गुर्जर, पार्षद मास्टर मदन वर्मा, ओमप्रकाश गुप्ता, परसराम कुमावत, नितिन छाबडा, रवि अग्रवाल, विनोद शर्मा, गिर्राज पारीक, राजू मालावत, घासी अठावाल, अविनाश पारीक, आनंद पारीक, जयनारायण कुमावत, वंश प्रदीप पारीक व विनोद कुमावत सहित कई पार्षद जनप्रतिनिधि एवं संस्थान के सदस्यों ने वर वधुओं को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की।

- सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में 10 जोड़े बने हमसफर
- आठ हिंदू जोडों का विवाह एवं दो मुस्लिम जोडों का हुआ निकाह

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
आम सूचना
क्रमांक:F-JDA/Zone 11/2026/D-301
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 268874 दिनांक 26/11/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) I Original Lease Deed (Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Shailendra Mishra S/o Dr.S.D. Mishra	श्री दीपक गुप्ता पुत्र श्री दर्शनलाल गुप्ता	A44	413.30 SQ. METER	Private	JAIPUR GREENS	Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) I Original Lease Deed (Patta)	पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर एक से अधिकर बार विक्रय किये जाने पर

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) I Original Lease Deed (Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नही करने की दशा मे उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन-9, जविप्रा, जयपुर

कार्यालय आवासीय अभियंता राजस्थान आवासन मण्डल
2A-1 एस.टी.सी. योजना भरतपुर
(E-mail ID - rebharatpur.rhb@rajasthan.gov.in)(Ph. No.-05644-223672)
क्रमांक : 786
दिनांक : 19.03.2026
आवश्यक सूचना
हर आम एवं खास को इस आवास संख्या 1/25 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बाडी रोड आवासीय योजना धौलपुर की सामान्य पंजीकरण योजना 1982 में हित रखने वाले व्यक्ति विशेष को यह सूचित किया जाता है कि मूल आवंटी श्री रामनिवास अग्रवाल पुत्र श्री प्रभुलाल अग्रवाल ने राशि 500/- रूपये जमा करवाकर आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग (EWS) के आवास हेतु पंजीकरण करवाया गया था। जिन्हें आवंटन पत्र क्र. 2597 दिनांक 08.01.1988 को आवास संख्या 1/25 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बाडी रोड आवासीय योजना धौलपुर में आवंटित हुआ। उक्त आवास का कब्जा दिनांक 23.02.1988 को प्राप्त कर लिया गया। श्री रामनिवास अग्रवाल पुत्र श्री प्रभुलाल अग्रवाल, जाति वैश्य निवासी सरानीखेड़ा, तह० व जिला धौलपुर द्वारा उक्त आवास संख्या 1/25 को जरिये इकरारनामा, मुख्त्यारआम एवं हलफनामा के दिनांक 09.07.1993 को नोटरी पब्लिक, धौलपुर से तस्दीक कराकर श्रीमती अलका मंगल पत्नी श्री प्रेमचंद मंगल, जाति वैश्य, निवासी बजरिया, धौलपुर को विक्रय कर दिया गया।
उक्त आवास संख्या 1/25 का पुन: बेचान जरिये इकरारनामा, मुख्त्यारआम एवं हलफनामा के दिनांक 15.05.1997 को नोटरी पब्लिक, धौलपुर से तस्दीक कराकर श्री कमल सिंह पुत्र श्री अतर सिंह, जाति जाट, निवासी धौलपुर को कर दिया गया। तत्पश्चात श्री कमल सिंह पुत्र श्री अतर सिंह द्वारा उक्त आवास का पुन: बेचान जरिये इकरारनामा, मुख्त्यारआम एवं हलफनामा के दिनांक 21.06.2011 को नोटरी पब्लिक, धौलपुर से तस्दीक कराकर श्री मोतीलाल वर्मा पुत्र श्री किशन लाल, जाति जाटव, निवासी धौलपुर को कर दिया गया।
श्री प्रज्ञादीप वर्मा पुत्र स्व० श्री मोतीलाल वर्मा ने प्रार्थना पत्र आवश्यक प्रपत्र एवं स्व० मोतीलाल वर्मा की मृत्यु का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि उनके पिता का स्वर्गवास दिनांक 30.05.2019 को हो जाने के कारण उपरोक्त आवंटित आवास संख्या 1/25 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बाडी रोड आवासीय योजना धौलपुर का हस्तांतरण उनके नाम किया जाये।
अत: जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 1/25 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बाडी रोड आवासीय योजना धौलपुर के संबंध में पिता, पुत्र, पुत्रियाँ, भाई व अन्य किसी रिश्तेदार को किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भरतपुर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा, उक्त आवास का मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण श्री प्रज्ञादीप वर्मा पुत्र स्व० श्री मोतीलाल वर्मा, आवासीय योजना बाडी रोड हाउसिंग बोर्ड धौलपुर के पक्ष में करने की कार्यवाही कर दी जावेगी।
आवासीय अभियन्ता
राजस्थान आवासन मण्डल
खण्ड-भरतपुर

संक्षिप्त

श्रीराम जन्मोत्सव का आगाज आज

सिरस। श्री केशवराय मंदिर में मंदिर विकास समिति के तत्वावधान में तीन दिवसीय श्रीराम जन्मोत्सव का आयोजन किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष देवराजसिंह राजावत ने बताया की श्रीराम जन्मोत्सव को लेकर 27 मार्च को केशवराय मंदिर में दोपहर 12 बजे भगवान का सामूहिक अभिषेक, ध्वजारोहण व आरती का आयोजन किया जाएगा। शाम को भजन संकीर्तन के साथ मंदिर से भगवान की शोभायात्रा निकाली जाएगी। शौभायात्रा में हर घर के सामने आरती की जाएगी। शोभायात्रा रात को शिवालय पहुंचेगी। 28 मार्च को दोपहर शिवालय में भजन संकीर्तन का आयोजन होगा। भगवान केशवराय जी की शोभायात्रा रात 8 बजे भजन कीर्तन के साथ शिवालय से वापस रवाना होगी। जिसकी व घर घर के सामने आरती की जाएगी। शोभायात्रा 29 मार्च को दोपहर 12 बजे केशवराय मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया जाएगा। इसी प्रकार 29 मार्च की रात मंदिर परिसर में वार्षिक भजन संध्या का आयोजन होगा।

रामनवमी का पर्व श्रद्धा से मनाया

फुलेरा। कस्बे में गुरुवार को धर्मप्रेमियों द्वारा दुर्गा अष्टमी एवं रामनवमी का पर्व श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। नवरात्रि व्रत रखने वाले महिला एवं पुरुषों ने अपने-अपने घरों में माता रानी की ज्योत प्रज्वलित कर विधिवत पूजा-अर्चना और आरती की। साथ ही कन्या पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इसी क्रम में कस्बे के मंदिरों में भी विशेष पूजा-अर्चना और आरती का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं मांगी और परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा

शोभा यात्रा धूमधाम से निकली

सांभरझील। सर्व हिंदू समाज व विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त तत्वाधान में बड़ा बाजार स्थित भगवान गोवर्धन नाथ मंदिर के महंत के सानिध्य में दोपहर के पश्चात प्रभु श्री राम की शोभा यात्रा निकली। शोभा यात्रा मैं भारी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही। एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम जय श्री राम के उद्घोष के साथ सांभर नगरी गूंजायमान हुई। शोभा यात्रा में अनेक जीवंत झांकियों का स्वरूप प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा। प्रमुख बाजारों से शोभा यात्रा निकली तो लोगों ने पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। जगह-जगह लोगों ने मिल्क रोज व शीतल जल श्रद्धालुओं को पिलाया। शोभा यात्रा में विश्व हिंदू परिषद के सभी पदाधिकारियों व सर्व हिंदू समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रामनवमी पर शोभायात्रा व भगवा रैली पर पावटा में गूंजा रामलला का जयकारा

- बड़ी संख्या मे उमडा रामभक्तों का जन सैलाब
- पावटा में जगह जगह श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत

पावटा। पावटा में गुरुवार को रामनवमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। रामनवमी पर सीताराम मंदिर पावटा द्वारा ठाामीणों के सहयोग से श्रीराम जन्मोत्सव पर पूरे लवाजमे के साथ भव्य शोभायात्रा व भगवा रैली निकाली गई। इस अवसर पर युवाओं, समेत बच्चों और महिलाओं में भी गजब का जोश दिखा। रामनवमी भव्य शोभायात्रा मे तरह तरह की झाकियो के साथ बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग, युवा कार्यक्रम के साक्षी बने। सीताराम मंदिर पावटा के नेतृत्व में पावटा स्थित सीताराम मंदिर से गोपाल भैया महंत मोहनदास महाराज द्वारा भगवान राम की विधिवत पूजा अर्चना के साथ शोभायात्रा का शुभारम्भ किया गया। भगवान राम के जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा व भगवा रैली मे आस्था का जनसैलाब उमड़ा।मर्यादापुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के प्रति अगाध विश्वास है। यही वजह है कि रामनवमी के दिन पूरा शहर राममय हुआ। हवा में लहराते भगवा ध्वज पर पुष्प वर्षा

पावटा में रामनवमी पर्व पर भव्य शोभायात्रा निकाली।

कर श्रीराम नाम के उद्घोष से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। वही भगवान श्रीराम की शोभायात्रा व भगवा रैली में पावटा मे आकर्षक झाकिया, पुष्प वर्षा, शौर्य प्रदर्शन, आदर्श रामलीला मैदान में प्रभु श्री राम की महाआरती विशेष आकर्षण रहे। वही इस दौरान मोहनदास महाराज ने कहा कि भगवान श्रीराम जन-जन और कण कण में व्याप्त है। उनका जन्मोत्सव जनमानस का लोकोत्सव हैं। वही बालजी मेगा मार्ट, नीरज,गुप्ता, धर्मेंद्र गोयल सहित सर्व समाज द्वारा जगह जगह शोभायात्रा का स्वागत कर रामभक्तो के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। वही इस दौरान शोभायात्रा व भगवा रैली में सुरक्षा दृष्टि को लेकर दुर्गा वाहिनी व प्रागपुरा कार्यवाहक थाना प्रभारी सुबेसिंह सहित पुलिसकर्मी, महिलापुलिसका जाप्ता नगर की सड़कों पर रहे। वही इस दौरान शोभायात्रा व भगवा रैली में विधायक कुलदीप धनकड, गोपाल अठावाल, पूर्व विधायक सुभाष शर्मा, ब्राह्मण महासभा पावटा नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, सुनील बोहरा, नीरज सैन, मनोज मित्तल, आदित्य वशिष्ठ, पवन गुप्ता व जनप्रतिनिधि व हज़ारों की संख्या में ठाामीण मौजूद रहे।

सार-समाचार

मंत्री बेढ़म ने सिर पर धारण की भगवान की पालकी

डीग भरतपुर (निस)। बृज नगर में रामनवमी के पावन पर्व पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की भव्य शोभा यात्रा अत्यंत गरिमामय और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर राजस्थान सरकार के गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग के राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शोभा यात्रा में शिरकत कर अपनी गहरी आध्यात्मिक निष्ठा प्रकट की। अंचल की गौरवशाली परंपरा और प्रभु श्री राम के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा का परिचय देते हुए गृह राज्य मंत्री ने स्वयं सर पर भगवान श्री राम की भव्य पालकी धारण कर शोभा यात्रा का नेतृत्व किया। श्रद्धा और उल्लास के इस संगम में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने भगवान श्री राम के आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। शोभा यात्रा के दौरान संपूर्ण बृज नगर का परिवेश आध्यात्मिक रंग में रंगा हुआ दृष्टिगोचर हुआ। यात्रा मार्ग में स्थानीय निवासियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर भगवान के सुसज्जित रथ और पालकी का आत्मीय अभिनंदन किया गया। जन-जन के हृदय में व्याप्त अगाध श्रद्धा के चलते संपूर्ण क्षेत्र जयघोष से आप्लावित रहा और हर ओर भक्ति का अनूठा उल्लास दिखाई दिया। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और सौहार्दपूर्ण वातावरण ने इस धार्मिक आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

लक्षिता ने 98 फीसदी अंक पाये

दौसा। शहर के सुंदरदास मार्ग निवासी लक्षिता खंडेलवाल ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले के टॉपर विद्यार्थियों में स्थान बनाया है। छात्रा के पिता मुकेश कुमार बस्सी वाले और माता रजनी गुप्ता ने बताया कि शेखावटी पब्लिक स्कूल की छात्रा लक्षिता ने विज्ञान और संस्कृत में 100-100 अंक प्राप्त किए हैं। इसके अलावा हिंदी और अंठोजी में 98, गणित में 97 तथा सामाजिक विज्ञान में 95 अंक अर्जित किए। लक्षिता ने बताया कि उसने प्रतिदिन 5 से 6 घंटे नियमित अध्ययन कर यह सफलता हासिल की है। उसका सपना आईएएस अधिकारी बनकर देश सेवा करना है। छात्रा की इस उपलब्धि पर स्कूल प्रिंसिपल काजल शर्मा, श्वेता गुप्ता सहित खंडेलवाल समाज के पदाधिकारियों ने खुशी जताते हुए उसका सम्मान किया।

प्रधानाध्यापक वॉकपीठ संगोष्ठी आज

निवाई। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं पदेन बीआरसीएफ समग्र शिक्षा निवाई के तत्वावधान में ब्लॉक के समस्त राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संस्था प्रधानों के लिए दो दिवसीय सत्रांत प्रधानाध्यापक वाकपीठ संगोष्ठी का 27 व 28 मार्च को हनुमान नगर स्थित राधारानी मैरिज गार्डन में आयोजन किया जाएगा। जिसमें सभी संस्था प्रधानों की भागीदारी अनिवार्य की गई है। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू मीणा ने बताया कि कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु समस्त पीईईओ व यूसीईईओ को उनके अधीनस्थ संस्था प्रधानों को कार्यमुक्त करने के निर्देश जारी किए हैं। संगोष्ठी के प्रथम दिन पंजीकरण व प्रशासनिक सत्रों की शुरुआत होगी। दूसरे दिन विभागीय योजनाओं के प्रभावी संचालन, शाला दर्पण, मिड-डे-मील, आत्मरक्षा प्रशिक्षण की तकनीकी जानकारियां, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापकों का सम्मान व शिक्षक संघों की वार्ताएं आयोजित होंगी। संगोष्ठी की व्यवस्थाओं के लिए वाकपीठ अध्यक्ष मुकेश मीणा व सचिव रामकिशोर माली को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अवैध वाहनों का जमावाड़ा

बहरोड/ नीमराणा । बहरोड़ कस्बे के मुख्य चौराहे एन एच 48 पर यातायात पुलिस चौकी के पास अवैध वाहनों का जमावड़ा लगा रहने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी तरफ मनसा माता के साथ दिवसीय मेले के चलते यात्रियों की अधिक आवाजाही से यह व्यवस्था और दूभर हो गई है। यात्रियों का कहना है कि पुलिस चौकी पर अधिकांशतया कर्मचारी भी नदारद पाए जाने से कस्बे की यातायात व्यवस्था अव्यवस्थित हो गई है।

तीन आरोपी पकड़े

टोंक। सआदत हॉस्पिटल में हो रही चोरियों का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है एक नाबालिग को पकड़कर बाल सुधार गृह भेजा गया। आरोपियों ने ऑक्सीजन सप्लाई पाइप, एसी पार्ट्स और कॉपर वायर चोरी किए थे, जिससे हॉस्पिटल की इमरजेंसी सेवाएं प्रभावित हो रही थीं। यह कार्यवाही जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर कार्यवाही कर आरोपियों से बड़ी मात्रा में सामान जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों से 24 किलो वजन के एसी पार्ट्स (9 नग), ऑक्सीजन सप्लाई के 65 कॉपर पाइप और 32 किलो जले हुए कॉपर वायर सहित अन्य सामान जब्त किया है।

पेंशनरों ने काला दिवस मनाया

- केंद्र सरकार के खिलाफ जताया विरोध
- प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपा
- पेंशनर्स ने पैदल मार्च निकाला

फुलेरा । राजस्थान पेंशनर समाज उपशाखा फुलेरा की ओर से बुधवार को काला दिवस के रूप में मनाया गया। पेंशनरों ने केंद्र सरकार पर उनके हितों के साथ कुठाराघात करने का आरोप लगाया। उपशाखा अध्यक्ष शक्ति सिंह ने बताया कि गतवर्ष 25 मार्च को केंद्र सरकार ने सीसीएस (पेंशन) नियम संशोधन विधेयक 2025 पारित कर पेंशन में संशोधन का अधिकार अपने पास ले लिया है। इसके साथ ही आठवें वेतन आयोग के लाभ से पेंशनरों को वंचित करने का भी आरोप लगाया गया। पेंशनरों का कहना है कि निधि के आधार पर वर्गीकरण कर सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन किया है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के 17 दिसंबर 1982 के ऐतिहासिक निर्णय का भी हवाला दिया गया।

पेंशनर समाज फुलेरा ने इस विधेयक को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि 1 जनवरी 2016 से पहले और बाद के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बीच समानता बनाए रखी जानी चाहिए। इस दौरान समाज के सदस्यों ने गणगौरी बाजार स्थित श्रीरामद्वारा से रैली निकालकर हाथों पर काली पट्टी बांधकर अंबेडकर सर्किल तक पैदल मार्च किया और विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन उपखंड अधिकारी सांभर ऋषिराज कपिल को सौंपा गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पेंशनरों की उपस्थिति रही और सभी ने शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया।

नीमराणा थाना का निरीक्षण

कोटपूतली । प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा गुरुवार को नीमराना थाना का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने थाना के मालखाना का अवलोकन करते हुये वहां रखे अभिलेखों एवं सामग्री के रखरखाव की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने कंप्यूटर कक्ष, रिकॉर्ड रूम सहित विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर साफ-सफाई, रिकॉर्ड प्रबंधन एवं कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया।

सांभरझील में नेशनल बर्ड सैंचुरी घोषित करने की मांग

सांभरझील । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सांभर झील में नेशनल बर्ड सेंचुरी घोषित करने की प्रबल इच्छा को लेकर भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन कुमार मोदी ने गोपाल गौशाला के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार डांगरा के सानिध्य में ज्ञापन पेश किया। यहां हर वर्ष लाखों की तादाद में अनेक प्रजातियों के परिंदों का शीतकालीन प्रवास होता है। करीब 300 से अधिक प्रजाति के पक्षी रिकार्ड किए जा चुके हैं, इसलिए यहां एक नेशनल बर्ड सेंचूरी की घोषणा करने से इसके सकारात्मक प्रभाव और अधिक नजर आएंगे। विदेशी सैलानियों सहित प्रदेश से आने वाले पर्यटकों का ध्यान आकर्षित होगा। अंतर्राष्ट्रीय नम भूमि यानी वेटलैंड क्षेत्र होने की वजह से इसका विश्व स्तर पर काफी पहचान है। सांभर में इसके लिए पक्षियों के संरक्षण की दिशा में वन व पर्यटन विभाग के उप कार्यालय खोले जाने की भी नितांत आवश्यकता है ताकि विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में झील पर सीधी नजर बनी रह सके। आने वाले पर्यटकों को विभिन्न पक्षियों की पहचान हो इसके लिए विभाग की ओर से परफेक्ट टीम भी तैनात की जाए जो उनको गाइड कर सके। इस प्रकार की सरकार के स्तर पर व्यवस्था सुनिश्चित होने पर झील परिक्षेत्र का संरक्षण भी होगा और सरकारी खजाने में भारी राजस्व की आमद भी होगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री से सांभर में पर्यटन को दृष्टिगत रखते हुए टेन्ट सिटी की कार्य को गति देने, अन्य भूरूपान्तरण की स्पष्ट, सरल एवं व्यवहारिक नीति तैयार करने जिससे क्षेत्र में निवेशको का रुझान बढे एवं पर्यटन अन्य ईकाईयां विकसित होने से विकास के अनेक रास्ते खुलेंगे।

महंगाई का विरोध

दौसा। केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण लगातार बढ़ती महंगाई एवं रसोई गैस सिलेंडर की भारी किल्लत के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अब खुलकर मैदान में उतर आई है। इसी क्रम में विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया जावेगा। जिला कांठोस कमेटी दौसा के जिलाध्यक्ष रामजीलाल ओढ ने बताया कि राजस्थान प्रदेश कांठोस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन 27 मार्च को प्रात:10 बजे जयपुर के शहीद स्मारक, पुलिस कमिश्नर कार्यालय के पास, एमआई रोड पर आयोजित होगा। उन्होंने जिले के सभी संगठनों के अध्यक्षों एवं उनकी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में जयपुर पहुंचकर इस जनआंदोलन को सफल बनाएं। साथ ही सभी ब्लॉक अध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने का आव्हान किया।

रंगोली सजाकर भगवान श्रीराम की आरती उतारी

निवाई। श्री सनातन धर्म सत्संग मंडल के तत्वावधान में रामनवमी के पावन पर्व पर गाजे बाजे के साथ भगवान श्रीराम जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बड़ा बाजार स्थित चारभुजा मंदिर से विधिवत पूजा अर्चना करके शोभायात्रा को रवाना किया गया। शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शोभायात्रा में ट्रैक्टर ट्रॉली में भगवान श्रीराम की मनोरम झांकी सजाई गई, श्रीराम सुन्दर काण्ड मण्डल द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ, विश्वनाथ मण्डल एवं महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन, सनातन धर्म सत्संग मण्डल द्वारा रामधुनि की गई। भव्य शोभायात्रा का जुलूस श्री चारभुजा नाथ मंदिर से रवाना होकर बडा बाजार, सब्जी मंडी, चोहट्टी बाजार, गणगौरी बाजार, कंकाली माता मंदिर व पुलिस थाने के सामने से होते हुए मंदिर प्रांगण पहुंचा। जहां कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। शोभायात्रा को लेकर जगह-जगह स्वागत द्वार, तोरणद्वार व रंगोली सजाकर भगवान श्रीराम की आरती उतारी गई। शोभायात्रा का मार्ग में रामभक्तों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इससे पूर्व सत्संग भवन में श्रीराम जन्मोत्सव मनाया गया। इसी प्रकार रविवार की सुबह 5 बजे गाजे बाजे के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। जिसमें कई संतों व श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान जगह-जगह शहरवासियों ने प्रभात फेरी पर ईत्र व पुष्प वर्षा की गई। इस अवसर पर नाथूलाल शर्मा, देवानंद नेभाणी एवं राहुल अग्रवाल सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

प्रागपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति को मिला राज्य स्तरीय उत्कृष्ट अवार्ड

पावटा । राजस्थान विधानसभा के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित भव्य कार्यक्रम में आज प्रागपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति, प्रागपुरा को राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 का राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ एवं उत्कृष्ट अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति को नगद पुरस्कार से भी नवाजा गया। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि एनसीडीसी के निदेशक सुनील छापोला ने अध्यक्षता की। यह सम्मान प्रागपुरा समिति के चेयरमेन उपेन्द्र सिंह शेखावत, मुख्य कार्यकारी कैलाश चंद स्वामी, सहायक व्यवस्थापक आनंद सिंह शेखावत, नरेश कुमार सैनी, सहायक कर्मचारी रामकरण सैनी तथा ड्रोनकर्मी प्रेम प्रकाश सैनी ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। इस मौके पर चेयरमेन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने सहकारिता मंत्री, विधायक कुलदीप धनकड, जयपुर सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के प्रबंध निदेशक दिनेश शर्मा, एनसीडीसी निदेशक सुनील छापोला एवं विभाग के समस्त अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर डायरेक्टर राजेन्द्र पारीक, उपाध्यक्ष नरशी यादव, रोहिताश सैनी, गोकुल सैनी, गोपाल सैनी, सरदारमल सैनी, वाइस चेयरमेन अशोक सैनी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने समिति के चेयरमेन, व्यवस्थापक एवं समस्त स्टाफ को बधाई दी।

2100 दीपों से हुई महाआरती

निवाई। प्राचीन कंकाली माता मंदिर में महाष्टमी पर्व पर 2100 दीपों के साथ महाआरती का आयोजन किया गया। श्री शक्तिपीठ मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष शंकर सोनी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंदिर परिसर में नवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा हैं। महाष्टमी पर्व पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए गए। इस दौरान विशेष फूलों से श्रृंगार, 501 कन्याओं को भोजन सहित सायंकाल 2100 दीपों से महाआरती का आयोजन किया गया। जिसको लेकर श्रद्धालुओं ने अम्बे तू है जगदम्बे काली, चलो बुलावा आया है ।

'पवित्रता, सौंदर्य एवं ज्ञान की प्रतीक है जगत जननी महागौरी'

दौसा। धर्माचार्य डॉ.परमेश्वर गंगावत ने जगत जननी महागौरी की महिमा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवती जगत जननी सौंदर्य ज्ञान और पवित्रता की प्रतीक है।

धर्माचार्य डॉ.परमेश्वर गंगावत अष्टमी गुरुवार को श्रीमद् देवीभागवत कथा ज्ञानयज्ञ में व्यासपीठ से प्रवचन देते हुए बोल रहे थे। उन्होने कहा कि पौराणिक कथा के अनुसार भगवती दुर्गा ने भगवान शिव को अपने पति रूप में पाने के लिए जंगल में घोर तपस्या की जिससे भगवती राजरानी का शरीर तपस्या से काला पड गया। तपस्या से प्रसन्न हो कर भगवान शिव ने भगवती को गंगा जल से स्नान करवाया इस कारण उनका वर्ण श्वेत हो गया इसलिए अष्टमी को पूजी जाने वाली मां जगत जननी का नाम महागौरी पड़ा। कथा व्यास पूज्य गुरुदेव ने कहा कि एकाठा भाव से मन को पवित्र करके मां की स्तुति करने से सभी संकटों का नाश होता है, पापों से मुक्ति मिलती है और विवाह में आ रही बाधाएं दूर होती है। बड़ी ही कल्याणकारी है जगत जननी महागौरी। आज कथा में रुद्राक्ष महात्म्य, भस्म महात्म्य, गायत्री महिमा, मणिद्वीप धाम वर्णन, श्रीमद्देवीभागवत महिमा जैसे प्रसंगो के बारे आचार्य ने बताया । इस अवसर पर किन्नर समाज से पधारी सपना दीदी, लीला दीदी व राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित संगीताचार्य घनश्याम सैनी सहित विभिन्न जिलों से पधारे गणमान्य श्रोता की भारी भीड़ के साथ मुख्य यजमान राजेश सोनी, गोपाल सोनी परिवार सहित उपस्थित रहे।

गुरमति समागम रविवार को

नरैना(निसं)। श्रीचरण कमल साहिब गुरुद्वारा में रविवार को गुरमति समागम का आयोजन किया जाएगा। जथेदार बाबा बलविन्द्र सिंह ने बताया कि गुरमति समागम का आयोजन शुक्रवार से तीन दिवसीय श्री अखण्ड पाठ साहिब से शुरू होगा। रविवार को आयोजित गुरमति समागम में जयपुर अजमेर, ब्यावर, किशनगढ़,दूदू, अलवर सहित अन्य जगहों से संगत गुरूद्वारा श्री चरण कमल साहिब नरैना पहुंचेगी। आयोजन के दौरान प्रमुख रागी-जत्थे गुरुवाणी का बखान कर उपस्थित संगत को निहाल करेंगे।

विभिन्न संगठनों ने शोभायात्रा निकाली

टोंक । मुख्यालय पर रामनवमी पर्व पर संगठनों द्वारा शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें श्री राम दरबार, अयोध्या के राम मंदिर सहित अन्य झांकियां सजाई गई, जिन्हे देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई, साथ ही पुष्पवर्षा के साथ स्वागत भी किया गया।

संगठन मंत्री रोहिताश कुमावत ने बताया कि गुरूवार को पगड़ी व भगवा ध्वज पताका लेकर महिला-पुरुष व युवा शोभायात्रा के रूप में रवाना हुए। रामनवमी पर शोभायात्रा में विद्या भारती समिति की राम दरबार की सजीव झांकी, अयोध्या के श्रीराम मंदिर की झांकी गौ सेवकों द्वारा गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने, गौ की हत्या की पाबंदी की मांग के लिखे स्लोगन वाली तख्तियों को हाथों में लेकर लोग चले। शोभायात्रा गांधी खेल मैदान से शुरू शोभायात्रा बड़ा कुआं, नौशे मियां का पुल, काफला बाजार, पांच बत्ती चौराहा, सुभाष बाजार, घंटाघर चौराहा, रामलीला मैदान गांधी पार्क पहुंची, जहा हनुमान चालीसा का पाठ करने के साथ कार्यक्रम का विसर्जन हुआ।

९० वर्ष पूरे होने पर रेलवे के वरिष्ठ पेंशनर सेवानिवृत्त मेल ट्रेन मैनेजर बलवीर सिंह सम्मानित

फुलेरा। रेलवे पेंशनर्स सोसायटी शाखा फुलेरा की ओर पेंशनर कार्यालय में रेलवे के वरिष्ठ पेंशनर सेवानिवृत्त मेल ट्रेन मैनेजर बलवीर सिंह के ९० वर्ष पूर्ण होने पर सम्मान समारोह सैकड़ों पेंशनरों की उपस्थिति में हर्षोल्लास से मनाया गया।

- सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में सुमित्रा नाथावत ने भजन प्रस्तुत किया, वहीं आनंद मेहरोत्रा ने बांसुरी पर मनमोहक धुन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ढोलक पर यूनुस एवं हारमोनियम पर गिरधर गोपाल ने संगत कर कार्यक्रम में समा बांध दिया।

वरिष्ठ पेंशनर सेवानिवृत्त मेल ट्रेन मैनेजर बलवीर सिंह के ९० वर्ष पूर्ण होने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष रमेशचंद वर्मा ने की, विशिष्ठ अतिथि के रूप में सोसायटी सचिव लालचंद कुमावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश सहाय शर्मा, कोषाध्यक्ष सीपी त्रिपाठी एवं वरिष्ठ पेंशनर मोतीलाल नागरवाल मंचासीन रहे। सभा को संबोधित करते हुए महेश कुमार वर्मा, शेष नारायण सैनी, महेश सहाय शर्मा, रमेश चंद कुमावत, सीपी त्रिपाठी, मोतीलाल नागरवाल, रमेश चंद वर्मा एवं गिरधर गोपाल ने बलबीर सिंह के स्वस्थ, सुखमय एवं खुशहाल जीवन की कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में सुमित्रा नाथावत ने भजन प्रस्तुत किया, वहीं आनंद मेहरोत्रा ने बांसुरी पर मनमोहक धुन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ढोलक पर यूनुस एवं हारमोनियम पर गिरधर गोपाल ने संगत कर कार्यक्रम में समा बांध दिया।

इस अवसर पर मौजूद पेंशनरों ने बलबीर सिंह को माला व साफा पहनाकर शुभकामनाएं प्रेषित की।

जिलेभर में होंगे भव्य धार्मिक आयोजन

टोंक। सत्य और अहिंसा के प्रतीक तथा वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव 30 मार्च (सोमवार) को जिलेभर में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महोत्सव के तहत प्रात:काल श्री दिगंबर जैन नसिया से प्रभात फेरी निकाली जाएगी, जो घंटाघर तक पहुंचेगी। यहां हाउसिंग बोर्ड एवं पुरानी टोंक से आने वाली प्रभात फेरियों का संगम होगा। इसके पश्चात अहिंसा सर्किल पर भगवान महावीर स्वामी का अभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन किया जाएगा, साथ ही अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी संपन्न होंगे। इसी क्रम में श्री आदिनाथ दिगंबर जैन नसिया में दोपहर के समय एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समाज के लोग बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। सायंकाल 108 दीपकों से भव्य आरती का आयोजन होगा।

घुमंतू समुदाय व रोमा के बीच सांस्कृतिक सेतु

अलवर। घुमंतू और विमुक्त समुदायों के सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया ने एक अनूठी पहल करते हुए अलवर के समुदायों को यूरोप के रोमा प्रतिनिधियों से जोड़ने का काम किया है। राजधानी नई दिल्ली में आयोजित इस संवाद ने सदियों से बिछड़ी सांस्कृतिक कड़ियों को फिर से जोडने का प्रयास किया। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में आयोजित हुआ, जहां अलवर के कालबेलिया, बंजारा, नाथ, कंजर और गाड़िया लोहार जैसे घुमंतू समुदायों के प्रतिनिधियों ने यूरोप के रोमा समुदाय के सदस्यों से सीधा संवाद किया। इतिहासकारों के अनुसार, रोमा समुदाय की जड़ें भारत, विशेष रूप से राजस्थान से जुड़ी मानी जाती हैं, जो सदियों पहले प्रवास कर यूरोप के विभिन्न देशों में बस गए थे। वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया के संस्थापक शरद शर्मा के नेतृत्व में संगठन लंबे समय से इन समुदायों के साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर रहा है। वर्तमान में अलवर में संचालित 8 डीएनटी कम्युनिटी सेंटरों के प्रतिनिधियों ने इस मुलाकात में भाग लिया। इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों, युवाओं और महिलाओं को अपनी पहचान और संस्कृति को समझने और साझा करने का मंच मिल रहा है। संगठन का कार्य केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समुदायों को अपनी कहानी खुद कहने का अवसर भी देता है। ग्रासरूट्स कॉमिक्स और विमुक्त आवाज़ जैसे प्रयासों के जरिए इन समुदायों के जीवन, संघर्ष और इतिहास को दस्तावेज़ित किया जा रहा है, जो अक्सर मुख्यधारा में नजरअंदाज हो जाते हैं। इस पहल के तहत कई प्रतिभागियों ने पहली बार अलवर से बाहर निकलकर इस अनुभव में हिस्सा लिया। बंजारा समुदाय के एक प्रतिनिधि मुकेश ने इस दौरान महत्वपूर्ण सवाल उठाया कि बदलते समय में अपनी पहचान और संस्कृति को भारत और यूरोप में कैसे सुरक्षित रखा जाए। इस पर हुई चर्चा में यह स्पष्ट हुआ कि परंपराओं को संरक्षित रखना आज घुमंतू समुदायों के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। अलवर में पहले से ही घुमंतू मेलों और सामुदायिक आयोजनों के जरिए परंपराओं को जीवित रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

खेल जगत

एशियाई खेलों में पदक जीतना इस साल उनका सबसे बड़ा लक्ष्य है। पिछले एक दशक से अधिक समय से मीराबाई चानू भारतीय भारोत्तोलन का चेहरा रही हैं।

– मीराबाई चानू

भारतीय वेटलिफ्टर, एशियाई खेलों में पदक जीतने को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

डेविड वॉर्नर

पीएसएल लगातार नाकारात्मक खबरों के कारण चर्चा में है। कुछ खिलाड़ियों ने पीएसएल से करार को ठेंगा दिखाकर आईपीएल का रुख किया है। इस बीच टूर्नामेंट का आगाज होने से पहले कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। उसमें कप्तानों की बचकाना हकरतों पर डेविड वॉर्नर भड़क गए और अन्य कप्तानों को स्कूली बच्चा बता दिया। पीसी में जब डेविड वॉर्नर बोल रहे थे तभी अन्य टीमों के कप्तान आपस में ही गपशप करते दिखे और न जाने किस बात पर हंस रहे थे। कप्तानों का इस तरह का रवैया वॉर्नर को बिलकुल भी अच्छा नहीं लगा। कहा कि क्या गड़बड़ है? सॉरी जेंटलमेन, हमें यहां स्कूल बच्चे मिले हैं।

क्या आप जानते हैं ?... अंतरराष्ट्रीय टी20 में भारत का सबसे बड़ा रन चेज़ 209 रन है, जिसे टीम ने केवल 15.2 ओवर में हासिल किया।

आईपीएल 2026 के दूसरे फेज का शेड्यूल जारी, 12 स्टेडियम में 50 मुकाबले होंगे

राजस्थान रॉयल्स की टीम जयपुर में चार मैच खेलेगी

नई दिल्ली, 26 मार्च। बीसीसीआई ने आईपीएल 2026 के दूसरे चरण का शेड्यूल जारी कर दिया है। इससे पहले बोर्ड ने 12 अप्रैल तक का शेड्यूल जारी किया था, जिसमें 20 मुकाबले खेले जाने थे। अब आगे के मैचों के लिए कार्यक्रम सामने आया है, जिसमें 50 मैच शामिल हैं। दूसरे चरण की शुरुआत 13 अप्रैल से होगी, जो 12 शहरों में खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने अब तक कु 70 मैचों के शेड्यूल का ऐलान किया है। हालांकि, प्लेऑफ के मैचों का कार्यक्रम अब तक सामने नहीं आया है। दूसरे चरण में मुकाबले बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, जयपुर, धर्मशाला, रायपुर और न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे।

बता दें कि, आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने वाली है, जिसके पहले फेज के लिए बोर्ड ने शेड्यूल का ऐलान कर दिया था। अब दूसरे चरण के कार्यक्रम का ऐलान किया गया है।

हालांकि, प्लेऑफ के मुकाबलों के लिए अब तक कार्यक्रम सामने नहीं आया है। दूसरे चरण में कुल 8 डबल हेडर मुकाबले होंगे, जहां फैंस को क्रिकेट का डबल डोज मिलने वाला है।

दूसरे फेज की शुरुआत 13 अप्रैल से होगी और आखिरी मुकाबला 24 मई को खेला जाएगा। इस मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीम आमने-सामने होंगी।

तीन टीमों के दो घरेलू मैदान

आईपीएल में इस तीन टीमों के दो-दो घरेलू मैदान हैं, जहां पर वो मुकाबला खेलेंगी। इसमें पंजाब किंग्स रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स की टीम शामिल है। पंजाब अपने मुकाबले न्यू चंडीगढ़ के अलावा धर्मशाला में खेलेगी। धर्मशाला में उनक 3 मैच होने वाले हैं। राजस्थान की टीम जयपुर में चार मैच खेलेगी। बेंगलुरु की टीम चिन्नास्वामी में तीन जबकि रायपुर में 2 मुकाबले खेलेगी।

हालांकि, प्लेऑफ के मैचों के लिए अब कार्यक्रम की घोषणा नहीं की गई है। बीसीसीआई ने जारी अपनी प्रेस रिलीज में बताया है कि इसके लिए घोषणा बाद में की जाएगी। अब तक जारी दोनों चरण के शेड्यूल में कुल 70 मुकाबले खेले जाएंगे। दूसरे फेज में 8 डबर हेडर, जबकि पहले में कुल 4 डबल हेडर होने हैं।

टीम इंडिया का घरेलू सीजन का फुल शेड्यूल, ऑस्ट्रेलिया समेत दो देशों के खिलाफ 17 शहरों में 22 मुकाबला

नई दिल्ली, 26 मार्च। भारतीय क्रिकेट टीम के घरेलू सीजन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है और इस बार मुकाबलों की संख्या भी काफी ज्यादा रहने वाली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने आगामी 2026-27 घरेलू कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है, जिसमें टीम को अलग-अलग प्रारूप में कई अहम सीरीज खेलनी हैं। बता दें कि इस पूरे घरेलू सत्र में भारत की पुरुष टीम कुल 22 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी, जो देश के 17 अलग-अलग मैदानों पर आयोजित होंगे। मौजूद जानकारी के अनुसार, इन मुकाबलों में 5 टेस्ट, 9 एकदिवसीय और 8 टी20 मैच शामिल हैं। हैदराबाद, बेंगलुरु, गुवाहाटी, अहमदाबाद और रांची ऐसे केंद्र हैं जहां दो-दो मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

सीजन की शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से होगी। गौरतलब है कि यह दौरा 27 सितंबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर तक चलेगा। एकदिवसीय मुकाबले तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे, जबकि टी20 मुकाबले लखनऊ, रांची, इंदौर, हैदराबाद और बेंगलुरु में आयोजित होंगे।

इसके बाद श्रीलंका की टीम दिसंबर में भारत दौरे पर आएगी। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस सीरीज में तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। एकदिवसीय मैच दिल्ली, बेंगलुरु और अहमदाबाद में होंगे, जबकि टी20 मुकाबले राजकोट, कटक और पुणे में आयोजित किए जाएंगे। नए साल की शुरुआत जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से होगी। यह तीन मैचों की सीरीज कोलकाता, हैदराबाद और मुंबई में खेली जाएगी।

गौरतलब है कि टेस्ट प्रारूप में भारत का घरेलू सत्र सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की बड़ी सीरीज के साथ पूरा होगा। यह सीरीज 21 जनवरी से शुरू होकर मार्च की शुरुआत तक चलेगी। मौजूद जानकारी के अनुसार, इसके मुकाबले नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे।

इस पूरे कार्यक्रम को देखें तो साफ है कि भारतीय टीम के सामने एक व्यस्त और चुनौतीपूर्ण घरेलू सत्र रहने वाला है, जहां अलग-अलग प्रारूप में खिलाड़ियों की परीक्षा होगी और टीम संयोजन को लेकर भी कई अहम फैसले लिए जाएंगे।

यूनियन फुटबॉल क्लब का 139वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

जयपुर, 26 मार्च। आज चैत्र शुक्ल संवत् 2083, रामनवमी के पावन अवसर पर, 138 वर्ष पूर्व यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर की स्थापना इसी दिन महाराजा सवाई माधो सिंह द्वितीय द्वारा फुटबॉल खेल प्रेमियों की उपस्थिति में की गई थी। आज स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में क्लब के स्वर्णिम फुटबॉल इतिहास की स्मृतियों को जीवित रखते हुए 139वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों द्वारा मैत्री मैच खेला गया, जिसमें बालक-बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर उत्साह एवं जोश का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान क्लब के सदस्यों एवं फुटबॉल, कबड्डी तथा वेटलिफ्टिंग के खिलाड़ियों द्वारा सामूहिक रूप से राम स्तुति एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इस अवसर पर क्लब के सचिव महिपाल स्वामी, आर. के. भट्ट, सुनील शर्मा, समन्वयक अभिनव स्वामी, लोकेश, साहिल, गौरव, अधिवक्ता प्रेरक स्वामी, किशन लोढ़ा तथा कबड्डी कोच राज नारायण शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए।

क्लब के समन्वयक अभिनव स्वामी ने जानकारी दी कि बैच 2026-2027 के लिए प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं। साथ ही इस वर्ष क्लब में रग्बी खेल को भी शामिल किया जा रहा है।

यूनियन क्लब ने सुराना एकेडमी को हराया

जयपुर, 26 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग में खेले गए मैच में यूनियन क्रिकेट क्लब ने सुराना एकेडमी को 81 रनो से हराया। यूनियन क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बिट्टू राजभर के 50 रन, भूमि के 50 रन, दीक्षा चौधरी के 13 रन, अनन्या वर्मा के 40 रन नाबाद व निधि सैनी के 10 रन नाबाद से 50 ओवर में 9 विकेट पर 205 रन बनाए। सुराना एकेडमी के लिए भूमिका जांगिड़ ने 22 पर 3, रिधिमा शेखावत ने 32 पर 2, गंगा व विद्या ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में सुराना एकेडमी की टीम श्रेया जोशी के 13 रन, रिधिमा शेखावत के 10 रन, भूमिका जांगिड़ के 21 रन, रानी राणा के 16 रन से 41.4 ओवर में 1124 रन ही बना सकी। यूनियन क्लब के लिए अनन्या वर्मा ने 20 पर 3, अनुष्का शर्मा ने 34 पर 3, निधि सैनी, भूमि व चीनू राठौड़ ने एक - एक विकेट लिया।

आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 26 मार्च। अंडर-12 पिंकसिटी कप में आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 31 ओवर में 141 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। राजवीर ने 32 और अथर्व गुप्ता ने 31 रनों का योगदान दिया। संस्कार क्रिकेट अकादमी की ओर से पीयूष यादव ने 4 और सिद्धार्थ खान ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी संस्कार क्रिकेट अकादमी 27 ओवर में 88 रन पर ऑल आउट हो गई! ऋषभ सिंह ने सर्वाधिक 22 रन का योगदान दिया। आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से हर्षित ने 4 और तनिष्क ने 3 विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच हर्षित को चुना गया।

जूनियर राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता का आयोजन बीकानेर में 27 से

जयपुर, 26 मार्च। राजस्थान वुशू संघ व बीकानेर वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 27 से 29 मार्च 2026 तक 19वी राजस्थान जूनियर राज्य स्तरीय (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. करणी सिंह स्टेडियम, बीकानेर में किया जा रहा है। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राज्य के 23 जिलो के लगभग 200 खिलाडी व अधिकारियों के भाग लेने की संभावना है। इस प्रतियोगिता की सभी फाइट नाकआउट आधार पर खेली जायेगी। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव गणेश हर्ष ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाडियों का रजिस्ट्रशन व वजन दिनांक 27 मार्च को प्रातः 7 बजे लिया जायेगा तथा हर्ष ने बताया की प्रतियोगिता से संबंधित सभी तैयारिया पूर्ण कर ली गई है।

प्रवीण गुप्ता का जयपुर जिला बैडमिंटन संघ ने किया स्वागत

जयपुर, 26 मार्च। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के नवनियुक्त अध्यक्ष एवं वरिष्ठ आईएएस अधिकारी प्रवीण गुप्ता का जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के पदाधिकारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष अनिल मेहता, सचिव मनोज दसोड़ा एवं कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया।

संघ के पदाधिकारियों ने प्रवीण गुप्ता को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में प्रदेश में खेलों को नई दिशा और गति मिलेगी।

उस्मान तारिक की नकल करना श्रीलंकाई गेंदबाज को भारी पड़ा

नई दिल्ली, 26 मार्च। क्रिकेट के मैदान पर पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक के अनोखे बॉलिंग स्टाइल की नकल करना एक खिलाड़ी को भारी पड़ गया। श्रीलंका के रिचमंड कॉलेज में खेले गए एक मैच में गेंदबाज नेथुजा बशिथा ने तारिक की शैली अपनाने की कोशिश की, लेकिन अंपायर ने इसे नियमों के खिलाफ मानते हुए गेंद को डेड बॉल करार दिया। यह मैच गॉल में 21 मार्च को रिचमंड कॉलेज और महिंदा कॉलेज के बीच खेला गया था।पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक इन दिनों अपनी अनोखी गेंदबाजी शैली के कारण काफी चर्चा में हैं। हाल ही में समाप्त हुए टी-20 वर्ल्ड कप में उन्होंने अपनी गेंदबाजी से सभी को हैरान कर दिया।

गुवाहाटी में भी होगा बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का मैच, स्वदेश में नौ वनडे खेल सकते हैं रोहित-कोहली

नई दिल्ली, 26 मार्च। पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच की मेजबानी करने के बाद अब गुवाहाटी का बारसपारा स्टेडियम 2027 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पांच में से एक मैच की मेजबानी करेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बृहस्पतिवार को सीनियर पुरुष टीम के घरेलू सत्र का कैलेंडर जारी किया जिसमें पांच टेस्ट, नौ वनडे और आठ टी20 मैच शामिल हैं।

वनडे मैचों पर निश्चित रूप से सबकी नजर रहेगी क्योंकि विराट कोहली और रोहित शर्मा की दिग्गज जोड़ी के उन सभी मैचों में खेलने की उम्मीद है। यह दोनों स्टार बल्लेबाज अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला जनवरी, फरवरी और मार्च 2027 में खेली जाएगी। इसकी शुरुआत 21 जनवरी को नागपुर में होगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट मैच चेन्नई में (29 जनवरी से दो फरवरी) और आठ दिन के अंतराल के बाद तीसरा टेस्ट 11 से 15 फरवरी तक गुवाहाटी में खेला जाएगा। रांची में चौथा टेस्ट 19 से 23 फरवरी के बीच खेला जाएगा, जबकि अहमदाबाद में अंतिम टेस्ट 27 फरवरी से शुरू होगा।

पांच स्थानों में से नागपुर (जहां आखिरी बार 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था), चेन्नई (जहां आखिरी बार 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था), रांची (जहां आखिरी बार 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था) और अहमदाबाद (जहां आखिरी बार अक्टूबर 2025 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था) को रोटेशन नीति के अनुसार मेजबानी मिली है। लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि गुवाहाटी को फिर से मेजबानी कैसे मिली जबकि उसने नवंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट मैच आयोजित किया था।

आरसीबी के बिकने पर विजय माल्या का रिएक्शन, कहा- तब हंसे थे लोग

नई दिल्ली, 26 मार्च। आरसीबी के रिकॉर्ड कीमत पर बिक्री के बाद भगोड़े विजय माल्या ने अपने आलोचकों पर तंज कसा है। आरसीबी के पूर्व मालिक विजय माल्या के इस निवेश को कभी वैनिटी प्रोजेक्ट कहकर मजाक उड़ाया गया था। विजय माल्या ने उन मजाक उड़ाने वालों को याद दिलाते हुए कहा कि वही पागलपन आज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को दुनिया की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी में बदल चुका है।साल 2008 में 450 करोड़ रुपये में खरीदी गई आरसीबी की कीमत अब 16 हजार 500 करोड़ रुपये भी ज्यादा पहुंचने पर विजय माल्या ने इसे अपनी दूरदर्शिता की जीत बताया। विजय माल्या ने पर लिखा कि, मैं आरसीबी के नए मालिकों को तहे दिल से बधाई देना चाहूंगा।

विजय माल्या ने लिखा कि, मैं उन्हें सबसे कीमती आईपीएल फ्रेंचाइजी बनने के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं और ईश्वर से उनकी सफलता की कामना करता हूं। साल 2008 में जब मैंने 450 करोड़ रुपये में ये फ्रेंचाइजी खरीदी थी तब ज्यादातर लोगों ने मेरा मखौल उड़ाया था। उन्होंने मेरे इस निवेश की आलोचना करते हुए इसे महज दिखावा बताया था।

आईपीएल 2026 की ओपनिंग सेरेमनी का नहीं होगा आयोजन- बीसीसीआई

नई दिल्ली, 26 मार्च। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट का पहला मैच गत चैंपियन टीम आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। हर बार आईपीएल सीजन की शुरुआत से पहले ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन होता है लेकिन इस बार ऐसा कुछ नहीं होगा।

आईपीएल के 19वें सीजन के लिए बीसीसीआई ने ये फैसला लिया है। पिछले सीजन आरसीबी के पहली बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद बेंगलुरु में 4 जून 2025 को हुई भगदड़ में 11 जाने चली गई थी। जिसे लेकर अब बीसीसीआई ने उस घटना में 11 पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए आईपीएल 2026 की ओपनिंग सेरेमनी को रद्द करने का फैसला किया है। हालांकि, बीसीसीआई के पास प्लान बी भी तैयार है। ओपनिंग सेरेमनी की जगह इस बार भव्य क्लोजिंग सेरेमनी होगी। 28 मार्च को ओपनिंग सेरेमनी नहीं, लेकिन बीसीसीआई 31 मई को एक भव्य समापन समारोह आयोजित करने की योजना बना रही है।

इस दौरान बीसीसीआई ने कहा कि, पिछले साल 4 जून को हुई दुखद घटना के कारण, आईपीएल 2026 के ओपनिंग डे पर कोई औपचारिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा। बीसीसीआई 4 जू 2025 को हुई उस त्रासदी में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत में कोई सांस्कृतिक या मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित नहीं कर रहा है। हालांकि, बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल क्लोजिंग सेरेमनी यानी फाइनल के दिन एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

एसीएस स्पोर्ट्स प्रवीण गुप्ता- सचिव नीतू बारूपाल ने लिया स्टेडियम का जायजा

विभिन्न नवीनीकरण एवं अपग्रेडेशन कार्यों की समीक्षा की

जयपुर, 26 मार्च। अतिरिक्त मुख्य सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा युवा मामले व खेल विभाग, राजस्थान सरकार प्रवीण गुप्ता ने गुरुवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम पर जयपुर में आगामी दिनों में होने वाले आईपीएल मैचों के लिए चल रही विभिन्न तैयारियों का जायज़ा लिया तथा अधिकारियों को इस बाबत आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर संयुक्त शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग. राजस्थान सरकार तथा सचिव राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद नीतू बारूपाल, मुख्य लेखाधिकारी कमलप्रीत कौर, पीडब्ल्यूडी के अधिकारीगण, क्रीड़ा परिषद के अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष सहित भी अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

जयपुर में आईपीएल मैचों के लिए तैयारियां पिछले महीने से ही शुरू हो गई हैं। सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की टीम स्टेडियम में सभी तरह के नवीनीकरण एवं अपग्रेडेशन के कार्यों को समय पर पूरा कर स्टेडियम को मैचों के आयोजन के लिए तैयार कर देगी। दर्शकों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। जिससे दर्शक आरामदायक और सुविधाजनक माहौल में मैचों का आनन्द लें। आईपीएल मैचों के आयोजन से पहले फ्लड लाइट्स, सिविल, वाटर और इलेक्ट्रिक वर्क, नई लिफ्ट लगाने, वीआईपी साउथ स्टेंड्स के साथ नॉर्थ और अन्य स्टेंड्स के वॉशरूम का अपग्रेडेशन, कंटीले तारों को हटाकर नई जालियां लगाने तथा दर्शकों को सुविधा और सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक कार्य पूरे किए जा रहे है। उल्लेखनीय है कि 1995 बैच के आईएएस अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बुधवार को ही अतिरिक्त मुख्य सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग का कार्यभार ग्रहण किया था। चार्ज लेने के बाद गुरुवार को एसीएस स्पोर्ट्स की पहली विजिट थी। इस अवसर पर उनका नीतू बारूपाल ने बुके भेट कर स्वागत भी किया।

एस बी एस एकेडमी सीकर, अरावली क्लब, लक्ष्य एकेडमी, केशर एकेडमी जीती

जयपुर, 26 मार्च। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर -17 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए मैचों एस बी एस एकेडमी सीकर ने शास्त्री एकेडमी को 8 विकेट से हराया, अरावली क्लब ने स्टार एकेडमी को 234 रनो हराया, लक्ष्य एकेडमी ने एमी एकेडमी को 327 रनो से हराया तथा केशर एकेडमी ने पी एस एकेडमी को 125 रनो से हराया। आर जे 14 ग्राउंड पर शास्त्री एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पवन कुमावत के 23 रन व अल्तमस शेख के 27 रनो से 17.2 ओवर में मात्र 60 रनो पर सिमट गई। एस बी एस एकेडमी के लिए लवमीत गुर्जर ने 7 पर 3, रोनित ने 4 पर 3, तरुण कुमार ने 14 पर 2, कुलदीप शर्मा ने 22 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में एस बी एस एकेडमी सीकर ने अंकित पिलानिया के 21 रन नाबाद व चेतन गोरा के 26 रन से मात्र 6.2 ओवर में 2 विकेट पर 62 रन बनाकर मैच जीत लिया। दूसरे मार्च में लक्ष्य ग्राउंड पर लक्ष्य एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए समर प्रताप के 77 रन, आदित्य जाखड़ के 80 रन, हैरी तिवारी के 75 रन, आर्यन होलकर के 97 रन व योजित सैनी के 46 रनो से 44.3 ओवर में 449 रन बनाए।

धैर्यमान व अमरनाथ के शतक से जीती रॉयल क्रिकेट अकादमी व मोहन क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 26 मार्च। नेशनल क्रिकेट ठाउंड पर खेले गए मैच में रॉयल क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45.3 ओवर में 333 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें धैर्यमान सिंह ने 152 रन व हर्ष जाखड़ ने 51 रन व उज्जवल चौधरी ने 50 रनों की पारी खेली। आर्यन क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में समीर गोरा व आदित्य प्रजापत ने 3-3 विकेट व विहान अठावाल ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आर्यन क्रिकेट अकादमी 42 ओवर में 199 रन पर ऑलआउट हो गई। जिसमें सनी ने 84 रन व विहान अठावाल ने 46 रनों की पारी खेली। रॉयल क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में धैर्यमानसिंह ने तीन विकेट और प्रियांशु, उज्जवल व अस्तित्व ने दो-दो विकेट लिए। रॉयल क्रिकेट अकादमी ने 134 रन से मुकाबला जीता।

सनराइज फुटबॉल क्लब ने जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब को 4:1 से हराया

जयपुर, 26 मार्च। राजस्थान फुटबॉल संघ और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के सयुंक्त तत्वाधान में जारी आर लीग डिवीज़न फुटबॉल लीग के आज तीन मैच खेले गए।

पहला मैच जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब और सनराइज फुटबॉल क्लब के बीच मैच खेला गया । मैच के 15 वे मिनट में सनराइज क्लब के सूफियान ने शानदार गोल से बढ़त दिलाई मैच के 18 वे मिनट में मुकेश ने गोल करके अपनी टीम की बढ़त दुगनी कर दी। सनराइज क्लब के कप्तान संतोष के द्वारा गोल करके अपनी टीम को मध्यांतर तक 3-0 से आगे कर दिया।

मध्यांतर के बाद दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मैच के 79 मिनट में सनराइज के मुकेश ने अपनी टीम के लिए 4 और स्वयं का दूसरा गोल किया मैच के 85 वे मिनट में जयपुर सिटी के खिलाड़ी महिपत में अपनी टीम के लिए एकमात्र गोला किया।

दूसरा मैच ए स एल फुटबाल क्लब जयपुर और रिहान फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मध्यांतर तक दोनों ही टीमें गोल करने में असमर्थ रही ।

मैच के 47 वे मिनट में ए स एल के अमित नेअपनी टीम के लिए पहला गोल किया अगले ही मिनट में अमित ने अपना तथा अपनी टीम के लिए दूसरा गोल किया मैच के 54 वे मिनट में युवराज ने अपनी टीम के लिए तीसरा गोल किया ।

90 वे मिनट मे देव्यांशु ने ए स एल के लिए चौथा गोल किया मैच के अंतिम मिनट में ए स एल के करण ने अपनी के लिए 5 वा गोल किया। इस तरह ए स एल ने ये मैच 5-0 से अपने नाम किया।

तीसरा मैच फुटबॉल क्लब ब्रदर यूनाइटेड और जिंक फुटबॉल क्लब के मध्य खेला गया जिसमें फुटबॉल क्लब ब्रदर यूनाइटेड के खिलाड़ी सुनील ने 7 वे मिनट में अपनी टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई। और मैच 1- 0 से अपने नाम किया।

संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि 20 मार्च से शुरू हुई आर लीग 1 महीने तक चलेगी। कुल 42 मैचों में से अब तक 9 मैच खेले जा चुके हैं 29 मार्च को अगले तीन मैच खेले जाएंगे।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी को डायमंड हार्बर एफसी ने कड़े मुकाबले में 1-1 से ड्रॉ पर रोका

जयपुर, 26 मार्च। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने अपने घरेलू मैदान विद्याधर नगर स्टेडियम में खेले गए 2025-26 संस्करण के एक रोमांचक मुकाबले में डायमंड हार्बर एफसी के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला।

मैच की शुरुआत दोनों टीमों द्वारा अनुशासन और सामरिक समझ के प्रदर्शन के साथ हुई, जिसके चलते पहला हाफ काफी प्रतिस्पर्धात्मक रहा और कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही निर्णायक क्षण आया, जब ब्राज़ीलियाई फॉरवर्ड जोनाथन फर्नांडेज़ ने 51वें मिनट में पेनल्टी को सफलतापूर्वक गोल में बदलते हुए राजस्थान यूनाइटेड एफसी को बढ़त दिलाई।

इस गोल के बाद टीम को नई ऊर्जा मिली और उन्होंने दूसरे गोल की तलाश में लगातार दबाव बनाए रखा। हालांकि, डायमंड हार्बर एफसी ने भी दृढ़ता दिखाई

और अंततः बराबरी का गोल कर मैच को 1-1 की स्थिति में समाप्त किया। परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए, राजस्थान यूनाइटेड एफसी के चेयरमैन के.के. टाक ने मुकाबले की कठिनाई और टीम के प्रयासों को सराहते हुए कहा कि यह एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ चुनौतीपूर्ण मैच था। उन्होंने यह भी कहा कि क्लब हमेशा अधिकतम अंक प्राप्त करने का लक्ष्य रखता है और अब ध्यान आगामी मुकाबलों में और बेहतर प्रदर्शन करने पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने आगे सभी विशिष्ट अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति और समर्थन क्लब के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस मुकाबले में कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें मुख्य अतिथि गोपाल शर्मा (विधायक), संजय पाचपोर (आरएसएस) और विशिष्ट अतिथि राम प्रसाद (सीनियर प्रचारक, आरएसएस, संरक्षक) शामिल रहे।

अन्य विशिष्ट अतिथियों में भूपेंद्र सेन जी (प्रदेश महामंत्री, भाजपा, जयपुर, राजस्थान), अमित गोयल (जिला अध्यक्ष, जेटीपीआर राजस्थान), डॉ. अल्पना कतेजा (कुलपति, राजस्थान विश्वविद्यालय), राजस्थान यूनाइटेड एफसी के प्रबंध निदेशक एवं चेयरमैन, तेजेंद्र सिंह जादौनी (फिल्म अभिनेता एवं क्लब के राष्ट्रीय ब्रांड एंबेसडर), फिल्म अभिनेत्री रिया सागू, दिलीप शेखावत (सचिव, आरएफए), राजू अग्रवाल (मंगोरीवाला) तथा सुमित कुमार यादव (सीजीएसटी आयुक्त) शामिल रहे।

टीम जयपुर ने 13.5-3 के स्कोर से टीम जयगढ़ को हराकर जीता मैच

जयपुर, 26 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर सीजन के आखिरी टूर्नामेंट आरपीसी कप - द्वितीय (आउट ऑफ हैट) का दूसरा मैच गुरुवार को खेला गया। यह दिलचस्प मुकाबला टीम जयपुर और टीम जयगढ़ के बीच खेला गया, जिसमें टीम जयपुर ने शानदार जीत हासिल की। टीम जयपुर ने 13.5 - 3 के स्कोर से टीम जयगढ़ को शिकस्त दी।

विजेता टीम जयपुर से की ओर से युवा खिलाड़ी डीनो धनखड़ ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अकेले 9 गोल हासिल किए। वहीं, रघुराम हरि ने 2 गोल किए। टीम के लिए नरेंद्र सिंह और बलबीर सिंह ने 1-1 गोल किया। यहां टीम जयपुर को आधे गोल का एडवांटेज भी मिला। दूसरी ओर, टीम जयगढ़ से मयूरध्वज सिंह तलबगांव ने 2 गोल और शुभम सिंह ने 1 गोल किया। टीम से अश्विनी शर्मा और योगेंद्र सिंह भी खेले।

राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शुक्रवार, 27 मार्च को शाम 5 बजे टीम जयपुर और टीम नाहरगढ़ के बीच मुकाबला होगा। वहीं, टूर्नामेंट का फाइनल शनिवार, 28 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला जाएगा।

मध्यपूर्व एशिया क्षेत्र में उत्पन्न स्थिति के मद्देनज़र, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सर्वदलीय बैठक बुलाई। बैठक में उन्होंने सभी दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में तेल, गैस के प्रबंधन की स्थिति के बारे में चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने तेल, गैस, फर्टिलाइज़र आपूर्ति पर सर्वदलीय बैठक की

उन्होंने सभी दलों के प्रतिनिधियों से सामूहिक जिम्मेदारी के साथ काम करने का आव्हान किया

जयपुर, 26 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मध्यपूर्व एशिया क्षेत्र में उत्पन्न स्थिति के मद्देनज़र, कच्चे तेल, गैस और फर्टिलाइज़र की आपूर्ति के संबंध में आयोजित सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने सभी दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में तेल, गैस के प्रबंधन की स्थिति के बारे में चर्चा करते हुए सामूहिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आव्हान किया।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रभावी निगरानी व सतर्कता के लिए राज्य स्तर पर उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। जिला स्तर पर कलैक्टर, पुलिस अधीक्षक, डीएसओ और तेल कंपनियों के नोडल अधिकारियों की टीमें गठित की गई हैं। चौबीस घंटे हैल्पलाइन भी चालू है।
- उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में रियाद, कुवैत, बहरीन, दुबई जैस देशों में राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर्स ने प्रवासी राजस्थानियों के लिए सुरक्षित आवास, खाने आदि की व्यवस्था तथा वतन वापसी का सराहनीय कार्य किया।

शर्मा ने दलों के साथ-साथ प्रदेश की जनता को आश्वस्त किया कि राजस्थान में पेट्रोल-डीजल, गैस एवं उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त है तथा किसी प्रकार की घबराहट की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रभावी निगरानी और सतर्कता के लिए राज्य स्तर पर एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। वहीं, जिला स्तर पर कलक्टर, पुलिस अधीक्षक, डीएसओ और तेल कंपनियों के नोडल अधिकारियों की टीमें भी गठित की गई हैं। समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 181, 112 और 14435 हेल्पलाइन नंबर चौबीस घंटे संचालित किए जा रहे हैं।

विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं ने कहा कि वे पूरी तरह राज्य सरकार के साथ हैं। उन्होंने गैस एवं तेल प्रबंधन में केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए विभिन्न सुझाव दिए।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, भाजपा विधायक श्रीचंद कृपलानी, कांग्रेस विधायक राजेन्द्र पारीक और रामकेश, बसपा विधायक मनोज कुमार, राष्ट्रीय लोकदल से विधायक डॉ. सुभाष गर्ग, निर्दलीय विधायक अशोक कुमार कोठारी, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास सहित, संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे। वहीं, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग और भारत आदिवासी पार्टी के विधायक थावर चन्द वीसी के माध्यम से जुड़े।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मध्यपूर्व एशिया क्षेत्र में मौजूदा हालात को लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्थान फाउंडेशन के 26 चैप्टर्स एवं देश-विदेश के 60 प्रवासी राजस्थानी एसोसिएशन्स, प्रवासी राजस्थानी कॉर्डिनेटर्स के साथ वीसी के माध्यम से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि हाल ही के दिनों में रियाद, कुवैत, बहरीन और दुबई जैसे देशों में राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर्स ने प्रवासी राजस्थानियों के सुरक्षित आवास तथा भोजन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं और वतन वापसी का सराहनीय कार्य किया है।

संथाल लेखक कलेन्द्रनाथ मांडी भाजपा में शामिल

कोलकाता, 26 मार्च। डायन कुप्रथा के खिलाफ लंबे समय से संघर्ष करने वाले संथाल लेखक और साहित्यकार कलेन्द्रनाथ मांडी ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। राज्य भाजपा के साल्टलेक स्थित कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य और पुरुलिया के सांसद तथा प्रदेश भाजपा महासचिव ज्योतिर्मय सिंह महतो की उपस्थिति में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

उल्लेखनीय है कि कलेन्द्रनाथ मांडी वर्ष 2023 के पंचायत चुनाव में पुरुलिया जिले के बांदवान ब्लॉक की एक सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर जिला परिषद सदस्य चुने गए थे। हाल ही में उन्हें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हाथों 'बंगभूषण' सम्मान से भी सम्मानित किया गया था।

संथाली साहित्य के प्रमुख हस्ताक्षरों में गिने जाने वाले कलेन्द्रनाथ मांडी ने वर्ष 1981 में साहित्य लेखन की शुरुआत की थी।

छिंदवाड़ा: बस ट्रक की आमने सामने टक्कर में 10 की मौत

बस मुख्यमंत्री मोहन यादव के हितग्राही कार्यक्रम से लौट रही थी, जब यह हादसा हुआ

जबलपुर, 26 मार्च। मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा जिले के मोहखेड़ थाना अंतर्गत सेमरिया हनुमान मंदिर के पास गुरुवार शाम एक भीषण सड़क हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के "हितग्राही सम्मेलन" से लौट रही एक बस और ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

हादसा गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे उमरानाला इलाके में हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस (भंडारकुंड करेर की) और ट्रक के बीच सीधी भिड़ंत हुई। सूचना मिलते ही 20 से ज्यादा

- हादसे के कारण सड़क पर 4-5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। बस में कुल 41 लोग बैठे थे। मरने वालों में 6 पुरुष, 3 महिलाएं व 1 बच्चा है।

एंबुलेंस मौके पर पहुँचीं। हादसे के कारण सड़क पर 4 से 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसे खुलवाने और राहत कार्य में पुलिस प्रशासन जुटा हुआ है। छिंदवाड़ा एसपी ने घटनास्थल पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया और हताहतों के आंकड़ों की पुष्टि की है। मरने वालों में 6 पुरुष, 3 महिलाएं, 1 बच्चा शामिल है।

बस में कुल 41लोग सवार थे। सभी हितग्राही सम्मेलन से लौट रहे थे।सभी को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

प्रशासन और डॉक्टरों की पूरी टीम घायलों को बचाने में जुटी है। एसपी अजय पांडे ने कहा कि सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। घटनास्थल पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी तैनात हैं। घायलों को निकालने के लिए क्रेन और स्थानीय लोगों की मदद ली गई है। जिला अस्पताल में भी इमरजेंसी अलर्ट जारी कर दिया गया है ताकि घायलों को तत्काल उपचार मिल सके।

ट्रक से टक्कर के बाद बस में भीषण आग लगी, 13 की मौत

आंध्र में हुए इस हादसे में दोनों वाहन जल कर नष्ट हो गए, 20 की हालत गंभीर

विजयवाड़ा, 26 मार्च। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में गुरुवार तड़के बड़ा हादसा हुआ है। रायवरम के पास मार्कपुरम मंडल में एक निजी बस और बजरी से लदे ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम 13 लोगों की जान चली गई। बताया जा रहा है कि टक्कर के कारण भीषण आग लग गई, जिसने कुछ ही मिनटों में दोनों वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। 13 यात्री आग में जलकर मर गए, जबकि लगभग 20 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल पास के अस्पतालों में ले जाया गया, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सूचना मिलते ही, पुलिस और अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।

- दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अभी तक आग लगने के कारण का पता नहीं चला है।

दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत की और काफी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के समय बस तेलंगाना के जगतियाल से प्रकाशम जिले के पोडिली जा रही थी। दुर्घटना के सटीक कारण का अभी पता नहीं चल पाया है और विस्तृत जांच जारी है। अधिकारी बचाव और पहचान के प्रयास जारी रखे हुए हैं, इसलिए अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। घायलों को इलाज के लिए मार्कपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बचाव अभियान जारी है। मरकापुरम के एसपी वी हर्षवर्धन राजू ने कहा, 22 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस में 35 यात्री सवार थे। घटना की पूरी जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने लोगों की मौत पर दुख जताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुए भीषण बस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये व घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि की घोषणा की है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने रामनवमी की शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली, 26 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामनवमी के अवसर पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देशवासियों को रामनवमी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार हमें न्याय, कर्तव्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जीवन से त्याग, समरसता और आदर्श जीवन-मूल्यों का अनमोल संदेश मिलता है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि देशभर के परिवारजनों को रामनवमी की शुभकामनाएं। त्याग, तप और संयम से भरे मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन से हमें हर परिस्थिति का पूरे सामर्थ्य से सामना करने की प्रेरणा मिलती है। उनके आदर्श अनंतकाल तक भारतवासियों के साथ-साथ संपूर्ण मानवता के पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे।

खार्ग द्वीप पर कब्जा किया तो बाब अल-मंडेब स्ट्रेट पर कब्जा कर लेंगे

ईरान ने अमेरिका को खुली धमकी दी

तेहरान, 26 मार्च। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका खार्ग द्वीप पर हमला करता है, तो वह युद्ध में एक नया मोर्चा खोल देगा और बेहद अहम लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ने वाले बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य व्यापार मार्ग को बाधित कर देगा। इसके अलावा, हूती विद्रोही समूह ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका और इज़रायल के साथ युद्ध के दौरान ईरानी शासन को मदद की जरूरत पड़ी तो वे 20 मील चौड़े इस जलडमरूमध्य पर कब्ज़ा करने में मदद करेंगे।

होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावित होने से दुनिया की 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति पर वैश्विक असर देखा जा रहा है। बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। हर साल दुनिया भर में समुद्र के रास्ते

- हूती विद्रोहियों ने कहा कि बाब अल मंडेब स्ट्रेट पर कब्जा करने में वे ईरान की मदद करेंगे। यह स्ट्रेट लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है।

होने वाली तेल की लगभग 12 प्रतिशत खेप इसी जलडमरूमध्य से गुज़रती है।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने ईरान की सरकारी समाचार संस्था तस्नीम न्यूज एजेंसी को बताया कि अमेरिका अगर ईरान के द्वीपों या जमीन पर कहीं पर कार्रवाई करना चाहता है या फारस की खाड़ी और ओमान सागर में नौसैनिक गतिविधियों से ईरान को नुकसान पहुंचाना चाहता है, तो हम उनके लिए दूसरे मोर्चे खोल देंगे। उनकी कार्रवाई से कोई फायदा तो नहीं होगा, बल्कि मुश्किलें दोगुनी हो जाएंगी।

उन्होंने कहा कि बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य को दुनिया के रणनीतिक जलडमरूमध्यों में से एक माना जाता है और ईरान के पास इसके खिलाफ पूरी तरह से विश्वसनीय खतरा पैदा करने की इच्छा और क्षमता, दोनों हैं। इसलिए, अगर अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए कोई समाधान निकालने की सोच रहे हैं, तो उन्हें सावधान रहना चाहिए कि वह अपनी समस्याओं और मुश्किलों में एक और जलडमरूमध्य को न जोड़ लें। बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य यमन के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है, जहां ईरान समर्थित हूती विद्रोही मौजूद हैं। वहीं, हूती विद्रोही समूह ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के दौरान ईरानी शासन को मदद की ज़रूरत पड़ी, तो वे 20 मील चौड़े इस जलडमरूमध्य पर कब्ज़ा करने में मदद करेंगे और यह एक ऐसा कदम होगा जो लाल सागर से होने वाले यातायात में बाधा डालेगा, जहाँ हर साल एक ट्रिलियन डॉलर का सामान गुज़रता है। हूतियों ने बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से गुजरने वाले इजराइल से जुड़े जहाज़ों पर दो साल से भी ज़्यादा समय तक हमले किए थे।

ईरान की ये धमकियां ऐसे समय में आई हैं जब अमेरिका सेना की 82वीं इन्फैंट्री डिवीजन के 3,000 सैनिकों को मध्य-पूर्व भेजने की तैयारी में है। ये सैनिक तीन युद्धपोतों पर तैनात लगभग 2,500 मरीन सैनिकों के साथ शामिल होंगे।

प.बंगाल एसआईआर की पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट में 13 लाख नाम कटे

कोलकाता, 26 मार्च। बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीज़न (एसआईआर) की पहली पूरक सूची में करीब 13 लाख लोगों के नाम कटे हैं।

- दूसरी सप्लीमेंट्री लिस्ट शुक्रवार को आने की संभावना है।

बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के सूत्रों से यह जानकारी मिली है।

उनके अनुसार, पहली सूची जारी होने तक 32 लाख मामलों का निपटारा हुआ था, जिनमें से 13 लाख लोगों के नाम कटे हैं, जबकि 10 लाख के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल हुए हैं। बाकी नौ लाख लोगों के स्टेटस को लेकर फिलहाल अनिश्चितता है।

इस बीच, सूत्रों के हवाले से यह भी खबर है कि दूसरी पूरक सूची आगामी शुक्रवार को जारी होगी। पहली सूची सोमवार मध्य रात्रि को जारी हुई थी। चुनाव आयोग की ओर से इसे लेकर अब तक कोई प्रेस नोट जारी नहीं किया गया है, जिससे आधिकारिक तौर पर यह यह स्पष्ट नही हो पाया है कि कुल कितने लोगों के नाम कटे हैं और कितनों के नाम अंतिम मतदाता सूची में जुड़े हैं।

अंतिम मतदाता सूची जारी होने के 22 दिन बाद पहली पूरक सूची जारी हुई थी। अंतिम मतदाता सूची गत 28 फरवरी को जारी हुई थी।

कश्मीर में ईरान के लिए 18 करोड़ रु. इकट्ठे हुए

कश्मीर, 26 मार्च। कश्मीर घाटी में ईरान के समर्थन के लिए बड़ी राशि का चंदा जुटाने का मामला सामने आया है। सुरक्षा एजेंसियां इस पर चौकसी बढ़ा रही हैं। उन्हें आशंका है कि यह धन आतंकी फंडिंग में इस्तेमाल हो सकता है। अब तक 17.91 करोड़ रुपए का चंदा इकट्ठा किया गया है, जिसमें से 85 प्रतिशत राशि शिया समुदाय के लोगों ने दान की है। बड़गाम जिला इस अभियान में सबसे आगे है, जहां लगभग 9.5 करोड़ रुपए की राशि जुटाई गई है। यह फंडरेजिंग अभियान जकात और सदका जैसी धार्मिक गतिविधियों से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। इसका मूल उद्देश्य ईरान में मौजूदा संघर्ष से प्रभावित नागरिकों की मदद करना है।

- इसमें 88 प्रतिशत राशि शिया समुदाय के लोगों की है।
- सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम पर नज़र रख रही हैं।

इस चंदा को इकट्ठा करने के लिए ईरान के दूतावास ने एक विशेष बैंक अकाउंट खोला है, जिसमें यूपीआई के जरिए भुगतान किया जा सकता है। अधिकारियों का मानना है कि चंदा जितना इकट्ठा हो रहा है, उसकी राशि और बढ़ने की भी संभावनाएं हैं।

खुफिया एजेंसियां इस पूरे मामले पर गौर कर रही हैं। उनका कहना है कि चंदा जुटाने के इस अभियान का कुछ हिस्सा गलत हाथों में जा सकता है। अधिकारियों ने इस बात का भी उल्लेख किया है कि लोगों की भावना तो सही हो सकती है, लेकिन बिचौलिये और बिना सत्यापन वाले संगठनों के कारण पारदर्शिता में कमी आ सकती है।

जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि कुछ शिया धार्मिक नेता और संगठन ईरान से आर्थिक सहायता प्राप्त कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि बिना पर्याप्त निगरानी के, इस प्रकार के फंड का इस्तेमाल राजनीतिक गतिविधियों या अन्य उद्देश्यों को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है। अतः सुरक्षा एजेंसियों ने फंड की निगरानी को और मजबूत करने की योजना बनाई है।

होर्मुज़ स्ट्रेट के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्षेत्र में मौजूद जो जहाज होर्मुज से गुजरने की तैयारी कर रहे थे, वे अब समुद्र में ही लंगर डालकर खड़े हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार दुनिया के टैंकर बेड़े का 5.5 प्रतिशत और कंटेनर एवं ड्राई कार्गो बेड़े का 1.5 प्रतिशत हिस्सा इस समय फारस की खाड़ी में फंसा हुआ है।

एनालिटिक्स फर्म वॉर्टेक्सा के अनुसार, इस क्षेत्र में फंसे हुए टैंकरों में लगभग 190 मिलियन बैरल कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद लदे हैं। इसके अतिरिक्त, 177 सामान्य मालवाहक जहाज, 174 कंटेनर जहाज, 98 द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस

- इन टैंकरों पर 190 मिलियन, बैरल कच्चा तेल व पैट्रोलियम उत्पाद, एलएनजी आदि लदी है।

कैरियर, 42 डामर/बिटुमेन कैरियर, 37 भारी-भरकम सामान उठाने वाले जहाज और 34 एलपीजी/रासायनिक टैंकर भी इस क्षेत्र में मौजूद हैं। जर्मनी की कंपनी हेपेग-लॉयड ने हाल में बताया कि मौजूदा तनाव के चलते उसके छह जहाज़ फ़ारस खाड़ी में काम नहीं कर पा रहे हैं।

इस्लामिक रिवोल्युशनरी गार्ड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उद्योग की खुफिया वेबसाइट लॉयड्स लिस्ट के अनुसार, सामान्यतः इस मार्ग से प्रतिदिन लगभग 120 जहाज गुजरते हैं। हालांकि, 1 मार्च से 25 मार्च के बीच, विश्लेषण फर्म केप्लर के अनुसार केवल 155 बार मालवाहक जहाजों ने पारगमन किया, जो 95 प्रतिशत की कमी दर्शाता है।

इनमें से 99 तेल टैंकरों और गैस वाहकों ने इसे पार किया, और अधिकांश जहाज स्ट्रेट से पूर्व की ओर जा रहे थे। बुधवार को केवल दो जहाजों के इस मार्ग से गुजरने का पता चला, और दोनों पश्चिम की ओर जा रहे थे।

फार्स और तस्नीम समाचार एजेंसियों, जो ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के करीब मानी जाती हैं, ने रिपोर्ट किया है कि तेहरान जहाजों को गुजरने देने के बदले शुल्क लेने की प्रक्रिया को औपचारिक रूप देने पर भी काम कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान एक "वास्तविक 'टोल बूथ' प्रणाली" लागू कर रहा है, जिसमें स्ट्रेट से गुजरने पर कुछ जहाजों से चीनी युआन में भुगतान लिया जा रहा है।

ईरान ने अमेरिका का एक और एफ-18 विमान नष्ट करने का दावा किया

तेहरान, 26 मार्च। पश्चिम एशिया में पिछले 27 दिनों से जारी युद्ध के बीच ईरान ने अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-18 को चाबहार क्षेत्र के ऊपर मार गिराया। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गाड्र्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने यह दावा किया। आईआरजीसी ने कहा कि उसने ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले एक और अमेरिकी एफ-18 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। आईआरजीसी के अनुसार, 28 फरवरी से अब तक यह चौथा अमेरिकी लड़ाकू विमान है, जिसे निशाना बनाया गया है।

इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के स्वामित्व वाले ईरान के सरकारी मीडिया संगठन प्रेस टीवी और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी के

- ईरान ने कहा कि ईरान की सेना ने चाबहार पर मंडरा रहे इस विमान को नष्ट कर दिया है
- अमेरिका ने इस दावे को सरासर झूठ बताया व कहा कि अमेरिका के किसी भी लड़ाकु विमान को नुकसान नहीं हुआ है।

जनसंपर्क विभाग ने बुधवार को वायु रक्षा इकाइयों द्वारा किए गए इस सफल अभियान की जानकारी दी।

एक बयान में आईआरजीसी ने कहा कि उसने देश के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले एक विमान को रोका और मार गिराया। दुश्मन के इस विमान को दक्षिणी ईरान के ऊपर मंडराते समय निशाना बनाया गया और नष्ट कर दिया गया। इसके साथ ही ईरानी सशस्त्र बलों ने कहा कि उन्होंने जवाबी कार्रवाई में सटीक-निर्देशित मिसाइलों और उन्नत ड्रोनों का इस्तेमाल करते हुए 80 से अधिक चरणों में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी और इज़रायली ठिकानों पर हमले किए हैं। उधर, अमेरिका ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ईरान का यह दावा झूठा है और किसी भी अमेरिकी लड़ाकू विमान को नुकसान नहीं पहुंचा है।

ईरान वॉर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वस्तुओं के निर्माता पहले से ही लंबी आपूर्ति अवधि और बढ़ी हुई लागत की रिपोर्ट कर रहे हैं, भले ही अभी भारी कमी नहीं दिख रही हो। "ब्लूम आईवीएफ" के कंसल्टेंट आईवीएफ विशेषज्ञ रोहन पालशेटकर ने कहा, फिलहाल यह रोजमर्रा की सेवाओं को प्रभावित नहीं कर रहा है, लेकिन युद्ध का सिस्टम पर अप्रत्यक्ष दबाव पड़ेगा। चूंकि हम कच्चे माल, मेडिकल डिवाइस और कुछ उच्च-स्तरीय उपकरणों के आयात पर निर्भर हैं, इसलिए खरीद लागत बढ़ सकती है।" उन्होंने यह भी कहा कि अभी मौजूदा स्टॉक के कारण मरीजों के बिल नहीं बढ़े हैं, "लेकिन यदि यह स्थिति बनी रहती है, तो लागत में वृद्धि हो सकती है, जिसका सीधा असर मरीजों पर पड़ेगा।" "स्टेरिस हेल्थकेयर" के चेयरमैन जीवन कसारा ने भी इसी बात को दोहराते हुए कहा, स्वास्थ्य क्षेत्र पर, विशेष रूप से फार्मा उद्योग में, इसका असर दिखेगा, क्योंकि यह क्षेत्र ऐक्टिव फार्मास्युटिकल इन्ग्रेडिएन्ट्स (एपीआई), इंटरमीडिएट्स और पेट्रोकेमिकल आधारित पैकेजिंग सामग्री के आयात पर काफी निर्भर है। लंबे समय तक व्यवधान रहने से दवाइयों की कीमतें बढ़ेंगी।" "टीआई मेडिकल" के सीईओ प्रशांत कृष्णन के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव "वैश्विक स्वास्थ्य आपूर्ति श्रृंखलाओं पर महत्वपूर्ण दबाव बना रहे हैं। प्रमुख व्यापार मार्गों में बाधाएं और ऊर्जा लागत में वृद्धि इनपुट और परिवहन खर्च को बढ़ा रही हैं।" उनके अनुसार, कुछ मामलों में, मेडिकल-ग्रेड प्लास्टिक जैसे महत्वपूर्ण कच्चे माल की कीमतों में 50 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है, तथा साथ ही पैकेजिंग और ईंधन लागत भी बढ़ी है। फिलहाल कंपनियां मरीजों पर बोझ कम रखने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन जहां आयात पर निर्भरता अधिक है, वहां "चयनात्मक (सलैक्टिव) मूल्य वृद्धि हो सकती है।

दो दिन बचे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एआईसीसी के प्रशासन को संभालने वालों द्वारा पहले ही सुलझाया जाना चाहिए था।

क्या एआईसीसी की व्यवस्था विफल हो गई है?

अब पार्टी इस मामले में अदालत का रुख करने और स्थगन (स्टे) व समय लेने पर भी विचार कर रही है, लेकिन पार्टी को पहले ही पर्याप्त समय दिया जा चुका है।

सरकार की अंतिम समय-सीमा समाप्त होने में अब सिर्फ 2 दिन बचे हैं, और कांग्रेस नेता घबराए हुए हैं।

राजस्थान का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और पूरी तरह निश्चिंत रहें। सरकार पूरी तरह सजग है और आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जा रही है।

कतर से गैस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अक्सर भू-राजनीतिक और प्राकृतिक उतार-चढ़ावों की परीक्षा से गुजरना पड़ता है। 2010 से 2014 के बीच, जब भारत ने बड़े पैमाने पर एलएनजी आयात बढ़ाना शुरू किया था, तब इसका 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा क़तर से आता था। उस समय की सरकार ने इतने अस्थिर क्षेत्र में स्थित एक ही स्त्रोत पर इतनी निर्भरता क्यों बनाई, यह अलग चर्चा का विषय है। संभवतः वे निर्णय "रणनीतिक" होने की अपेक्षा 'व्यावसायिक' अधिक थे। कारण चाहे जो भी रहे हों, यह उस समय को दर्शाता है, जब हम अपने बाज़ार के आकार का उपयोग अपने हितों को सुरक्षित करने के लिए पूरी तरह नहीं कर पाए थे।

लेकिन 2014 से, जैसा कि आंकड़े दर्शाते हैं, एलएनजी आयात के स्त्रोतों में विविधता लाने और क़तर पर निर्भरता कम करने का ठोस निर्णय लिया गया।

2014 में, जब नरेन्द्र मोदी ने पहली बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली, तब क़तर से एलएनजी आयात कुल आयात का 86 प्रतिशत था। अगले ही वर्ष यह घटकर 62 प्रतिशत हो गया। एक साल के भीतर ही भारत अपने एलएनजी स्त्रोतों में विविधता लाया तथा एलएनजी के स्त्रोतों में मुख्य रूप से चार देश, नाइजीरिया, इक्वेटोरियल गिनी, ऑस्ट्रेलिया और ओमान और जुड़ गये।

यह कदम आसान नहीं था, क्योंकि अमेरिका, क़तर और ऑस्ट्रेलिया एलएनजी क्षेत्र में 60 प्रतिशत से अधिक की संयुक्त हिस्सेदारी के साथ हावी हैं। फिर भी, 2017 तक क़तर से हमारा एलएनजी आयात घटकर 51 प्रतिशत रह गया, और 2020 तक 39 प्रतिशत। मात्र पाँच वर्षों में हमने क़तर पर अपनी निर्भरता घटाकर आधी कर दी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908